खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :30°C
न्यूनतम: 15°C

देहरादून, मंगलवार 10 मार्च 2026 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 211 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com फाल्गुन कृष्ण पक्ष 5 विक्रमी सम्वत् 2082 20 रमज़ान 1447 हिजरी

नई दिल्ली, मुज़फ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

इस साल के अंत तक आ जाएगी अहमदाबाद विमान हादसे की अंतिम रिपोर्ट: नायडू पेज 2

ओलंपिक गोल्ड जीतना है अगला लक्ष्य : सूर्यकुमार खेल टाइम्स

टी-20 क्रिकेट : टीम इंडिया का वर्चस्व सम्पादकीय

पश्चिम एशिया संकट गहराने से शेयर बाजार धड़ाम पेज 2

20वां रोज़ा

रोज़ा सब्र का प्याला और मग़फ़िरत का उजाला है

बीसवां रोज़ा दरअसल मग़फ़िरत के अशरे की आखिरी कड़ी है। जैसा कि पहले भी बयान किया जा चुका है कि ग्यारहवें रोज़े से शुरू होकर बीसवें रोज़े तक के बीच के दस दिनों की रोज़ेदार की परहेज़गारी, इबादत, तिलावत-क़ुरआन और तक़वा के साथ अल्लाह की फ़र्माबरदारी ही मग़फ़िरत की रोशनी का मुस्तहिक़ बनाती है। बीसवें रोज़े की तरबीह कुछ इस तरह होगी। रोज़ा रूहानी काउंटर है। तकवा तराज़ू है। पाकीज़गी और परहेज़गारी पलड़े हैं। सब्र इस तराज़ू की डंडी या ग़िप है। अल्लाह पर ईमान इसका बाट है। मग़फ़िरत सामान है। यों भी कहा जा सकता है कि रोज़ा सब्र का प्याला और मग़फ़िरत का उजाला है। सवाल यह उठता है कि मग़फ़िरत का यह उजाला नसीब कैसे हो? इसका जवाब क़ुरआने-पाक की सूरह आले इमरान की आयत नंबर सत्तावन में इस तरह है- और जो ईमान लाए और अमल-ए-नेक करते रहे उनको खुदा पूरा-पूरा सिला देगा।

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट में प्याज-लहसुन को तामसिक मानने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक वकील ने 5 पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (पीआईएल)/ जनहित याचिका फाइल की थीं। इनमें से एक में कहा गया था कि प्याज और लहसुन में तामसिक या नेगेटिव एनर्जी होती है या नहीं इसके लिए रिसर्च की मांग की गई थी। इस पर सोमवार को सुनवाई करते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने एडवोकेट सचिन गुप्ता को फटकार लगाई। सीजेआई ने पूछा कि आधी रात को ये सब पिटीशन ड्राफ्ट करते हो क्या? सीजेआई और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने वकील की पांचों पीआईएल अस्पष्ट, फालतू और बेबुनियाद बताकर खारिज कर दीं। पिटीशनर ने जवाब दिया कि यह एक आम मुद्दा है और दावा किया कि गुजरात में खाने में प्याज के इस्तेमाल को लेकर कथित तौर पर एक तलाक हुआ था। सीजेआई बोले- आप जैन समुदाय की भावना को ठेस पहुंचाना चाहते हैं।

धामी सरकार ने किया 1.11 लाख करोड़ का बजट पेश

गंगा कॉरिडोर समेत कई नई योजनाओं का ऐलान, बजट में नई योजनाओं, बुनियादी ढांचे और रोजगार सृजन पर विशेष जोर

शाह टाइम्स ब्यूरो

गैरसैंण। गैरसैंण। उत्तराखंड विधानसभा बजट सत्र गैरसैंण के भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा में चल रहा है, जिसके तहत सोमवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्ष 2026-27 के लिए 1,11,703.21 करोड़ रुपये का बजट सदन में पेश किया। बजट में नई योजनाओं, बुनियादी ढांचे और रोजगार सृजन पर विशेष जोर दिया गया है।

उत्तराखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री धामी ने साल 2026-27 का बजट सदन में पेश किया, इस बार राज्य का कुल बजट आकार 1,11,703. 21 करोड़ रुपये यानी एक लाख 11 हजार 703 करोड़ रुपये का रखा गया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 10.41 फीसदी ज्यादा है। सरकार ने इस बजट को विकास, रोजगार, पर्यटन और आधारभूत ढांचे -शेष पृष्ठ दो पर

हरिद्वार व ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर परियोजना के लिए 10-10 करोड़

धार्मिक पर्यटन और आध्यात्मिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए हरिद्वार गंगा कॉरिडोर परियोजना और ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर परियोजना के लिए 10-10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। साथ ही स्पिरिचुअल इकोनॉमिक जोन के विकास के लिए 10 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।

आपदा सखी योजना के लिए 19 करोड़ रुपये प्रस्तावित

आपदा प्रबंधन को मजबूत करने के लिए 'आपदा सखी' योजना के लिए 2 करोड़ रुपये और रेस्क्यू सेंटर के लिए 19 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित किया गया है। ग्राम स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए ग्राम प्रहरी योजना के लिए 5 करोड़ रुपये रखा गया है।

साइबर सिक्योरिटी और एआई पर भी विशेष फोकस

तकनीकी क्षेत्र को मजबूत करने के लिए साइबर सिक्योरिटी के क्रियान्वयन के लिए 5 करोड़ और इमरजिंग टेक्नोलॉजी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग के लिए 10.50 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

उत्तराखंड को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य: सीएम

गैरसैंण। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार का संकल्प ज्ञान मॉडल के माध्यम से राज्य के समग्र विकास को आगे बढ़ाना है। इस मॉडल में गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान) और नारी सशक्तिकरण को विकास के चार प्रमुख स्तंभ के रूप में रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज -शेष पृष्ठ दो पर

इजरायल ने ईरान पर फिर किए ताबड़तोड़ हमले

तेहरान-इस्फहान समेत कई शहरों को बनाया निशाना

तेल अवीव/तेहरान। अमेरिका – इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग का सोमवार को दसवां दिन था। इजरायल ने एक बार फिर ईरान पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले शुरू किए हैं। इजरायली सेना के मुताबिक राजधानी तेहरान, इस्फहान और दक्षिणी इलाकों में ईरानी शासन से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर एयरस्ट्राइक की जा रही हैं।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि जब तक हमले जारी हैं, तब तक बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है और ईरान निर्णायक जवाब देने पर ध्यान दे रहा है। लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में भी कई एयरस्ट्राइक की खबरें सामने आई हैं। इस बीच टाइम्स ऑफ इजरायल ने बताया कि ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई घायल हो गए हैं। ईरान की राजधानी तेहरान में शनिवार को तेल भंडार ठिकानों पर इजरायली हमलों के बाद फैला तेल शहर की नालियों में पहुंच गया है। इससे सड़कों के किनारे आग की नदी जैसे हालात बन गए। ईरान के सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी ने कहा है कि जो देश ईरान के खिलाफ युद्ध और दुश्मनी का रवैया रखते हैं, उन्हें अब समझ आ गया है कि ईरान की व्यवस्था मजबूत है और आगे भी कायम रहेगी। लारीजानी ने यह भी कहा कि नए नेतृत्व से देश में उम्मीद और एकजुटता बढ़ेगी। वहीं ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने आरोप लगाया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को ईरान के खिलाफ युद्ध के लिए उकसाया गया। उनका दावा है कि अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मिलकर साजिश की। अराघची के मुताबिक ग्राहम हाल के हफ्तों में कई बार इजरायल गए और वहां की खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों से मुलाकात की। इन बैठकों में ईरान से जुड़े मामलों पर चर्चा हुई। अराघची का कहना है कि ग्राहम ने कहा था कि उन्हें इजरायल से ऐसी खुफिया जानकारी मिलती है, जो कभी-कभी अमेरिकी सरकार भी शेयर नहीं करती। इसी जानकारी के आधार पर ट्रम्प को ईरान के खिलाफ कार्रवाई के लिए राजी किया गया। अराघची ने यह भी आरोप लगाया कि ग्राहम ने इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू को सलाह दी कि वे ट्रम्प को ईरान के खिलाफ सैन्य कदम उठाने के लिए कैसे मना सकते हैं। अराघची ने कहा कि किसी भी देश में ऐसा करना देशद्रोह जैसा माना जाएगा।

ईरानी शासन से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर की जा रही एयरस्ट्राइक

ईरान ने कहा कि जब तक हमले जारी हैं, तब तक बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं

पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई घायल

ईरान ने इजरायली-अमेरिकी ठिकानों पर बरसाए क्लस्टर बम

तेहरान। ईरान के सशस्त्र बलों ने सोमवार को पश्चिमी एशिया में अमेरिकी और इजरायली ठिकानों पर नए हमले किए। इन हमलों में ड्रोन के साथ-साथ हाइपरसोनिक और बैलिस्टिक मिसाइलों व क्लस्टर बम का भी इस्तेमाल किया गया। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' पूरी तरह सफल रहा। इसके तहत क्षेत्र में स्थित अमेरिकी ठिकानों और इजरायल कब्जे वाले उत्तरी क्षेत्रों में कई स्थानों पर एक साथ हमला किया गया। बताया गया है कि इस ऑपरेशन में रणनीतिक ड्रोनों के अलावा खुर्रमशहर, फतह और खैबर मिसाइलों का उपयोग किया गया। सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने आईआरजीसी के हवाले से बताया कि ये हमले नए सर्वोच्च नेता मुजतबा खामेनेई के चुनाव के साथ ही किए गए। इस बीच, बहरीन के नेशनल कम्युनिकेशन सेंटर ने बताया कि ईरानी हमले के बाद मामीर गांव में बहरीन पेट्रोलियम कंपनी (बापको) के एक केंद्र में आग लग गई।

दिल्ली शराब नीति केस: हाईकोर्ट का सभी 23 आरोपियों को नोटिस

शाह टाइम्स ब्यूरो

- सीबीआई अफसरों के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर रोक
- मनी लॉन्ड्रिंग केस में सुनवाई नहीं करने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को दिल्ली शराब नीति केस में पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया समेत 23 आरोपियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की सीबीआई अधिकारियों के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर रोक लगा दी। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने यह भी निर्देश दिया कि संबंधित मनी लान्ड्रिंग (पीएमएलए) मामले में ट्रायल कोर्ट आगे की सुनवाई तब तक टाल दे, जब तक हाईकोर्ट इस मामले पर आगे सुनवाई न कर ले। ट्रायल कोर्ट ने 27 फरवरी को इस मामले में सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया था। इसी आदेश को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। सीबीआई ने अपनी 974 पेज की याचिका में कहा है कि ट्रायल कोर्ट ने चार्ज फ्रेमिंग के चरण में ही मिनी-ट्रायल जैसा व्यवहार किया। कोर्ट ने पूरे सबूतों को विस्तार से जांचना शुरू -शेष पृष्ठ दो पर

शरजील इमाम को कोर्ट ने दी 10 दिन की अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली दंगों के आरोपी शरजील इमाम को कड़कड़डूमा कोर्ट से सोमवार को बड़ी राहत मिली है। अदालत ने शरजील इमाम को अपने भाई की शादी में शामिल होने और बीमार मां की देखभाल करने के लिए 10 दिन की अंतरिम जमानत दी है। एडिशनल सेशन जज समीर बाजपेई की अदालत ने शरजील को 20 मार्च से 30 मार्च तक अंतरिम जमानत दी है। शरजील इमाम ने अदालत में अर्जी देकर 10 दिनों की अंतरिम रिहाई की मांग की थी। उनकी ओर से वकीलों ने दलील दी कि उनके सगे भाई की जल्द ही शादी होने वाली है, ऐसे में परिवार में उनकी मौजूदगी जरूरी है। साथ ही यह भी बताया गया कि उनकी मां की तबीयत काफी खराब है और उनकी देखभाल करने वाला कोई दूसरा नहीं है। इन परिस्थितियों और पारिवारिक जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए अदालत ने मानवीय आधार पर राहत देते हुए शरजील इमाम को 10 दिनों के लिए जेल से बाहर आने की अनुमति दे दी।

ममता बनर्जी के धरने का चौथा दिन, रवींद्र संगीत सुनाया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का धरना सोमवार को चौथे दिन भी जारी रहा। सोमवार को धरना स्थल पर ममता ने रवींद्र संगीत दल के साथ गाना गाया। ममता ने आरोप लगाया कि उनके धरना स्थल पर भाजपा और उसकी एजेंसियां पर्चे बांट रही हैं। ममता ने टीएमसी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे पर्चे बांट रहे लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दें। पर्चों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 14 मार्च को कोलकाता में होने वाली रैली का प्रचार किया जा रहा है।

पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष का हंगामा

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के कारण पश्चिम एशिया के बिगड़े हालात पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही सोमवार को दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

इसके कारण आज की कार्यसूची में होने के बावजूद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा नहीं हो सकी। एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न तीन बजे सदन की कार्यवाही फिर से शुरू होते ही विपक्षी सदस्य पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा कराने की मांग को लेकर फिर से हंगामा करने लगे। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद) के सदस्य अपने-अपने स्थानों पर खड़े होकर शोरगुल करने लगे। अपनी मांगों के समर्थन में कई सदस्य तख्तियां भी लिए हुए थे। कई सदस्य सदन के बीचोबीच आकर नारेबाजी कर रहे थे। कांग्रेस के मोहम्मद जावेद ने हंगामे के बीच ही कहा कि 50 लाख से अधिक भारतीय खाड़ी देशों में फंसे हुए हैं, जो एक बहुत गंभीर मुद्दा है और इस पर तत्काल चर्चा कराई जानी चाहिए। कुछ सदस्य कह रहे थे कि पेट्रोल और डीजल का संकट शुरू हो गया है, अत: इस मुद्दे पर चर्चा कराना जरूरी है। इससे पहले इसी मांग को लेकर हंगामे के कारण दोपहर 12 बजे कार्यवाही तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा आज की कार्यसूची में दर्ज थी, लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही स्थगित होने से इस पर चर्चा नहीं कराई जा सकी।

- लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर नहीं हो पाई चर्चा

ईरानी युद्धपोत पर भारत की भूमिका को लेकर सरकार ने दी सफाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

- सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने कहा: फर्जी वीडियो के जरिये लोगों को भ्रमित कर रहा है पाकिस्तान
- सेना प्रमुख द्विवेदी ने कथित वीडियो को फर्जी करार दिया

नई दिल्ली। सरकार ने सोशल मीडिया पर सेना प्रमुख उपेन्द्र द्विवेदी के उस कथित वीडियो को फर्जी करार दिया है, जिसमें यह दावा किया गया है कि भारत ने श्रीलंका के निकट हिन्द महासागर में अमेरिकी हमले में नष्ट किए गए ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस डेना की सटीक स्थिति इजरायल के साथ साझा की थी।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के पत्र सूचना कार्यालय ने सोशल मीडिया पर अपने फैक्ट चेक में सोमवार को कहा कि पाकिस्तान के दुष्प्रचार तंत्र ने इस वीडियो में डिजिटल रूप से बदलाव किया है और यह एआई जनित डीपफेक वीडियो है, जो फर्जी है। जनरल द्विवेदी ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है। सरकार ने कहा है कि पाकिस्तानी दुष्प्रचार अकाउंट भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी का डिजिटल रूप से बदला हुआ वीडियो साझा कर रहे हैं, जिसमें यह झूठा दावा किया गया है कि जब ईरानी जहाज अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में गया तो इजरायल के रणनीतिक सहयोगी के रूप में उसका सटीक स्थान बताना हमारा कर्तव्य था। सावधान रहें! यह एक एआई-जनित डीपफेक वीडियो है, जिसे जनता को गुमराह करने के लिए साझा किया गया है। जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है। सरकार ने कहा है कि आधिकारिक भाषणों को गलत तरीके से प्रस्तुत करने वाली एआई-जनित सामग्री का प्रसार दुर्भावनापूर्ण तत्वों द्वारा तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर सार्वजनिक धारणा को प्रभावित करने का प्रयास है। सूचना प्रौद्योगिकी नियमों के अनुसार एआई-जनित सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना अनिवार्य है और डिजिटल प्लेटफॉर्म से अपेक्षा की जाती है कि वे ऐसे दिशानिर्देशों का पालन करें ताकि बदली हुई मीडिया सामग्री के प्रसार को रोका जा सके। पाकिस्तान ने जनरल द्विवेदी के ऑपरेशन सिंदूर पर एक मूल वीडियो में एआई से फेरबदल किया है और इस फर्जी वीडियो को लोगों को भ्रमित करने के लिए सोशल मीडिया पर जारी किया है।

संक्षिप्त समाचार

विस चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस में तीन नए सचिव नियुक्त

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने आगामी असम विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी में संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से तीन नए सचिवों की नियुक्ति की घोषणा की है। इस संबंध में सोमवार को पार्टी की ओर से आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई। पार्टी महासचिव केसी वेगुगोपाल द्वारा जारी बयान के अनुसार पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के लिए नए सचिवों की नियुक्ति के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह नियुक्तियां मौजूदा सचिवों के अतिरिक्त की गई हैं और तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। जिन नेताओं को सचिव बनाया गया है उनमें पालाश पवन सैकिया, दीपांकर बोरा और जॉनसन संगमा शामिल हैं। गौरतलब है कि असम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अपनी खोई हुई जमीन को तलाशने में जुटी हुई है।

लोनिवि के तकनीकी सलाहकार वीके सिंह का कार्यकाल बढ़ा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लोक निर्माण विभाग में फुल डेप्थ रिक्लेमेशन तकनीक के कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित कराने के लिए सृजित तकनीकी सलाहकार के पद पर तैनात वी के सिंह के कार्यकाल की अवधि एक वर्ष के लिए बढ़ा दी गई है। जारी आदेश के मुताबिक सेवानिवृत्त प्रमुख अभियंता एवं विभागाध्यक्ष विजय कुमार सिंह को इस पद पर यथावत तैनात रखा गया है। पहले यह नियुक्ति 28 फरवरी 2026 तक के लिए की गई थी, जिसे अब बढ़ाकर 1 मार्च 2026 से 28 फरवरी 2027 तक कर दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि यह पद लोनिवि में नवीन तकनीक एफडीआर के कार्यों को सुचारु एवं प्रभावी ढंग से लागू कराने के उद्देश्य से सृजित किया गया था।

खाड़ी संकट पर राज्यसभा में चर्चा कराने की मांग

भाकपा सांसद संदोष कुमार ने दिया नोटिस

नई दिल्ली, वार्ता

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद संदोष कुमार पी ने खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव और वहां रह रहे भारतीयों की सुरक्षा के मुद्दे पर राज्यसभा में नियम 267 के तहत चर्चा कराने का नोटिस दिया है। उन्होंने सोमवार को सदन में सामान्य कामकाज स्थगित कर इस गंभीर विषय पर तत्काल चर्चा कराने की मांग की है।

अपने नोटिस में उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से चल रहे तनाव के कारण खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा और मानवीय स्थिति गंभीर होती जा रही है। इससे वहां काम कर रहे लाखों भारतीयों की सुरक्षा, आजीविका और आवागमन को लेकर चिंता बढ़ गई है। सांसद ने कहा कि खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय कामगार, पेशेवर और उनके परिवार रहते हैं, जो भारत की अर्थव्यवस्था और मेजबान देशों दोनों के लिए महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। ऐसे में मौजूदा हालात को देखते हुए भारत सरकार को स्थिति पर लगातार निगरानी रखनी चाहिए और भारतीय समुदाय के लिए प्रभावी सहायता तथा सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने सरकार से यह भी मांग की कि संसद में इस मुद्दे पर स्पष्ट बयान दिया जाए और जरूरत पड़ने पर भारतीय नागरिकों की सुरक्षा तथा संभावित निकासी की तैयारी की जाए।

पश्चिम एशिया संकट पर लोकसभा में चर्चा कराई जाए

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने पश्चिम एशिया संकट के कारण भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर बढ़ रहे प्रभाव पर लोकसभा में चर्चा कराने के लिए स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है। उन्होंने सदन का कामकाज स्थगित कर इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर तत्काल चर्चा कराने की मांग की है। अपने नोटिस में वेणुगोपाल ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव, भारत की अर्थव्यवस्था, रणनीतिक हितों और विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा कर रहा है।

देश के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं: अखिलेश

कहा: युद्ध जैसे हालात में संसद और सरकार की प्राथमिकताएं उसी के अनुरूप तय हों

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि जब संसद के बजट सत्र का अंतराल हुआ था, तब परिस्थितियां अलग थीं, लेकिन आज युद्ध जैसे हालात बन जाने के कारण देश के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। ऐसे संकट के समय संसद और सरकार की प्राथमिकताएं भी उसी के अनुरूप तय होनी चाहिए।

सोमवार को सोशल मीडिया के जरिए अखिलेश यादव ने कहा कि इस समय सबसे पहले युद्ध की स्थिति में भारत का स्पष्ट पक्ष और राय सामने रखने की जरूरत है। इसके साथ ही विदेश नीति को किसी दबाव में गिरवी रखने का सवाल भी गंभीर है। उन्होंने कहा कि भारत की परंपरागत स्वतंत्र विदेश नीति हमेशा देशहित को ध्यान में रखकर चलती रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि तेल जैसी महत्वपूर्ण आपूर्ति के मामले में भी

भारत की परंपरागत स्वतंत्र विदेश नीति हमेशा देशहित को ध्यान में रखकर चलती रही है

भारत को आत्मनिर्णय का अधिकार होना चाहिए। यदि किसी विदेशी दबाव या अमेरिकी आदेश के आधार पर निर्णय लिए जाते हैं, तो इससे देश की संप्रभुता और आत्मनिर्भरता पर सवाल उठते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि युद्ध से प्रभावित क्षेत्रों में काम कर रहे या पर्यटक के रूप में गए भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। वहां फंसे सभी भारतीयों को सुरक्षित और शीघ्र भारत वापस लाने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। सपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री के साथ विदेश दौरे पर गए कुछ पत्रकार और मीडियाकर्मी भी युद्ध शुरू होने के कारण वापस नहीं लौट पाए हैं।

सरकार को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उन्हें सुरक्षित देश वापस लाने की व्यवस्था करनी चाहिए। अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि युद्ध की स्थिति में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधित होने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए सरकार को जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति नियमित और सुनिश्चित रखने के साथ-साथ उनके बढ़ते दामों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए, ताकि आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े।

उप्र में बिना किसी भेदभाव के सभी नागरिकों को न्याय मिलेगा

जनसमस्याओं का समयबद्धता से निस्तारण करें अधिकारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर आयोजित 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं।

मुख्यमंत्री स्वयं लोगों के बीच पहुंचे, उनके प्रार्थना पत्र लिए और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित, प्रभावी और पारदर्शी समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जन आकांक्षाओं के अनुरूप सेवा, सुरक्षा और सुशासन के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बिना किसी भेदभाव के सभी को न्याय मिलेगा और जनसमस्याओं का शीघ्र व प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। योगी ने जनपदों के प्रशासनिक और पुलिस

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी ने विभिन्न जनपदों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं

अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि हर शिकायत का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। जनता दर्शन के दौरान दो उद्यमियों ने अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री के सामने रखीं। इस पर मुख्यमंत्री ने प्रार्थना पत्रों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों, विशेषकर यूपीसीडा और जिला प्रशासन को समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए बेहतर इकोसिस्टम तैयार किया गया है और सिगल विडो सिस्टम जैसी पारदर्शी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। उन्होंने कहा कि उद्यमियों को किसी भी स्तर पर परेशानी नहीं होनी चाहिए और उद्योग विकास में लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। जनता दर्शन में आए एक पीड़ित ने पुलिस से जुड़ी शिकायत रखते हुए कार्रवाई में देरी का मुद्दा उठाया। इस पर मुख्यमंत्री ने संबंधित पुलिस अधीक्षक को मामले का तत्काल संज्ञान लेकर समयबद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया। एक अन्य प्रकरण पारिवारिक विवाद से जुड़ा था, जबकि अवैध कब्जे की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि ऐसे मामलों को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि प्रदेश सरकार आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

निर्धारित शासनादेश के अनुसार ही लिया जाए परीक्षा शुल्क: योगेन्द्र उपाध्याय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने राज्य विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया है कि परीक्षा शुल्क शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार ही लिया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि किसी विश्वविद्यालय द्वारा तय सीमा से अधिक शुल्क वसूला जाता है तो उसकी ऑडिट कराई जाएगी और आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी। सोमवार को विधानसभा स्थित अपने कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने लखनऊ विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में परीक्षा शुल्क और वित्तीय प्रबंधन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में विश्वविद्यालयों की शुल्क संरचना और शासनादेशों के अनुपालन की स्थिति की भी समीक्षा की गई। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा को सुलभ, सस्ता और पारदर्शी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि फीस में अनावश्यक वृद्धि से आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है, इसलिए विश्वविद्यालयों को छात्रहित को प्राथमिकता देते हुए निर्णय लेना चाहिए।

ईद के बाद शुरू कराया जाए यूपी बोर्ड कॉपियों का मूल्यांकन: महेंद्र सिंह

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने योगी सरकार से मांग की है कि यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य ईद-उल-फितर के बाद शुरू कराया जाए। उनका कहना है कि इससे शिक्षक अपने धार्मिक पर्व को सम्मान और शांति के साथ मना सकेंगे। महेंद्र सिंह ने कहा कि जैसे हिंदू समाज के लिए होली और दीपावली बड़े और महत्वपूर्ण पर्व हैं, उसी तरह मुस्लिम समाज के लिए ईद भी अत्यंत पवित्र और अहम त्योहार है। इसलिए सरकार को सभी धर्मों की भावनाओं का समान रूप से सम्मान करना चाहिए और ऐसे निर्णय लेने चाहिए जिनसे किसी समुदाय को अपने पर्व मनाने में परेशानी न हो। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा 18

आम आदमी पार्टी के शिक्षक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने उठाई मांग

मार्च से यूपी बोर्ड की कॉपियों का मूल्यांकन शुरू कराने की तैयारी की जा रही है। इसी दौरान 20 मार्च को अलविदा जुमे की नमाज और 21 मार्च को ईद-उल-फितर का पर्व पड़ रहा है। मूल्यांकन के दौरान कई बार सार्वजनिक अवकाश भी निरस्त कर दिए जाते हैं और रविवार को भी कॉपियों की जांच कराई जाती है। ऐसे में बड़ी संख्या में शिक्षक, खासकर मुस्लिम शिक्षक, अपने सबसे बड़े त्योहार को परिवार और समाज के साथ पूरी तरह नहीं मना पाएंगे।

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

अर्थ व्यापार

सेंसेक्स 78918.90
निफ्टी 24450.45

सोना 159409
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

चांदी रु. 263210
प्रति किलो

पश्चिम एशिया संकट गहराने से शेयर बाजार धड़ाम

मुंबई, वार्ता

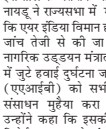

पश्चिम एशिया में जारी संकट और गहरा जाने से सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट देखी गई और प्रमुख सूचकांक करीब तीन प्रतिशत लुढ़क गए। ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों वाले दूसरे पश्चिमी एशियाई देशों पर अपने हमले तेज कर दिए हैं। इससे तमाम एशियाई शेयर बाजारों के साथ भारतीय शेयर बाजारों में भी बड़ी गिरावट देखी गई, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 20 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गई और डॉलर की तुलना में रुपया 51 पैसे गिर गया।

बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,862.15 अंक गिरकर 77,056.75 अंक पर खुला। खबर लिखे जाते समय यह 2,241.23 अंक (2.84 प्रतिशत) की गिरावट में 76,677.67 अंक पर था। बीच कारोबार में एक समय यह 2,496 अंक उतर गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी.50 सूचकांक भी 582.40 अंक गिरकर 23,868.05 अंक पर खुला। खबर लिखे जाते समय यह 682.65 अंक यानी 2.79 प्रतिशत नीचे 23,767.

80 अंक पर था। कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में आज ब्रेंट क्रूड की कीमत 20 प्रतिशत से अधिक उछलकर 107 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। अमेरिकी वेस्ट टेक्सास क्रूड 22 प्रतिशत से ज्यादा महंगा हुआ और 115 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गया। रुपया फिलहाल 51 पैसे की गिरावट में 92.33 रुपये प्रति डॉलर पर है। घरेलू शेयर बाजारों में सभी सेक्टर पर भारी दबाव है। बैंकिंग, वित्त, ऑटो, मीडिया, धातु और रसायन सेक्टरों के सूचकांक चार प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट में हैं। सेंसेक्स की सभी कंपनियां लाल निशान में हैं। सबसे ज्यादा गिरावट वाली 10 कंपनियां क्रमश: इंडिगो, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, मारुति सुजुकी, लार्सन एंड टुब्रो, एक्सिस बैंक, इटरनल, महिंद्रा एंड महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक रहे।

कच्चा तेल साढ़े तीन साल बाद 100 डॉलर प्रति बैरल के पार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनैतिक संकट के बीच सोमवार को कच्चे तेल के मूल्य में बड़ा उछाल आया और यह साढ़े तीन साल बाद 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। पिछले कारोबारी दिवस पर 92-69 डॉलर पर बंद होने वाला लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा आज 99.75 डॉलर प्रति बैरल पर खुला और एक समय 119.50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया था। खबर लिखे जाते समय यह 12.80 प्रतिशत ऊपर 104.55 डॉलर प्रति बैरल पर था। अगस्त 2022 के बाद पहली बार कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर निकला है। अमेरिकी वेस्ट टेक्सस क्रूड भी 119.48 अंक तक पहुंचने के बाद 12.18 प्रतिशत ऊपर 101.97 डॉलर प्रति बैरल पर था। गत 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल की संयुक्त सैन्य कार्रवाई में ईरान पर किए गए हमले और उसके बाद ईरान की जवाबी प्रतिक्रिया से पश्चिम एशिया में कच्चे तेल का उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला दोनों पर असर पड़ा है।

चावल, चीनी मजबूत, गेहूं नरम दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चावल के औसत भाव बढ़ गए। चावल के साथ चीनी में तेजी रही, जबकि गेहूं में नरमी देखी गई। दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 103 रुपये बढ़कर 3,856 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं 44 रुपये टूटकर 2,810 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। आटा भी 62 रुपये सस्ता हुआ।

दाल-दलहनों में तुअर दाल औसतन 161 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। चना दाल की कीमत 126 रुपये और मसूर दाल की 118 रुपये बढ़ गई। मूंग दाल 70 रुपये मजबूत हुई। वहीं उड़द दाल 10 रुपये प्रति क्विंटल टूट गई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 203 रिंगिट चढ़कर 4,570 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 2.78 प्रतिशत की बढ़त में 68.43 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल की औसत कीमत 189 रुपये प्रति क्विंटल गिर गई। पाम ऑयल 60 रुपये और सोया तेल 44 रुपये सस्ता हुआ। सूरजमुखी तेल 38 रुपये की गिरावट में रहा। सरसों तेल और वनस्पति की कीमत 72.72 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 49 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। चीनी भी पांच रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे: दाल-दलहन: दाल चना 7736.75 रुपये, मसूर काली 8087.58 रुपये, मूंग दाल 10131.67 रुपये, उड़द दाल 10723.98 रुपये, तुअर दाल 11201.18 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज: (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2809.85 रुपये और चावल 3856.19 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3283.88 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 4294.63 रुपये और गुड़ 4976.84 रुपये प्रति क्विंटल बोले गए। खाद्य तेल: सरसों तेल 17600.72 रुपये, मूंगफली तेल 18395.67 रुपये, सूरजमुखी तेल 16717.38 रुपये, सोया तेल 14151.71 रुपये, पाम ऑयल 12802.65 रुपये और वनस्पति 14523.34 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीज़ादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
— HEALTH WITH CARE —
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कॉहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

प्रथम पृष्ठ के शेष...

धामी सरकार... को मजबूत करने पर केंद्रित बताया है। सरकार ने इस बजट में विभिन्न विभागों की पूंजीगत योजनाओं के लिए भी महत्वपूर्ण धनराशि का प्रावधान किया है। शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए 542.84 करोड़ रुपये, उच्च शिक्षा विभाग के लिए 146.30 करोड़ रुपये और तकनीकी शिक्षा विभाग के लिए 98.50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं, स्वास्थ्य क्षेत्र में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए 195.46 करोड़ रुपये और चिकित्सा शिक्षा विभाग के लिए 126.37 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए गए हैं। बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए पेयजल विभाग को 1,827.91 करोड़ रुपये, ग्रामीण विकास विभाग को 1,642.20 करोड़ रुपये और शहरी विकास विभाग को 1,401.85 करोड़ रुपये का प्रावधान दिया गया है। ऊर्जा विभाग के लिए 1,609.43 करोड़ रुपये और लोक निर्माण विभाग के लिए 2,501.91 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, जिससे सड़क और अन्य आधारभूत ढांचे के विकास को गति मिलेगी। इसके अलावा सरकार ने कई नई योजनाओं की भी घोषणा की है। कुंभ मेले के लिए अवस्थापना विकास के लिए भारत सरकार से 1,027 करोड़ रुपये के अनुदान का प्रस्ताव रखा गया है। ग्रामीण क्षेत्रें में रोजगार और आजीविका को बढ़ावा देने के लिए विकसित भारत रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन के लिए 705.25 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं, महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निर्भया फंड के लिए 112.02 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए अवस्थापना निर्माण के लिए 100 करोड़ बजट रखा गया हैं। इसके अलावा महक क्रांति योजना के लिए 10 करोड़ रुपये, हाउस ऑफ हिमालयाज के लिए 5 करोड़ रुपये और उत्तराखंड एवं भारत दर्शन योजना के लिए 4.50 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, सरयू और अन्य रिवर फ्रंट योजनाओं के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया गया है।इसके साथ ही युवाओं और गति. विधियों को बढ़ावा देने के लिए न्याय पंचायत स्तर पर स्टेडियम निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। नशा मुक्ति केंद्रों के लिए 4.50 करोड़ रुपये और पुस्तकालय निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपये का बजट भी प्रस्तावित किया गया है। युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विदेश रोजगार प्रकोष्ठ के लिए 3.73 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सरकार का कहना है कि इन योजनाओं के माध्यम से राज्य में पर्यटन, रोजगार, तकनीक और सामाजिक विकास को नई गति दी जाएगी।

उत्तराखंड को... के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उत्तराखंड को समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। इसी दृष्टि से बजट में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को उत्तराखंड के भविष्य का रोडमैप बताते हुए कहा कि यह केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं बल्कि राज्य के समग्र विकास की दिशा तय करने वाला बजट है। उन्होंने प्रेस वार्ता में कहा कि लगभग 1.11 लाख करोड़ रुपये का यह बजट विकास, विरासत, संस्कृति और आधुनिकता के संतुलन को दर्शाता है और विकसित भारत के लिए विकसित उत्तराखंड की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दिल्ली शराब नीति... कर दिया, जैसे कि पूरा केस चल रहा हो। जबकि इस स्तर पर केवल सरसरी नजर से मामला देखा जाता है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि एजेंसी फिलहाल डिस्चार्ज आदेश पर रोक नहीं चाहती, लेकिन यह सुनिश्चित करना चाहती है कि ट्रायल कोर्ट का फैसला ईडी की मनी लॉन्ड्रिंग जांच को प्रभावित न करे। हाईकोर्ट ने एक्साइज पॉलिसी केस की जांच करने वाले सीबीआई ऑफिसर के खिलाफ डिपार्टमेंटल एक्शन लेने के ट्रायल कोर्ट के ऑर्डर पर रोक लगा दी है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 27 फरवरी को मामले में आरोपी बनाए गए दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया समेत 23 लोगों को बरी कर दिया था। फैसला आने के 6 घंटे के बाद ही सीबीआई ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील कर दी थी। सीबीआई ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट से इसे रद्द करने की मांग की है। वहीं, बरी होने के बाद कोर्ट से बाहर मीडिया से बातचीत के दौरान केजरीवाल भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि मैंने जिंदगी में सिर्फ ईमानदारी कमाई है। आज ये साबित हो गया कि केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदार हैं।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) में 100 फीसद ओडीएफ प्लस राज्य बना उत्तर प्रदेश

लखनऊ, वार्ता

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत उत्तर प्रदेश ने स्वच्छता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 100 प्रतिशत ओडीएफ प्लस राज्य बनने का कीर्तिमान हासिल किया है। वहीं पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि प्रदेश की ग्राम पंचायतें स्वच्छता के क्षेत्र में देश के लिए मिसाल बन रही हैं और सरकार भविष्य में भी इस दिशा में निरंतर काम करती रहेगी।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के प्रथम चरण में प्रदेश को पहले ही 100 प्रतिशत ओडीएफ राज्य घोषित किया जा चुका है। इस चरण में उत्तर प्रदेश में 2.74 करोड़ से अधिक व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण किया गया, जिससे राज्य देश में

सरकार भविष्य में भी इस दिशा में निरंतर काम करती रहेगी

सर्वाधिक शौचालय निर्माण करने वाला प्रदेश बनकर उभरा। मिशन के दूसरे चरण में ओडीएफ की स्थिति को स्थाई बनाए रखने के साथ-साथ ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। वर्तमान में प्रदेश के 95,767 गांवों ने ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था के साथ स्वयं को ओडीएफ प्लस घोषित किया है, जबकि 94,723 से अधिक गांवों को ओडीएफ प्लस का दर्जा मिल चुका है। दूसरे चरण के तहत अब तक 57,25,291 व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण कराया जा चुका है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए 59,165 सामुदायिक शौचालयों का भी निर्माण कराया गया है। पंचायती राज विभाग के निदेशक अमित कुमार सिंह ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अब जन आंदोलन का रूप ले चुका है। ग्राम पंचायतों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से प्रदेश ने स्वच्छता के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य अधिक से अधिक ग्राम पंचायतों को ओडीएफ प्लस श्रेणी में लाकर स्वच्छता को स्थाई आदत बनाना है।

इस साल के अंत तक आ जाएगी अहमदाबाद विमान हादसे की अंतिम जांच रिपोर्ट

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापू ने सोमवार को कहा कि गुजरात के अहमदाबाद में पिछले साल 12 जून को हुए एयर इंडिया विमान हादसे की अंतिम रिपोर्ट इस साल के अंत तक आ जाएगी। नायडू ने राज्यसभा में में बताया कि एयर इंडिया विमान हादसे की जांच तेजी से की जा रही है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय जांच में जुटे हवाई दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) को सभी जरूरी संसाधन मुहैया करा रहा है। उन्होंने कहा कि इसकी अंतिम रिपोर्ट इस साल के अंत तक आ जाएगी। उल्लेखनीय है कि एयर इंडिया की अहमदाबाद से लंदन जा रही उड़ान संख्या एआई171 पिछले साल 12 जून को दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। टेकऑफ के बाद विमान पर्याप्त ऊंचाई हासिल नहीं कर सका।

बजट में किए कल्याणकारी योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान: सीएम

ज्ञान मॉडल से समग्र विकास का रोडमैप, गरीब-युवा-किसान-महिलाओं के सशक्तिकरण पर फोकस

शाह टाइम्स ब्यूरो

गैरसैंण। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार का संकल्प ज्ञान मॉडल के माध्यम से राज्य के समग्र विकास को आगे बढ़ाना है। इस मॉडल में गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान) और नारी सशक्तिकरण को विकास के चार प्रमुख स्तंभ के रूप में रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उत्तराखंड को समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। इसी दृष्टि से बजट में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्ञान मॉडल के माध्यम से गरीबों के उत्थान, युवाओं के सशक्तिकरण, किसानों की समृद्धि और महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी तथा उत्तराखंड विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

किसानों की आय बढ़ाने पर जोर: किसानों और पशुपालकों की

आय बढ़ाने के उद्देश्य से कई योजनाओं को बजट में शामिल किया गया है। ट्राउट प्रोत्साहन योजना के लिए 39.90 करोड़ रुपए, मिशन एप्पल के लिए 42 करोड़ रुपए, दुग्ध उत्पादकों के प्रोत्साहन के लिए 32 करोड़ रुपए तथा दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना के लिए 42.50 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के लिए 160.13 करोड़ रुपए, मिलेट मिशन के लिए 12 करोड़ रुपए तथा किसान पेंशन योजना के लिए 12.06 करोड़ रुपए भी निर्धारित किए गए हैं।

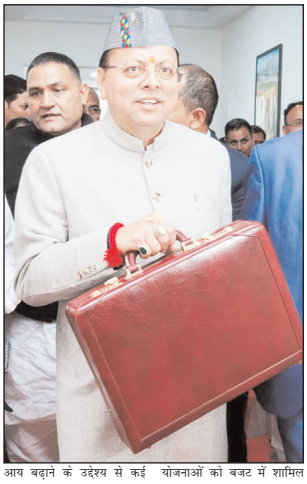

गरीब कल्याण पर विशेष ध्यान

गरीब वर्ग के जीवन स्तर को सुधारने के लिए कई योजनाओं में बजट बढ़ाया गया है। अन्नपूर्ति योजना के लिए 1300 करोड़ रुपए, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिए 298.35 करोड़ रुपए और प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लिए 56.12 रुपए करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के आवास के लिए 25 करोड़ रुपए, परिवहन निगम की बसों में निर्धारित श्रेणी के यात्रियों को नि:शुल्क यात्रा सुविधा के लिए 42 करोड़ रुपए तथा रसोई गैस पर अनुदान के लिए 43.03 करोड़ रुपए रखे गए हैं। साथ ही दिव्यांग, तीलू रौतेली और अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लिए 167.05 करोड़ रुपए तथा आपदा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए 25 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास

प्रदेश के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए भी कई योजनाओं को मजबूती दी गई है। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के लिए 60 करोड़ रुपए, पलायन रोकथाम योजना के लिए 10 करोड़ और पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के लिए 62.29 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा गैर सरकारी महाविद्यालयों को सहायता के लिए घ155.38 करोड़, शिक्षा मित्रों के मानदेय के लिए 10 करोड़ रुपए तथा मुख्यमंत्री युवा भविष्य निर्माण योजना के लिए घ10 करोड़ निर्धारित किए गए हैं।

महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता

महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार ने विशेष प्रावधान किए हैं। नंदा गौरा योजना के लिए 220 करोड़ रुपए , प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के लिए 47.78 करोड़ रुपए और मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट योजना के लिए 30 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री बाल पोषण योजना, महिला पोषण योजना, आंचल अमृत योजना और स्वयं सहायता समूह सशक्तिकरण जैसी योजनाओं के लिए भी बजट रखा गया है।

बजट में ये आई नई योजनाएं

कुम्भ मेला के लिए भारत सरकार से अवस्थापना अनुदान के लिए 1027.00 करोड़, विकसित भारत रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के लिए समग्र रूप से रु0 705.25 करोड़, निर्भया फंड के लिए 112.02 करोड़, पर्यटन विकास के लिए अवस्थापना निर्माण के लिए 100.00 करोड़, कोलोनाइजेशन प्रोत्साहन के लिए अवस्थापना निर्माण के लिए 25.00 करोड़, हरिद्वार गंगा कॉरिडोर परियोजना हेतु के लिए 10.00 करोड़, ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर परियोजना के लिए 10.00 करोड़, साईबर सिक्योरटी के क्रियान्वयन के लिए 15.00 करोड़, इमर्जिंग टेक्नोलॉजी एवं एआई के क्रियान्वयन के लिए 10.50 करोड़, महक क्रान्ति हेतु 10.00 करोड़, स्पिरिचुअल इकोनोमिक जोन के विकास के लिए 10.00 करोड़, हाउस ऑफ हिमालयाज के लिए 5.00 करोड़, उत्तराखण्ड एवं भारत दर्शन के लिए 4.50 करोड़, सरयू एवं अन्य रिवर फ्रंट योजनाओं के लिए 10.00 करोड़, आपदा सखी के लिए 2.00 करोड़, ग्राम प्रहरीके लिए 5.00 करोड़, नशा मुक्ति केन्द्र के लिए 4.50 करोड़, पुस्तकालय निर्माण के लिए 5.00 करोड़, विदेश रोजगार प्रकोष्ठ के लिए 3.73 करोड़, न्याय पंचायत स्तर पर स्टेडियम के लिए 10.00 करोड़, रेस्क्यू सेंटर 19.00 करोड़।

गैरसैंण में बजट सत्र में अभिभाषण से पूर्व राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर धामी व अन्य।

संतुलित वित्तीय प्रबंधन को दर्शाता उत्तराखंड का बजट 2026-27

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड में वित्तीय अनुशासन और विकास के संतुलन को मजबूत करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्ष 2026ख्र27 का बजट प्रस्तुत किया। लगभग 1,11,703.21 करोड़ के इस बजट में जहां विकास की गति को बढ़ाने पर जोर है, वहीं मजबूत राजकोषीय प्रबंधन की झलक भी स्पष्ट दिखाई देती है। वर्ष 2025-26 के सापेक्ष 10.41 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। राज्य सरकार ने बजट में वित्तीय जिम्मेदारी और पारदर्शिता बनाए रखते हुए एफआरबीएम अधिनियम के प्रावधानों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया है। बजट के अनुसार राज्य में राजस्व आधिक्य की स्थिति बनी हुई है, जो दर्शाता है कि सरकार की आय उसके राजस्व व्यय से अधिक है। यह स्थिति किसी भी राज्य की मजबूत वित्तीय सेहत का संकेत मानी जाती है। बजट में 2536.33 करोड़ का राजस्व सरप्लस दिखाया गया है। राजकोषीय अनुशासन के तहत राज्य का राजकोषीय घाटा जीएसडीपी के 3 प्रतिशत की सीमा के भीतर रखा गया है। इसी प्रकार लोक ऋण भी जीएसडीपी के 32.50 प्रतिशत की निर्धारित सीमा के अंदर बनाए रखा गया है। यह दर्शाता है कि सरकार विकास कार्यों पर खर्च करते हुए भी ऋण प्रबंधन और वित्तीय संतुलन पर पूरा ध्यान दे रही है। राजस्व आधिक्य, सीमित राजकोषीय घाटा और नियंत्रित सार्वजनिक ऋण जैसे संकेतक बताते हैं कि राज्य सरकार ने वित्तीय प्रबंधन में सावधानी और दूरदर्शिता अपनाई है। इससे भविष्य में विकास परियोजनाओं को स्थिर वित्तीय आधार मिलने की संभावना और मजबूत होगी। कुल मिलाकर यह बजट विकास और वित्तीय अनुशासन के संतुलन का उदाहरण प्रस्तुत करता है।

राज्य के समग्र विकास की दिशा तय करने वाला बजट: धामी

शाह टाइम्स ब्यूरो

गैरसैंण। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को उत्तराखंड के भविष्य का रोडमैप बताते हुए कहा कि यह केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं बल्कि राज्य के समग्र विकास की दिशा तय करने वाला बजट है। उन्होंने प्रेस वार्ता में कहा कि लगभग 1.11 लाख करोड़ रुपये का यह बजट विकास, विरासत, संस्कृति और आधुनिकता के संत. ुलन को दर्शाता है और "विकसित भारत के लिए विकसित उत्तराखंड" की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

- **कहा, 1.11 लाख करोड़ का संतुलित बजट, विकसित उत्तराखंड की दिशा में मजबूत कदम**
- **गरीब, युवा, किसान और महिलाओं पर फोकस, विकास और विरासत के संतुलन का रोडमैप**

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य गठन के समय उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था का आकार लगभग 14,500 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर लगभग 3.81 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यानी राज्य की आर्थिकी में 26 गुना से अधिक वृद्धि हुई है। इसी प्रकार प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2000-01 में 15,285 रुपये थी, जो वित्तीय वर्ष 2025-26 में बढ़कर 2,73,921 रुपये होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में राज्य की वास्तविक विकास दर 7.23 प्रतिशत अनुमानित है, जो राष्ट्रीय औसत के आसपास है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने थ्ठड अधिनियम के सभी मानकों का पालन करते हुए बेहतर वित्तीय अनुशासन बनाए रखा है। सरकार ने राजस्व अधिशेष बनाए रखा है और राजकोषीय घाटे को जीएसडीपी के 3 प्रतिशत के भीतर रखा है। उन्होंने कहा कि यह राज्य के कुशल वित्तीय प्रबंधन को दर्शाता है।

बजट में कुल 1,11,703 करोड़ रुपये का व्यय प्रस्तावित है, जिसमें 64,989 करोड़ रुपये राजस्व व्यय और 18,153 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय शामिल हैं। वहीं कुल प्राप्तियां 1,10,143 करोड़ रुपये अनुमानित हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार से मिलने वाले करों में राज्य के हिस्से के रूप में लगभग 17,415 करोड़ रुपये तथा विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के तहत लगभग 18,491 करोड़ रुपये की सहायता प्राप्त होगी।

बजट का मूल मंत्र है 'संतुलन': मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बजट का मूल मंत्र 'संतुलन' है, जिसका अर्थ है, समावेशी, आत्मनिर्भर, नई सोच, तीव्र विकास, उन्नत गांव और शहर, लोक सहभागिता, आर्थिक शक्ति और न्यायपूर्ण व्यवस्था। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य विकास और पर्यावरण के संतुलन के साथ उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि यह बजट वास्तव में "विकल्प रहित संकल्प से विकसित उत्तराखंड तक की यात्रा का दस्तावेज" है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बजट गरीब, किसान, युवा और मातृशक्ति को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लिए 1,327 करोड़ रुपये, अन्नपूर्ति योजना के लिए 1,300 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लिए 298 करोड़ रुपये तथा शहरी आवास योजना के लिए 56 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

युवाओं के लिए शिक्षा और खेल के क्षेत्र में 11,871 करोड़ रुपये तथा कौशल विकास कार्यक्रमों के लिए 586 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कृषि और बागवानी क्षेत्र में 1,113 करोड़ रुपये, जबकि पशुपालन, डेयरी और मत्स्य क्षेत्र के लिए 815 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए इस वर्ष 19,692 करोड़ रुपये का जेंडर बजट रखा गया है। इसके अंतर्गत सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0, ईजा-बोई शगुन योजना, मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट और नन्दा गौरा योजना जैसी योजनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि राज्य में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए लोक निर्माण विभाग के लिए 2,501 करोड़ रुपये, ऊर्जा क्षेत्र के लिए 1,609 करोड़ रुपये तथा लघु सिंचाई के लिए 1,642 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में कई नई योजनाओं की शुरुआत भी की जा रही है। इनमें कुंभ मेला तैयारियों के लिए लगभग 1,027 करोड़ रुपये, साइबर सुरक्षा के लिए 15 करोड़ रुपये, इको-टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 18.5 करोड़ रुपये, स्पिरिचुअल इकोनॉमिक जोन के विकास के लिए 10 करोड़ रुपये और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व उभरती तकनीकों के लिए 13 करोड़ रुपये शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार नवाचार को भी बढ़ावा दे रही है। इसके तहत कीवी और ड्रैगन फ्रूट उत्पादन, ट्राउट मछली पालन, सेब नर्सरी विकास, मुख्यमंत्री युवा भविष्य निर्माण योजना और महक क्रांति जैसी योजनाएं शुरू की जा रही हैं।

बजट, सबके सर्वांगीण विकास का प्रामाणिक दस्तावेज: भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा ने प्रदेश सरकार के बजट को सबके सर्वांगीण विकास का प्रामाणिक दस्तावेज बताया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा कि, घाटे का बजट अब बीते दिनों की कहानी बन गया है। लिहा. जा राजस्व सरप्लस की कड़ी में आया ये बजट नए, व्यवहारिक और साहसिक निर्णयों से विकसित राज्य निर्माण की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाने वाला है।

- **इस बजट से विकसित राज्य निर्माण में लंबी दूरी तय होगी**

उनके द्वारा प्रतिक्रिया में कहा गया कि ये बजट विकास को लेकर आम लोगों की बढ़ती आकांक्षाओं की पूर्ति करने वाला है। विगत विपक्षी सरकारों में स्थापित खर्चे और घाटे के लेखा जोखा की प्रवृति को हमने समाप्त किया है। यही वजह है कि हम विकास और जवाबदेही के बजटीय परंपरा पर आगे बढ़ते हुए 10 फीसदी वृद्धि के साथ 1,11,703 करोड़ के बजट लेकर आए हैं।

इस बजट से हम सबके लिए बेहद संतोष और खुशी की बात है कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में हम ज्ञान मॉडल यानी गरीब, युवा, किसान, महिलाओं के सशक्तिकरण पर फोकस होकर कार्य कर रहे हैं। प्रदेश को विकसित बनाने का हमारा मूलमंत्र आत्मनिर्भता में निहित है, ये बजट हमे इस दिशा में आगे ले जाने वाला है। कहा, उत्तराखंड को समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के जिस मकसद के साथ सरकार काम कर रही है, ये बजट उसका प्रामाणिक दस्तावेज है।

चुनावी घोषणाओं का पुलिंदा है सरकार का बजट: गोदियाल

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की और से वर्ष 2025-26 के लिए प्रस्तुत बजट को दिशाहीन, प्रतिगामी और चुनावी बजट करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रदेश की मूल समस्याओं के समाधान के बजाय केवल घोषणाओं तक सीमित है।

- **रोजगार देने के लिए बजट में कोई ठोस योजना नहीं**

गोदियाल ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी है, लेकिन युवाओं को स्थायी रोजगार देने के लिए बजट में कोई ठोस योजना नजर नहीं आती। पलायन, स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति और शिक्षा व्यवस्था में सुधार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी सरकार गंभीर नहीं दिखी। पर्वतीय क्षेत्रों के अस्पतालों में डॉक्टरों और संसाधनों की भारी कमी है, लेकिन बजट में इसके लिए पर्याप्त प्रावधान नहीं किए गए। कहा कि किसानों की आय बढ़ाने, कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन देने और महंगाई से जूझ रही आम जनता को राहत देने के लिए भी कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया।

तीन 'ग्रोथ डाइवर्स' करेंगे तीन बड़े लक्ष्यों की पूर्ति

आत्मनिर्भरता की यात्रा में सरकार को कृषि, उद्योग व पर्यटन से सर्वाधिक आस

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। आत्मनिर्भर उत्तराखंड की जिस यात्रा पर राज्य सरकार आगे बढ़ रही है, उसमें तीन क्षेत्रों से उसे सर्वाधिक आस है। यह क्षेत्र हैं-कृषि, उद्योग और पर्यटन। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इन तीन क्षेत्रों को आत्मनिर्भरता की यात्रा के 'डाइवर्स' की संज्ञा दे दी है। मुख्यमंत्री ने बजट में इसी अनुरूप इन क्षेत्रों का विशेष ध्यान रखा है। सरकार की मंशा ये ही है कि इन तीनों क्षेत्रों को एक साथ आगे बढ़ाते हुए ऐसा परिवेश बनाए, जो एक साथ तीन उद्देश्यों की पूर्ति कर सके। ये उद्देश्य हैं-उत्पादकता बढे, निवेश आकर्षित हो और सम्मानजनक आजीविका के अवसर मिले।

तीन क्षेत्रों को बजट की डोज

01. कृषि व संबंधित क्षेत्र
- उद्यान बीमा योजना-40 करोड़, मुख्यमंत्री राज्य कृषि विकास योजना-20 करोड़
- कीवि, ड्रेटेन फ्रूट प्रोत्साहन-30 .70 करोड़
- मिशन एप्पल-42 करोड़
- फसलों की सुरक्षा, घेर बाड़-20 करोड़, चाय विकास योजना-25.93 करोड़, संगंध पौधा विकास व अन्य-24 .75 लाख, महक क्रांति के लिए-10 करोड़

02. उद्योग
- सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यमों को सहायता योजना-75 करोड़
- मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना-60 करोड़
- मेगा इंडस्ट्रियल एवं मेगा टेक्सटाइल नीति अनुदान-25 करोड़, प्रमोशन ऑफ इंवेस्टमेंट, स्टार्टअप, एंटरप्रीनियोरशिप-30 करोड़
- स्टार्ट अप वेंचर फंड-25 करोड़

03. पर्यटन
- पर्यटन विभाग के अंतर्गत राजस्व मद में बजट-210 .59 करोड़, पर्यटन विभाग के अंतर्गत पूंजीगत मद में बजट-296 .45 करोड़
- वैश्विक पर्यटक स्थलों का विकास-दस करोड़
- इको टूरिज्म गतिविधियों के लिए-18 .50 करोड़, योग दिवस आयोजन-दो करोड़

मातृशक्ति की बेहतरी को संजीदा दिखी सरकार

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के एक दिन बाद और बजट सत्र के पहले ही दिन राज्य सरकार ने मातृ शक्ति को भरोसा दिला दिया की उनकी बेहतरी के लिए वह संजीदा है। महिला समानता के लिहाज से महत्वपूर्ण जेंडर बजट का आकार बढ़ाने की बात हो या फिर विभिन्न ऐसी योजनाएं, जो महिलाओं से सीधे जुड़ी हैं, उनके लिए बजट का प्रावधान किया गया है।

- **जेंडर बजट का आकार बढ़ाने से लेकर कई योजनाओं में बजट का प्रावधान**
- **महिला दिवस के एक दिन बाद पेश बजट में महिलाओं का खास ख्याल**
- **पोषण से लेकर सुरक्षा तक सुनिश्चित करने के लिए गंभीर कोशिश**

राज्य सरकार ने पिछले वर्ष सोलह हजार नौ सौ इकसठ करोड़ बत्तीस लाख रूपये का जेंडर बजट प्रस्तुत किया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बजट पेश करते हुए बताया है कि इस बार जेंडर बजटिंग में उन्नीस हजार छह सौ बयानवे करोड़ दो लाख के बजट का प्रावधान किया जा रहा है। यानी यह साफ है कि महिलाओं के कल्याण से किए जा रहे प्रयास इस बजट के बाद और तेजी पकडेंगे।

राज्य सरकार ने प्रसूता को सीधे एड्रेस करने वाली ईजा-बोई शगुन योजना हो या बेटियों को सुरक्षा देने वाला निर्भया फंड, सभी के लिए बजट प्रावधान कर यह भरोसा दिलाया है कि नारी शक्ति का हित उसकी प्राथमिकता में है। मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट योजना, वात्सल्य योजना, मुख्यमंत्री महिला पोषण योजना, निराक्षित विधवाओं की पुत्रियों के विवाह हेतु अनुदान से जुड़ी जैसी योजनाओं की एक लंबी फेहरिस्त है, जिसमें बजट का प्रावधान कर सरकार ने महिलाओं की बेहतरी के लिए अपने संजीदा प्रयासों की झलक पेश की है।

योजनाएं और उसमें बजट प्रावधान

- निर्भया फंड-112.02 करोड़
- मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट योजना-30 करोड़
- मुख्यमंत्री बाल पोषण योजना-25 करोड़
- वात्सल्य योजना-15 करोड़
- मुख्यमंत्री महिला पोषण योजना-13 .44 करोड़
- ईजा-बोई शगुन योजना-14.13 करोड़
- निराक्षित विधवाओं की पुत्रियों के विवाह हेतु अनुदान-पांच करोड़
- मुख्यमंत्री बाल एवं महिला बहुमुखी विकास निधि-आठ करोड़। आपदा सखी-दो करोड़

मां-बच्चे के पोषण के प्रति भी गंभीरता

सक्षम आंगनबाड़ी एंड पोषण 2 .0 योजना के अंतर्गत राज्य सरकार ने 598 . 33 करोड़ का बजट प्रावधान किया है। इस योजना के तहत छह माह से लेकर छह वर्ष तक के लगभग सात लाख तैंतीस हजार लाभार्थियों को अनुपूरक पोषाहार आंगनबाड़ी केंद्रों से दिया जा रहा है। बच्चे के साथ ही मां के पोषण का ख्याल रखते हुए चलाई जा रही प्रधानमंत्री पोषण मिशन हेतु समग्र रूप से लगभग 149 . 45 करोड़ का बजट प्रावधान किया गया है।

पर्यटन विकास की दिशा में महत्वपूर्ण बजट: महाराज

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून/गैरसैंण। प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने कहा है कि उत्तराखंड के भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा सत्र में राज्यपाल का अभिभाषण राज्य सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भावी विकास योजनाओं का दस्तावेज है।

सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सदन में जो भारी भरकम 111703.21 का बजट पेश किया। वह पिछले बजट की तुलना में 11.41 फीसदी अधिक है। यह बजट लोक कल्याणकारी और पर्यटन को बढ़ावा देने वाला बजट है। कैबिनेट मंत्री महाराज ने कहा कि यह बजट सरकार की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं के साथ साथ राज्य के समग्र विकास, रोजगार सृजन, पर्यटन विस्तार, महिला सशक्तिकरण और आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के अलावा रोजगार और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के की दिशा में महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक कदम है। यह बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन 'सशक्त और समृद्ध उत्तराखंड' के साथ ही विकसित उत्तराखंड की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

डबल मर्डर का खुलासा, फेसबुक से हुई थी मुलाकात

पत्नी व 9 वर्षीय बेटे की गला दबाकर हत्या, आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। सुमाड़ी क्षेत्र में हुई महिला और उसके 9 वर्षीय बेटे की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस दोहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपी दीपक बहादुर उर्फ दिल बहादुर को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने घरेलू विवाद के चलते महिला और उसके बेटे की गला दबाकर हत्या कर दी थी।

पुलिस के अनुसार बीते छः मार्च की शाम 7:33 बजे चौकी प्रभारी जखोली को योगेंद्र सिंह निवासी सुमाड़ी-तिलवाड़ा ने सूचना दी कि उनके हाइडिल कॉलोनी के पास स्थित मकान में किराये पर रह रहे नेपाली मूल के व्यक्ति दीपक बहादुर के कमरे से तेज बदबू आ रही है। सूचना पर जब मकान मालिक और स्थानीय लोग कमरे पर पहुंचे तो दरवाजा खुला मिला और अंदर सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। कमरे के भीतर कम्बल में लिपटे एक महिला और एक बच्चे के शव पड़े थे, जबकि आरोपी दीपक बहादुर मौके से फरार था।

सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल का निरीक्षण किया। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग भेजा गया। मामले में 7 मार्च को कोतवाली रुद्रप्रयाग में आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 103 (1) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दो पुलिस टीमें गठित की गईं। निरीक्षक राकेन्द्र सिंह कठैत के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और लगातार खोजबीन के आधार पर आरोपी को 8 मार्च की शाम दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी दीपक बहादुर उर्फ दिल बहादुर पुत्र स्व. बल बहादुर, निवासी वेस्तडा वार्ड नंबर 4, भगवती माई गांव मन्घार, थाना वेस्तडा, जिला दैलेख (कर्णाली), नेपाल। हाल निवासी किरायेदार ग्राम सुमाड़ी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेजा गया। आरोपी को पकड़ने में पर्यवेक्षण अधिकारी विकास पुण्डीर, पुलिस उपाधीक्षक रुद्रप्रयाग, निरीक्षक सुरेश चन्द्र बलूनी एसएचओ रुद्रप्रयाग, निरीक्षक मनोज नेगी एसएचओ ऊखीमठ, उपनिरीक्षक कुलदीप पन्त, उपनिरीक्षक रणजीत खनेड़ा, उपनिरीक्षक जयवीर सिंह, उपनिरीक्षक मुकेश डिमरी, अपर उपनिरीक्षक जावेद अली, मुख्य आरक्षी नवनीत, आरक्षी महेश, आरक्षी विनय पंवार, दीपक नौटियाल, आरक्षी देवेन्द्र सिंह, आरक्षी रविन्द्र सिंह, निरीक्षक राकेन्द्र सिह कठैत, एसएचओ सोनप्रयाग, उपनिरीक्षक महेश सिह रावत, आरक्षी राकेश, आरक्षी सतवीर शर्मा, चालक संतोष सिह की संयुक्त टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

फेसबुक पर हुई थी मुलाकात

रुद्रप्रयाग। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पहले से शादीशुदा है और उसकी पत्नी व तीन बच्चे नेपाल में रहते हैं। मृतका कमला शाही भी पहले से विवाहित थी और उसके दो बच्चे थे, जिनमें से एक 9 वर्षीय रोशन सिंह इस घटना में मृत पाया गया। दोनों की मुलाकात वर्ष 2025 में फेसबुक के माध्यम से हुई थी। इसके बाद दोनों उत्तरकाशी के मोरी क्षेत्र में पति-पत्नी की तरह साथ रह रहे थे। करीब एक माह पहले वे सुमाड़ी में किराये के कमरे में रहने लगे थे।

घरेलू विवाद बना हत्या की वजह

रुद्रप्रयाग। पुलिस के अनुसार 4 मार्च 2026 की शाम करीब 7 से 8 बजे के बीच आरोपी और महिला के बीच घरेलू विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने पहले कमला शाही का गला दबाकर हत्या कर दी और उसके बाद 9 वर्षीय रोशन सिंह की भी गला दबाकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी दोनों शवों पर कम्बल डालकर मौके से फरार हो गया।

किसान पंजीकरण की धीमी प्रगति पर डीएम ने जताई नाराजगी

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी: जिलाधिकारी प्रशान्त आर्य ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं,कार्यक्रमों एवं विकास कार्यों की समीक्षा के लिए रोस्टर जारी किया है। रोस्टर के तहत सोमवार पहले दिन जिलाधिकारी ने कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसान पंजीकरण की धीमी प्रगति पर गहरी नाराजगी व्यक्त की।

उन्होंने मुख्य कृषि अधिकारी को पंजीकरण कार्य में तेजी लाने और अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पात्र किसानों को योजना का लाभ दिलाने के लिए विभागीय अधिकारियों को गंभीरता से कार्य करने एवं पंजीकरण प्रक्रिया को तेज करते हुए अधिक से अधिक किसानों को योजना से जोड़ने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए किसानों को ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक किसानों को तकनीकी आधारित खेती से जोड़कर उत्पादन को बढ़ावा देना सुनिश्चित करें व जियो लाइन पानी टैंक को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जियो लाइन टैंक कम लागत में आसानी से तैयार किए जा सकते हैं,इससे किसानों को खेतों की सिंचाई करने में सुविधा होगी और पानी का संचय और बेहतर प्रबंधन संभव हो सकेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में रोजमेरी,लैवेंडर,नेपियर की खेती को बढ़ावा दिया जाए। डीएम ने कहा कि आगामी जिला योजना कार्ययोजना में नवाचार से जुड़े प्रस्तावों को शामिल किया जाए,ताकि नई तकनीकों और अभिनव पहलों के माध्यम से किसानों तथा आम जनता को योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जयभारत सिंह, मुख्य कृषि अधिकारी एसएस वर्मा,जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी अतुल आंनद सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

100 मीटर दौड़ में यशिका वर्मा, आकांक्षा नेगी, प्रत्यक्षा रही प्रथम

शाह टाइम्स संवाददाता

कोटद्वार। मेरा युवा भारत, पौड़ी गढ़वाल, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अतंर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम विकास क्षेत्र दुगड्डा के इण्टर कॉलेज मोटाढ़ाक, कोटद्वार में संगोष्ठी तथा दौड़ प्रतियोगिता के साथ आयोजित की गई। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि बिजनेस वूमेन सीमा धन्नार ने महिलाओं और बालिकाओं को प्ररित करते हुए कहा कि यह दिवस महिलाओं के अधिकार और उनकी शक्ति को याद दिलाता है महिलाओं ने हमेशा से ही समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और आज भी वह हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं।

अतंर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम में आयोजित दौड़ प्रतियोगिता में 13 वर्ष की आयु वर्ग में 100 मीटर की दौड़ में प्रथम स्थान यशिका वर्मा, द्वितीय आशिक तथा तृतीय स्थान पर आशा, 200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान पिंकी, द्वितीय स्थान सोनाक्षी नेगी तथा तृतीय स्थान यशिका वर्मा, 400 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान सोनाक्षी नेगी, द्वितीय स्थान समीक्षा तथा तृतीय स्थान दीप्ति ने प्राप्त किया। साथ ही दौड़ प्रतियोगिता 18 वर्ष की आयु वर्ग में 100 मीटर की दौड़ में प्रथम स्थान आकांक्षा नेगी, द्वितीय स्थान प्राची रावत तथा तृतीय स्थान विजय लक्ष्मी, 200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान नव्या नेगी, द्वितीय स्थान अंकिता तृतीय स्थान प्राची एवं 400 मीटर दौड़ में नव्या नेगी प्रथम, द्वितीय अंकिता, तृतीय स्थान यशिका ने प्राप्त किया।

इसी के साथ 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की बालिकाओं एवं महिलाओं में 100 मीटर की दौड़ में प्रथम स्थान प्रत्यक्षा, द्वितीय स्थान विशाखा तथा तृतीय स्थान हिमानी ने प्राप्त किया, 200 मी दौड़ में प्रथम स्थान काजल, द्वितीय स्थान दीक्षा धस्माना तथा तृतीय स्थान पर प्रत्यक्षा रहीं। 400 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान पूजा बिष्ट, द्वितीय स्थान काजल तथा तृतीय स्थान पर विशाखा रही।

कालीमठ-जग्गी मार्ग बदहाल, जान जोखिम में डालकर चलने को मजबूर लोग

पीएमजीएसवाई के तहत बने मार्ग पर डामर उखड़ा, जल निकासी और सुरक्षा दीवार का अभाव, कई दोपहिया चालक हो चुके चोटिल,

शाह टाइम्स संवाददाता

गुप्तकाशी/रूद्रप्रयाग। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अधीन बने कालीमठ-जग्गी बागवान मोटरमार्ग की बदहाल स्थिति से क्षेत्रीय लोगों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मार्ग की खराब हालत के कारण यह सड़क अब जानलेवा बन चुकी है और इस पर आवाजाही करने वाले कई दोपहिया वाहन चालक फिसलकर चोटिल भी हो चुके हैं। कालीमठ से जग्गी तक लगभग पांच किलोमीटर के इस मार्ग पर किए गए निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभाग और संबंधित ठेकेदारों की लापरवाही के चलते सड़क का निर्माण बेहद घटिया तरीके से किया गया है।

सड़क पर न तो जल निकासी नालियों का समुचित निर्माण किया गया और न ही संवेदनशील स्थानों पर आरसीसी सुरक्षा दीवारें बनाई गईं। बताया जा रहा है कि मार्ग पर किया गया डामरीकरण लगभग 40 प्रतिशत तक उखड़ चुका है, जिससे जगहदृजगह गहरे गड्ढे बन गए हैं। पैराफिट न होने के कारण सड़क कई स्थानों पर बेहद खतरनाक बनी हुई है। वहीं कई हिस्सों में सड़क इतनी संकरी है कि दो वाहनों का एक साथ निकलना मुश्किल हो जाता है।

स्थानीय लोगों के अनुसार हाल ही में विभाग द्वारा कुछ स्थानों पर टाइल्स बिछाई गई थी, लेकिन वे भी कुछ ही समय में कई जगहों से उखड़ चुकी हैं। जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण बरसात का पानी सड़क के बीचोंदृबीच बहता है, जिससे सड़क और भी अधिक क्षतिग्रस्त हो रही है और दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़क की हालत बदतर बनी हुई है और इस मार्ग पर वाहन चलाना किसी बड़ी दुर्घटना को न्योता देने के समान है। वहीं इस संबंध में विभागीय अभियंताओं से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे बात नहीं हो पाई।

एक नजर ....

पार्षद ने लगाए सरकारी धन के दुरुप्रयोग के आरोप

श्रीनगर। नगर निगम श्रीनगर में पीपलचौरी चौराहे स्थित सार्वजनिक शौचालय के ध्वस्तीकरण को लेकर पार्षद ने सवाल उठाए हैं। वार्ड संख्या 18 के पार्षद झाबर सिंह रावत ने महापौर, नगर आयुक्त, जिलाधिकारी और शहरी विकास सचिव को पत्र भेजकर सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका जताई है। पार्षद का कहना है कि नगर निगम की प्रथम बोर्ड बैठक में पीपलचौरी स्थित शौचालय को तोड़ने का प्रस्ताव वार्ड 12 के एक पार्षद द्वारा रखा गया था, जिसका उन्होंने विरोध किया था। इसके बावजूद शौचालय हटाने के लिए 53 हजार 730 रुपये का ठेका दे दिया गया, जबकि वह अच्छी स्थिति में था। उन्होंने यह भी कहा कि गरुड़ मंदिर चौराहे के पास शौचालय के दो कक्षों को हाईटेक करने का प्रस्ताव था, लेकिन वर्तमान में निर्माणाधीन शौचालय प्रस्ताव के अनुरूप है या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। पार्षद ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

10 मार्च को ऊखीमठ में तहसील दिवस का आयोजन

जिलाधिकारी सुनेंगे जनता की समस्या, मिलेगा त्वरित समाधान

रुद्रप्रयाग। जनसमस्याओं के त्वरित समाधान एवं प्रशासन को आमजन के और अधिक निकट लाने के उद्देश्य से जनपद रुद्रप्रयाग में तहसील दिवस का आयोजन किया जाता रहा है।इस सप्ताह जिलाधिकारी विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में दिनांक 10 मार्च को तहसील दिवस का आयोजन खण्ड विकास कार्यालय ऊखीमठ के सभागार में किया जाएगा। उपजिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि तहसील दिवस के अवसर पर सभी विभागों के जिला स्तरीय एवं तहसील स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा आमजन की समस्याओं को सुना जाएगा तथा संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही उनके समाधान के निर्देश दिए जाएंगे। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए निर्धारित तिथि को तहसील दिवस में उपस्थित होकर प्रशासन को अवगत कराएं, ताकि समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।

गढ़वाल विवि की अंतर संकाय प्रतियोगिताएं 17 से

श्रीनगर। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि कि अंतर संकाय एवं अंतर महाविद्यालय शैक्षणिक एवं सांस्कृत प्रतियोगिताएं आगामी 17 मार्च से शुरू होगी। इसको लेकर गढ़वाल विवि प्रशासन ने तैयारियां पूर्ण कर ली है। कार्यक्रम के कोऑर्डिनेट एवं उप अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अतुल ध्यानी ने बताया कि 17 से 18 मार्च को अंतर संकाय प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेगी। जबकि 19 से 20 मार्च को अंतर महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं होगी। बताया कि प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने को लेकर गढ़वाल विवि से सम्बद्ध महाविद्यालय को आमंत्रण पत्र भेज दिए गये है। जबकि प्रतियोगिताओं को सम्पन्न करवाने को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है।

सतपुली के पास पिकअप वाहन दुर्घटनाग्रस्त, किया रेस्क्यू

सतपुली। थाना सतपुली को सूचना प्राप्त हुई कि मल्ली सतपुली क्षेत्र में होटल हिमालय के पास गुमखाल की ओर से आ रहा एक पिकअप वाहन संख्या - न्च् 13 ब्ज् 9549, अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे खाई में गिर गया है। सूचना प्राप्त होते ही थाना सतपुली पुलिस एवं एसडीआरएफ की टीम तत्काल मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल पर पहुंचकर संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान प्रारम्भ किया गया। रेस्क्यू के दौरान एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है, जिसकी पहचान वाहन चालक हरि ओम, उम्र 42 वर्ष, पुत्र जगदीश सिंह, निवासी पिलखुवा, थाना पिलखुवा, जिला हापुर, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस एवं एसडीआरएफ टीम द्वारा रेस्क्यू एवं आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।प्राथमिक जानकारी के अनुसार उक्त वाहन पिलखुवा से पौड़ी की ओर जा रहा था, जिसमें आयुर्वेदिक दवाइयां लदी हुई थीं और वाहन में केवल वाहन चालक ही मौजूद था।

यात्रा तैयारियों को लेकर डीएम का तिलवाड़ा में स्थलीय निरीक्षण

रुद्रप्रयाग। आगामी केदारनाथ धाम यात्रा की तैयारियों के क्रम में जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने यात्रा मार्ग के महत्वपूर्ण पड़ाव तिलवाड़ा बाजार क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग और बाजार क्षेत्र की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने राजमार्ग किनारे हटाए गए अतिक्रमण के मलबे को शीघ्र हटाने के निर्देश दिए, ताकि यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। उन्होंने कहा कि मलबा लंबे समय तक सड़क किनारे पड़ा रहने से दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है, इसलिए इसे प्राथमिकता के आधार पर हटाया जाए। डीएम ने मार्ग किनारे स्थित नालियों की स्थिति का भी निरीक्षण किया। उन्होंने जिन स्थानों पर नालियां क्षतिग्रस्त पाई गई, वहां तत्काल मरम्मत कार्य शुरू करने और नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि बरसात या यात्रा सीजन में जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि केदारनाथ धाम यात्रा शुरू होने से पहले सभी आवश्यक कार्य हर हाल में पूरे कर लिए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए यात्रा मार्ग पर बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

केदारनाथ वन्यजीव अभ्यारण के जंगलों में भीषण आग, वन संपदा को भारी नुकसान

फाटा क्षेत्र तक पहुंचा धुआं, वन विभाग की टीम आग पर काबू पाने में जुटी

शाह टाइम्स संवाददाता

फाटा/रुद्रप्रयाग। जनपद के फाटा क्षेत्र स्थित केदारनाथ वन्यजीव अभ्यारण के अंतर्गत रेल बीट के जंगलों में सोमवार को भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की चपेट में आने से जंगल की वन संपदा तेजी से जलकर नष्ट हो रही है, वहीं वन्य जीव-जंतुओं के जीवन पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार सोमवार को केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग के अंतर्गत आने वाले रेल बीट क्षेत्र के जंगलों में अचानक आग भड़क उठी, जो देखते ही देखते विकराल रूप लेने लगी। जंगलों में लगी आग से उठता धुआं फाटा क्षेत्र के आसपास के गांवों तक पहुंचने लगा है, जिससे स्थानीय लोगों में भी चिंता का माहौल बना हुआ है। आग की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के लिए अभियान शुरू कर दिया गया। वन कर्मी लगातार जंगलों में आग बुझाने में जुटे हुए हैं।

यदि समय रहते आग पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं पाया गया तो यह आग पहाड़ी के दूसरी ओर के जंगलों तक भी फैल सकती है, जिससे बड़े स्तर पर नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग के वन क्षेत्राधिकारी विमल भट्ट ने बताया कि रेल बीट के जंगलों में आग लगने की सूचना मिलते ही छह सदस्यीय वन कर्मियों की टीम मौके पर भेजी गई। टीम द्वारा लगातार आग बुझाने का कार्य किया जा रहा है और अधिकांश हिस्सों में लगी आग पर नियंत्रण पा लिया गया है।

उन्होंने बताया कि क्षेत्र का कुछ हिस्सा चट्टानी होने के कारण आग बुझाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बावजूद इसके वन कर्मी लगातार प्रयास कर रहे हैं और जल्द ही आग पर पूरी तरह काबू पा लिया जाएगा।

वहीं, विकासखण्ड अगस्त्यमुनि के बावई के नजदीक के जंगलों में आग लगने से जंगल पूरी तरह जलकर राख हो गए हैं।

रात के समय जंगल में उठती आग की लपटों से ग्रामीण जनता में भय का माहौल बना हुआ है। जंगलों में आग लगने से जंगली जानवरी भी ग्रामीण इलाकों के आस-पास मंडरा रहे हैं, जिससे लोगों को अपनी जान का भी डर बना हुआ है। वन विभाग की ओर से जंगलों में लगी आग को बुझाने के नाकाफी प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे लाखों-करोड़ों की वन सम्पदा जलकर राख हो गई है।

सामूहिक प्रयासों से ही सफल बनेगा स्वच्छता अभियानः चौहान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। नगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था एवं डोर.टू.डोर कूड़ा कलेक्शन का अधिशासी अधिकारी हरेंद्र चौहान ने निरीक्षण किया।

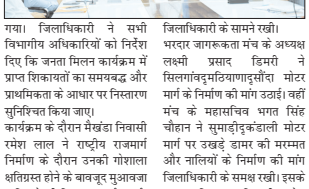

उन्होंने आगामी चारधाम यात्रा को ध्यान में रखते हुए सफाई व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने तथा नियमित कूड़ा संग्रहण सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा. निर्देश दिए।वहींए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद सभागार में श्स्वच्छ आदत.स्वच्छ भारतश् अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मोहल्ला स्वच्छता समिति की महिला सदस्यों तथा रैग पिकर्स को महिला अधिकारोंए स्वच्छता के प्रति जागरूकताए ज्ञान संवर्धन और घरदृघर कचरा संग्रहण व्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।कार्यक्रम के दौरान अधिशासी अधिकारी हरेंद्र सिंह ने महिलाओं को संबोधित करते हुए स्वच्छता के महत्वए महिलाओं के अधिकारों तथा नगर क्षेत्र में प्रभावी कचरा प्रबंधन की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ नगर के निर्माण में महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से एक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी आयोजित किया गयाए जिसमें नगर पालिका परिषद रुद्रप्रयाग में कार्यरत मोहल्ला स्वच्छता समिति तथा स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही उन्हें स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श भी दिए गए। कार्यक्रम में प्रभारी सफाई निरीक्षक चन्द्रशेखर चौधरीनिकाय कार्मिक मनोज कुमार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनसंवाद में उमड़ी जनता, 44 शिकायतें दर्ज

26 का मौके पर निस्तारण, शेष के समाधान के लिए विभागों को दिए निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग।जिलाधिकारी विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कार्यालय सभागार में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में आम जनमानस की समस्याओं को सुना गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी शिकायतें और समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं।

ज्न मिलन कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 44 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 26 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों को आवश्यक कार्यवाही के लिए संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता मिलन कार्यक्रम में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

कार्यक्रम के दौरान मैखंडा निवासी रमेश लाल ने राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के दौरान उनकी गोशाला क्षतिग्रस्त होने के बावजूद मुआवजा न मिलने की शिकायत दर्ज कराई। वहीं नारायणकोटी निवासी जसपाल लाल ने भी एनएच निर्माण के दौरान उनकी दुकान तोड़े जाने के बाद मुआवजा न मिलने की समस्या जिलाधिकारी के सामने रखी।

भरदार जागरूकता मंच के अध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद डिमरी ने सिलगांवदृमठियाणादृसौंदा मोटर मार्ग के निर्माण की मांग उठाई। वहीं मंच के महासचिव भगत सिंह चौहान ने सुमाड़ीदृकंडाली मोटर मार्ग पर उखड़े डामर की मरम्मत और नालियों के निर्माण की मांग जिलाधिकारी के समक्ष रखी। इसके अलावा तिलवाड़ा निवासी सुबोध चमोला ने भूमि से संबंधित प्रकरण की फाइल लंबे समय से तहसील स्तर पर लंबित होने की जानकारी दी। नाग जगई निवासी ऋतिक ने आर्थिक स्थिति को देखते हुए सहायता की मांग की, जबकि कांडा गांव की विजया देवी ने बीपीएल कार्ड बनाने का अनुरोध किया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसंवाद में प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा निस्तारण की जानकारी जिला कार्यालय के साथ-साथ संबंधित शिकायतकर्ता को भी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की ढिलाई या अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा।

इस दौरान जिलाधिकारी ने सीएम हेल्पलाइन पोर्टल में दर्ज शिकायतों की भी समीक्षा की। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पोर्टल पर 216 शिकायतें लंबित हैं, जिनका शीघ्र निस्तारण आवश्यक है। साथ ही जानकारी दी कि 01 जनवरी 2025 से अब तक कुल 3346 शिकायतों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया जा चुका है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का भी त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, उप जिलाधिकारी जखोली भगत सिंह फोनिया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामप्रकाश, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आशीष रावत, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग ऊखीमठ आर.पी. नैथानी, जिला समाज कल्याण अधिकारी टी.आर. मलेठा, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा, प्रभारी शिकायत प्रकोष्ठ विनोद कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे।

श्रीनगर में 14 मार्च को होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

श्रीनगर। उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी गढ़वाल के निर्देशानुसार में सोमवार को तहसील विधिक सेवा समिति की अध्यक्ष एवं सिविल जज अलका अध्यक्षता में बैठक आहुत की गई। बैठक में 14 मार्च को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर चर्चा की गई। बैठक में सिविल जज अलका ने 14 मार्च को होने वाली लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण करने को कहा। बैठक में बार एसोसिएशन श्रीनगर के सरंक्षक अनूपश्री पांथरी, अध्यक्ष प्रमेश चन्द्र जोशी, अर्जुन सिंह भंडारी, पुलिस उपाधीक्षक श्रीनगर अनुज कुमार, महासचिव ब्रह्मनंद भट्ट, देवी प्रसाद, सुबोध भट्ट, पूनम हटवाल, प्रियंका रॉय, प्रीति बिष्ट प्रकाश नेगी सहित आदि मौजूद थे।

राज्यपाल ने विकास, रोजगार और पर्यटन पर गिनाईं उपलब्धियां

शाह टाइम्स ब्यूरो

गैरसैंण। उत्तराखंड विधानसभा के 9 मार्च (सोमवार) को गैरसैंण के भराड़ीसैंण विधानसभा में बजट सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से हुई। अभिभाषण में सरकार ने विकास, पर्यटन, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और 2047 तक विकसित उत्तराखंड के लक्ष्य को प्रमुखता से रखा।

उत्तराखंड विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल ने सदन को संबोधित करते हुए सरकार की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं का खाका प्रस्तुत किया। अभिभाषण में राज्य के समग्र विकास, रोजगार सृजन, पर्यटन विस्तार, महिला सशक्तिकरण और आधारभूत ढांचे को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया।

राज्यपाल ने कहा कि, सरकार उत्तराखंड को वर्ष 2047 तक एक विकसित राज्य बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। इसके लिए आर्थिक विकास, सामाजिक न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार का उद्देश्य पहाड़ और मैदान दोनों क्षेत्रों में संतुलित विकास सुनिश्चित करना है। राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में यह भी कहा कि, सरकार पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है. विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनता की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं। इस तरह बजट सत्र की शुरुआत के साथ ही सरकार ने विकास, रोजगार, पर्यटन और महिला सशक्तिकरण को अपनी प्राथमिकताओं में रखते हुए आने वाले समय के लिए कई महत्वपूर्ण संकेत दिए हैं. अब सदन में इन मुद्दों पर चर्चा के साथ आगामी बजट में इन योजनाओं को और आगे बढ़ाने की रूपरेखा सामने आने की उम्मीद है।

■ राज्यपाल के अभिभाषण से हुई गैरसैंण बजट सत्र 2026 की शुरुआत

नकल मुक्त परीक्षा प्रणाली हुई मजबूत

अभिभाषण में शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों का भी उल्लेख किया गया। राज्यपाल ने कहा कि, सरकार नकल मुक्त परीक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हाल के वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं को पारदर्शी और नकल मुक्त बनाने के लिए कड़े कानून और व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। साथ ही युवाओं को बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

युवाओं को मिल रहा योजना का लाभ

रोजगार और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना 2.0 का भी जिक्र किया गया। इस योजना के तहत युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। राज्यपाल ने बताया कि हजारों युवाओं को इस योजना से लाभ मिला है और उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे है है।

महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का प्रयास: महिला सशक्तिकरण को सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल बताते हुए राज्यपाल ने कहा कि, स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा रहा है। 'लखपति दीदी' जैसी योजनाओं के जरिए महिलाओं की आय बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पर्यटन को बढ़ावा: पर्यटन क्षेत्र को राज्य की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए राज्यपाल ने कहा कि, सरकार चारधाम यात्रा के साथ-साथ शीतकालीन पर्यटन को भी बढ़ावा दे रही है. विंटर टूरिज्म को विकसित करने के लिए विशेष योजनाएं लागू की गई हैं, ताकि साल भर पर्यटन गतिविधियां जारी रहें और स्थानीय लोगों को रोजगार मिल सके. इसके साथ ही धार्मिक, सांस्कृतिक और साहसिक पर्यटन को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है.

डिजिटल सेवाओं का विस्तार: ग्रामीण विकास और आधारभूत ढांचे के विस्तार का भी अभिभाषण में उल्लेख किया गया. सड़क, बिजली, पानी और डिजिटल सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है. राज्य में डिजिटल सेवाओं का विस्तार कर नागरिकों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ आसानी से उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

'महिला आयोग आपके द्वार' अभियान का आगाज

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में उत्तराखंड राज्य महिला आयोग ने महिलाओं को उनके घर-द्वार पर न्याय दिलाने के लिए श्महिला आयोग आपके द्वारश अभियान की शुरुआत की है। सोमवार को राजधानी देहरादून के जिलाधिकारी कार्यालय परिसर स्थित कोषागार सभागार में आयोजित जनसुनवाई में आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने कड़ा रुख अपनाते हुए कई संवेदनशील मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया।

जनसुनवाई के दौरान घरेलू हिंसा, आर्थिक सहायता, संपत्ति विवाद और लैंड फ्रॉड जैसे कुल 25 मामले सामने आए। अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि न्याय में अनावश्यक विलंब कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने महिला कल्याणकारी योजनाओं की ग्राउंड लेवल पर मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए ताकि पात्र महिलाओं को उनका वास्तविक लाभ मिल सके। सुनवाई के दौरान एक गंभीर मामले में, पति द्वारा बीमारी की स्थिति में पत्नी को मायके छोड़ देने और देखभाल न करने पर अध्यक्ष ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने पति को अपनी पत्नी के व्यक्तिगत खर्च के लिए 5000 रुपये प्रति माह देने के निर्देश दिए।

■ अध्यक्ष कंडवाल ने सुनी फरियादें

महिला कांग्रेस का अनोखा प्रदर्शन

गैस सिलेंडर की 'अंत्येष्टि' कर जताया विरोध

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। रसोई गैस सिलेंडर के लगातार बढ़ते दामों के विरोध में सोमवार को महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने देहरादून में अनोखे ढंग से प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा के आह्वान पर देशभर में चल रहे विरोध कार्यक्रम के तहत उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार महिला कांग्रेस कार्यकर्ता कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन से सिर पर गैस सिलेंडर उठाकर पदयात्रा करते हुए भाजपा जिला मुख्यालय की ओर बढ़ीं। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बढ़ती महंगाई और गैस सिलेंडर के दामों में वृद्धि के खिलाफ जोरदार नारे लगाए।

पदयात्रा कनक चौक तक पहुंची, जहां पुलिस प्रशासन ने बैरिकेटिंग लगाकर प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गैस सिलेंडर को फूल-माला पहनाकर उसकी प्रतीकात्मक "अंत्येष्टि" कर विरोध जताया। महिलाओं ने धूपबत्ती जलाकर महंगाई के खिलाफ केंद्र सरकार की नीतियों पर नाराजगी व्यक्त की।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने चूल्हे पर लकड़ी जलाकर रोटी और सब्जी बनाते हुए यह संदेश दिया कि बढ़ती महंगाई के कारण गरीब परिवारों को फिर से पुराने दौर की तरह चूल्हे पर खाना बनाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। बाद में वहीं पर बनी रोटी और सब्जी लोगों को खिलाकर सरकार की नीतियों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि केंद्र सरकार अपने उद्योगपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए लगातार रसोई गैस के दाम बढ़ा रही है, जिससे आम जनता, खासकर महिलाओं पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। इस अवसर पर महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष आशा मनोरमा शर्मा, नजमा खान, जया कर्नाटक, महानगर अध्यक्ष उर्मिला ढोंडियाल थापा, जिलाध्यक्ष अंशुल त्यागी, मंजू मिश्रा, महासचिव अनीता सकलानी, पूनम सिंह, दीपा चौहान, नलिनी दीक्षित, चंद्रकला नेगी, भावना शर्मा, सुशीला शर्मा, अनुराधा तिवाड़ी आदि मौजूद रहे।

■ सिर पर गैस सिलेंडर रखकर निकाली पदयात्रा, चूल्हे पर रोटी बनाकर महंगाई के खिलाफ दिया संदेश

आठ मूल मंत्रों से सरकार ने साधा संतुलन

■ राज्य सरकार के बजट में संतुलन के एक-एक अक्षर के गहरे अर्थ
■ सीएम धामी ने विकास व प्रगति की सोच को अनूठे अंदाज में सामने रखा
■ समावेशी विकास से लेकर न्यायपूर्ण व्यवस्था तक की सोच परिलक्षित

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। वित्त मंत्री के रूप में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को जो बजट पेश किया, उसमें आठ मूल मंत्रों को केंद्र में रखकर संतुलन साधा गया है। ये मूल मंत्र अंग्रेजी में संतुलन शब्द को सामने रखकर बने हैं, जिसके एक-एक अक्षर में गहरे अर्थ समाि. हत हैं। सरकार ने इसी हिसाब से विभिन्न क्षेत्रों के लिए बजट का प्रावधान किया है। अनूठे अंदाज में सरकार ने राज्य के विकास और उसकी प्रगति से जुड़ी मजबूत परिकल्पना को भी सामने रखा है।

दरअसल, राज्य सरकार ने बजट में हर वर्ग का ख्याल रखते हुए संतुलित बजट पेश किया है। विकास और प्रगति की सोच को जिस अंदाज में सामने रखा गया है, वह अनूठी है। सरकार ने संतुलन शब्द को अंग्रेजी के हिसाब से सामने रखते हुए एक-एक अक्षर पर विकास और प्रगति की तस्वीर खींची है। मसलन, संतुलन के पहले अक्षर एस से समावेशी विकास, ए से आत्मनिर्भरता, एन से नई सोच और टी से तीव्र विकास की परिकल्पना को न सिर्फ पेश किया है, बल्कि उसके अंतर्गत विभिन्न योजनाओं और मदों में अच्छे खासे बजट का प्रावधान भी किया है। इसी तरह, यू अक्षर की जब बात की गई है, तो उसमें उत्तराखंड के उन्नत गांव एवं शहरों को ध्यान में रखा गया है। एल से लोकसहभागिता, ए से आर्थिक विकास और एन से न्यायपूर्ण व्यवस्था की परिकल्पना प्रकट की गई है और विभिन्न मदों में बजट का प्रावधान किया गया है।

संतुलन का अनूठा मॉडल: संतुलन समावेशी विकास (एस)
♦ सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं में समग्र रूप से लगभग 1327.73 करोड़ ♦ अटल आयुष्मान उत्तराखण्ड योजना के लिए 600.00 करोड़। ♦ सक्षम आंगनबाडी एण्ड पोषण 2.0 योजना के लिए समग्र रूप से लगभग 598.33 करोड़ ♦ ईडब्ल्यूएस आवासों के लिए अनुदान के अन्तर्गत 25.00 करोड़। ♦ राज्य खाद्यान्न योजना के अन्तर्गत 25.00 करोड़। ♦ प्रधानमंत्री पोषण मिशन हेतु समग्र रूप से लगभग रु 149.45 करोड़। ♦ मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट योजना के लिए 30.00 करोड़। ♦ मुख्यमंत्री आंचल अमृत योजना के लिए 15.00 करोड़। ♦ राज्य में प्रसूता के लिए ईजा-बोई शगुन योजना के लिए समग्र रूप से लगभग 14.13 करोड़। ♦ मुख्यमंत्री महिला पोषण योजना के लिए लगभग 13.44 करोड़। ♦ मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना के लिए 15.00 करोड़। ♦ मुख्यमंत्री बाल एवं महिला बहुमुखी विकास निधि 8.00 करोड़.।

संतुलन: आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड (ए)
♦ पशुपालन विभाग के अन्तर्गत स्वरोजगार परक व लाभार्थीपरक योजना के लिए लगभग रु 42.02 करोड़। ♦ समग्र रूप से मिशन एप्पल के लिए 42.00 करोड़। ♦ ट्राउट प्रोत्साहन योजना हेतु लगभग 39.90 करोड़। ♦ उच्च मूल्य वाले फलों (कीवी, ड्रेगन फ्रूट आदि) के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए लगभग 30.70 करोड़। ♦ 5 राज्य में चाय विकास योजना के लिए लगभग 25.93 करोड़। ♦ सगन्ध पौधा केन्द्र को अनुदान एवं सगन्ध पौधों के कलस्टर विकास के लिए लगभग 24.75 करोड़। ♦ फसलों की सुरक्षा के लिए घेरबाड़ के लिए 20.00 करोड़। ♦ 8 प्रदेश के सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों को सहायता योजना के लिए 75.00 करोड़। ♦ मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के लिए 60.00 करोड़। ♦ प्रमोशन ऑफ इंवेस्टमेंट, स्टार्टअप और इंटरप्रीनियोरशिप के लिए 30.00 करोड़। ♦ स्टार्ट अप वेंचर फंड के लिए 25.00 करोड़। ♦ मेगा इंडस्ट्रियल एवं मेगा टेक्सटाईल नीति के तहत अनुदान के लिए 25.00 करोड़। ♦ इको टूरिज्म गतिविधियों के लिए समग्र रूप से 18.50 करोड़। ♦ हरिद्वार गंगा कॉरिडोर परियोजना 10.00 करोड़। ♦ ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर परियोजना 10.00 करोड़। ♦ सरयू एवं अन्य रिवर फ्रंट योजनाओं के लिए 10.00 करोड़।

संतुलन : नई सोच (एन)
♦ संस्कृत पाठशालाओं को अनुदान के लिए 28.00 करोड़। ♦ खनन सर्विलांस योजना के अन्तर्गत 24.50 करोड़। ♦ 2 विद्यालयी शिक्षा विभाग के अन्तर्गत छात्रवृति के लिए 15.00 करोड़। ♦ उच्च शिक्षा विभाग के अन्तर्गत छात्रवृति के लिए 15.00 करोड़। ♦ खेल विभाग के अंतर्गत छात्रवृति के लिए लगभग 13.50 करोड़। ♦ उद्यमिता, कौशल एवं नवाचार योजना के अन्तर्गत लगभग 7.11 करोड़। ♦ राजकीय महाविद्यालयों में ई-ग्रंथालय की स्थापना के लिए 7.00 करोड़। ♦ लैब ऑन व्हील्स योजना के लिए 4.00 करोड़। ♦ राज्य डॉटा सेंटर सुदृढ़ीकरण के लिए समग्र रूप से 65.00 करोड़। ♦ सूचना प्रौद्योगिकी अवसं. रचना के अन्तर्गत लगभग 47.50 करोड़। ♦ 10 पहाड़ी शहर में नगर निकायों को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने के लिए 30.00 करोड़। ♦ साइबर सिक्योरटी के क्रियान्वयन के लिए 15.00 करोड़। ♦ इमरजिंग टेक्नोलॉजी एवं ए०आई० (सी०ओ०ई०) के क्रियान्वयन के लिए लगभग 11.50 करोड़। ♦ शहरी क्षेत्रों में पैदल मार्ग अवसंरचना के अन्तर्गत 10.00 करोड़। ♦ विधि विज्ञान प्रयोगशाला के अन्तर्गत 6.71 करोड़। ♦ पैक्स के कम्प्यूटरीकरण के लिए लगभग 5.67 करोड़। ♦ जनपदों में केंद्रीकृत रिकॉर्ड रूम के अन्तर्गत 10.00 करोड़। ♦ यूनीफार्म सिविल कोड के अन्तर्गत रुपये 5.00 करोड़

संतुलन : तीव्र विकास (टी)
♦ पीएमजीएसवाई योजना के अन्तर्गत पूंजीगत मद में 1050.00 करोड। ♦ गड्ढा मुक्त सड़क अभियान हेतु 400.00 करोड़। ♦ नागरिक उड्डयन विभाग के अन्तर्गत समग्र रूप से पूंजीगत मद में लगभग 52.50 करोड़। ♦ 4 नंदा देवी राजजात यात्रा के लिए 25.00 करोड़

संतुलन: उन्नत शहर एवं गांव का विकास (यू)
♦ विकसित भारत - जी राम जी हेतु समग्र रूप से लगभग 705.25 करोड़। ♦ ग्रामीण विकास विभाग के अन्तर्गत समग्र रूप से पूंजीगत मद में 1642.20 करोड़। वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के लिए 40 करोड़। ♦ शहरी निकायों हेतु समग्र रूप से रुपये 1814.00 करोड़ एवं पंचायती राज संस्थाओं के लिए 1491.00 करोड़। ♦ आवास विकास विभाग के अन्तर्गत अवस्थापना सुविधाओं के विकास आदि के लिए130.00 करोड़। ♦ नगरीय अवस्थापना के सुदृढ़ीकरण हेतु 60.00 करोड़

संतुलन: लोक सहभागिता (एल)
♦ राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी का सुदृढ़ीकरण/आईटीडीए को अनुदान- 25.00 करोड़। ♦ राज्य डाटा सेंटर सुदृढीकरण - 40.00 करोड़। ♦ एआई मिशन के क्रियान्वयन हेतु एसपीवी का गठन- 25.00 करोड़। ♦ विज्ञान केंद्र चंपावत- 10.00 करोड़

संतुलन: आर्थिक शक्ति (ए)
♦ रिस्पना बिंदाल की एलिवेटेड यूटिलिटी शिफ्टिंग- 350.00 करोड़। ♦ टिहरी रिंग रोड परियोजना- 10.00 करोड़। ♦ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना- 1050.00 करोड़। ♦ स्टार्ट अप वेंचर फंड के लिए 25.00 करोड़। ♦ प्रदेश के सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों को सहायता योजना के लिए- 75.00 करोड़। ♦ मेगा इंडस्ट्रियल एवं मेगा टेक्सटाईल नीति के तहत अनुदान के लिए- 25.00 करोड़ ♦ इको टूरिज्म गतिविधियों के लिए समग्र रूप से- 18.50 करोड़। ♦ प्रमोशन ऑफ इंवेस्टमेंट, स्टार्टअप और इंटरप्रीनियोरशिप के लिए- 30.00 करोड़। ♦ मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के लिए- 60.00 करोड़।

संतुलन: न्यायपूर्ण व्यवस्था (एन)
♦ पुलिस आवास के लिए- 100.00 करोड़। ♦ इण्डिया रिजर्व वाहिनी की स्थापना- 10.00 करोड़। ♦ स्टेट डिजास्टर रिस्पोन्स फोर्स- 10.00 करोड़। ♦ आन्तरिक सुरक्षा हेतु केन्द्रीय पुलिस बल आदि को भुगतान- 2.50 करोड़। ♦ जेलों का निर्माण / भूमि क्रय- 25.00 करोड़। ♦ कारागार हेतु आवासीय भवनों का निर्माण - 10.00 करोड़। ♦ उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी- रू 6.96 करोड़। ♦ रेप एंड पोक्सो एक्ट के लंबित प्रकरणों हेतु फास्ट ट्रैक विशेष कोर्ट - रू 3.42 करोड़

मोहब्बेवाला में अनियंत्रित होकर पलटा मार्बल से भरा ट्रक

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। राजधानी के क्लेमेंटाउन थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहब्बेवाला में आज सुबह एक बड़ा हादसा होने से दून-सहारनपुर हाईवे पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई।

सहारनपुर की ओर से मार्बल लेकर आ रहा एक अनियंत्रित ट्रक मुख्य हाईवे पर बीच सड़क पलट गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई, लेकिन भारी-भरकम ट्रक और सड़क पर बिखरे मार्बल की वजह से दोनों ओर का रास्ता पूरी तरह बंद हो गया। ट्रक पलटने के कारण देहरादून से सहारनपुर और सहारनपुर से देहरादून आने वाले वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। देखते ही देखते आसपास के संपर्क मार्गों पर भी वाहनों का भारी दबाव बढ़ गया। स्थिति को बिगड़ता देख क्लेमेंटाउन पुलिस ने मोर्चा संभाला और क्रेन की मदद से ट्रक को हटाने का काम शुरू किया। फिलहाल दोनों तरफ से यातायात को वैकल्पिक मार्गों की ओर डायवर्ट किया गया है।हादसे के बाद शहर की यातायात व्यवस्था न बिगड़े, इसके लिए एसएसपी देहरादून ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने जिले के सभी थाना प्रभारियों और यातायात निरीक्षकों को तत्काल अपने-अपने क्षेत्रों में सड़कों पर उतरने के निर्देश दिए हैं। एसएसपी ने स्पष्ट किया है कि जब तक हाईवे पूरी तरह साफ नहीं हो जाता, पुलिस अधिकारी फील्ड में रहकर यातायात के दबाव को कम करें और सुचारू डाइवर्जन सुनिश्चित करें।

■ पुलिस ने रूट किया डायवर्ट

होली के हुड़दंग के बीच जानलेवा हमला, उपचार के दौरान मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। राजधानी के बसंत विहार थाना क्षेत्र अंतर्गत गांधीग्राम में होली के उत्सव के दौरान पुरानी रंजिश ने खूनी रूप ले लिया। मामूली कहासुनी के बाद दबंगों ने एक व्यक्ति पर लाठी डंडों एवं अन्य हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर उसे घायल कर दिया। परिजनों के अनुसार गंभीर हालत में दून अस्पताल में भर्ती कराए गए घायल ने रविवार देर शाम उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांधीग्राम निवासी गिरेंद्र पुत्र देवी दयाल पर होली के हुड़दंग के बीच रोहन,अंकित, गुलशन निवासी गांधीग्राम और उनके अन्य साथियों ने अचानक हमला बोल दिया। बताया जा रहा है कि हमलावरों और पीड़ित पक्ष के बीच किसी बात को लेकर मामूली कहासुनी हुई थी, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। आरोपियों ने गिरेंद्र पर लाठी डंडों एवं अन्य हथियारों से वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा।घटना के बाद आनन-फानन में परिजनों ने गिरेंद्र को दून अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उसे बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन चोटें इतनी गहरी थीं कि रविवार देर शाम उसकी मौत हो गई। गिरेंद्र की मौत की खबर मिलते ही परिवार में को. हराम मच गया और अस्पताल परिसर में भीड़ जमा हो गई। परिजनों का आरोप है कि हमलावर आदतन अपराधी प्रवृत्ति के हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी इन्हीं आरोपियों ने मृतक गिरेंद्र के भाई पर जानलेवा हमला किया था, जिसकी रंजिश तभी से चली आ रही थी। परिजनों ने आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस को नामजद तहरीर दी है। इस मामले में पुलिस ने पूर्व में ही मुकदमा दर्ज कर लिया था इसके बाद अब पीड़ित परिवार हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग कर रहा है। दूसरी और बसंत विहार थाना अध्यक्ष के अनुसार इस मामले में आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है और कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है वही है मामला रंजिश का बताया जा रहा है और मृतक पीलिया की बीमारी से भी पीड़ित बताया गया है पुलिस इस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है जल्दी अन्य हमलावरों को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जाएगा।

■ होली की खुशियां मातम में बदलीं, इंसाफ की गुहार लगा रहा पीड़ित परिवार

बजट राज्य के विकास और जनमानस की आकांक्षाओं पूर्ति करने वाला: बंसल

देहरादून। राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष नरेश बंसल ने प्रदेश सरकार के बजट को राज्य के विकास और जनमानस की आकांक्षाओं पूर्ति करने वाला बताया है। उन्होंने कहा, इसमें किए प्रावधानों से स्पष्ट है कि आने वाले वित्त वर्ष में प्रदेश की विकास दर में वृद्धि होना तय है। महिला, युवा, किसान, गरीब कोई भी ऐसा वर्ग नहीं है जिनके कल्याण का ख्याल बजट में नहीं रखा गया हो। जी बहुत संतोष की बात है कि कुछ एक हजार करोड़ से चलकर हम प्रदेश की आर्थिकी को आज एक लाख ग्यारह हजार करोड़ तक पहुंचाने में सफल हुए हैं। उसमें भी घाटे से सरप्लस बजट की स्थिति में आना और राजकोषीय घाटे को 3 फीसदी और लोक ऋण भी 32.5 की निर्धारित सीमा के अंदर रखना किसी चुनौती से कम नहीं था।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
विद्युत वितरण खण्ड, बड़कोट
CAN- UA 40109 UP 2001 SGC 025867

निविदा विस्तारीकरण

इस कार्यालय के पत्रांक 730/वि०वि०ख०ब०/दिनाँक 24.02.2026 द्वारा निविदा संख्या 25, 26, 27/25–26 जिनकी निविदा विक्रय की तिथि 06.03.2026 एवं निविदा खोले जाने की तिथि 07.03.2026 थी, को अपरिहार्य कारणों से विस्तारित किया जाता है। अब निविदा पुनः विक्रय की तिथि 17.03.2026 एवं खुलने की तिथि 18.03.2026 को उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख खोली जायेंगी। अन्य नियम एवं शर्ते यथावत् रहेंगे।

पत्रांक : 843/वि०वि०ख०ब०/टी–7 दिनांक : 07.03.2026 **अधिशासी अभियंता**

"राष्ट्र हित में बिजली बचायें" "टोल–फ्री नं० -1912"

यूजेवीएन लिमिटेड
मुख्यालय 'उज्ज्वल' महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून–248006
दूरभाषः 0135–2763808, फैक्स– 0135–2763508
सी0आई0एन0 सं0: U40101UR2001SGC025866 | वेबसाइटः www.ujvnl.com

पत्रांक–201 **निविदा आमन्त्रण सूचना** दिनांक– 08/03/2026

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, परियोजना जानपद अनुरक्षण–ढालीपुर, द्वारा इच्छुक निविदादाताओं से मोहरबन्द निविदा आमन्त्रित की जाती हैं। निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नवत हैः–

निविदा संख्या–41/EE/PCM/Dhalipur/2025-26

कार्य का नाम–ढकरानी विद्युत गृह से स्क्यू ब्रिज तक शक्ति नहर के डाउन स्ट्रीम में लाइनिंग का मरम्मत कार्य।

अनुमानित लागत –Rs. 24,95,582.00 (GST अतिरिक्त)

वैब साईट पर निविदा की उपलब्धता की तिथि एवं समयः 09.03.2026 को 17:00 बजे से

निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समयः 30.03.2026 को 15:00 बजे तक

अन्य जानकारी हेतु कृपया हमारी बेबसाईट देखें। निविदा प्रपत्र निगम की बेबसाइट **"https://ujvnl.uk.gov.in".** से डाउनलोड किये जा सकते हैं।

अधिशासी अभियन्ता परियोजना जानपद अनुरक्षण, ढालीपुर

"बिजली के दुरूपयोग से बचें"

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, अनुरक्षण खण्ड, उत्तराखण्ड जल संस्थान
60/1, एक्वा हाऊस, इन्दिरा नगर (अनुराग चौक के पास), देहरादून–248006
Phone No/ Fax. 0135-2532509, Email Id: eemdujs@rediffmail.com

पत्रांकः 4719/निविदा सूचना/2025–26 दिनांकः 07/03/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

इस कार्यालय के पत्रांक 4648/निविदा सूचना/2025–26 दिनांक **28.02.2026** से जौलीग्रान्ट पेयजल योजना के अन्तर्गत वार्ड नं0–04 बडोवाला में नवनिर्मित नलकूप में कॉलम पाइप एवं पम्पिंग प्लान्ट सामग्री की आपूर्ति, अधिष्ठापन एवं तत्सम्बन्धी कार्य तथा जौलीग्रान्ट पेयजल योजना के अन्तर्गत वार्ड नं0–04 बडोवाला में पम्प हाऊस निर्माण एंव तत्सम्बन्धी कार्य हेतु आमन्त्रित अल्पकालीन निविदाएँ अपरिहार्य कारणों से निरस्त की जाती है।

अधिशासी अभियन्ता

नुक्कड़ नाटकों से दी गई नए कानूनों की जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की परिकल्पना और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में हरिद्वार के बैरागी कैंप में आयोजित 'न्याय संहिता' राज्यस्तरीय प्रदर्शनी जन-जागरूकता का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। उत्तराखंड पुलिस द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य आमजन को देश की न्याय व्यवस्था में हुए सुधारों, तकनीकी नवाचारों और नागरिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना है।

प्रदर्शनी के तीसरे दिन सोमवार को हरिद्वार के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने भारी उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। इसमें मुख्य रूप से कोर यूनिवर्सिटी कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, पुलिस मॉडर्न स्कूल और कन्या इंटर कॉलेज सडौली के विद्यार्थी व लॉ फैकल्टी शामिल हुए। पुलिस अधिकारियों और विशेषज्ञों ने छात्र-छात्राओं को नए कानूनों की बारीकियों को सरल भाषा में समझाया।

प्रदर्शनी में आकर्षण का मुख्य केंद्र नुक्कड़ नाटक रहे। इन नाटकों के माध्यम से न्याय संहिता के प्रमुख प्रावधानों, पीड़ित-केंद्रित न्याय प्रणाली और तकनीकी सुधारों को बेहद प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसे दर्शकों ने काफी सराहा।

इस दौरान पुलिस महानिरीक्षक (अपराध, कानून एवं व्यवस्था) सुनील कुमार मीणा ने प्रदर्शनी स्थल का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जनपद के विभिन्न थानों से आए विवेचकों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया और नए कानूनों के क्रियान्वयन के संबंध में अपनी विधिक समझ को मजबूत किया। इसके साथ ही एसडीआरएफ, पीएसी के जवानों, मीडिया कर्मियों और आपदा मित्रों ने भी प्रदर्शनी का लाभ उठाया।उत्तराखंड पुलिस का लक्ष्य इस प्रदर्शनी के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक न्याय संहिताओं की जानकारी पहुँचाना है, ताकि एक पारदर्शी और तकनीक-सक्षम व्यवस्था के प्रति जनता का विश्वास बढ़ सके।

बैरागी कैंप में लगी यह प्रदर्शनी 11 मार्च 2026 तक जारी रहेगी। पुलिस मुख्यालय ने आमजन से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुँचकर इस ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी का लाभ उठाएं।

टोयोटा अर्बन क्रूजर हाइराइडर मंथ का मनाया जश्न

देहरादून। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज 'टोयोटा अर्बन क्रूजर हाइराइडर मंथ' लॉन्च करने की घोषणा की। यह एक महीने तक चलने वाला कस्टमर-फोकस्ड एक्टिवेशन है जो 'टोयोटा अर्बन क्रूजर हाइराइडर आज की पहली स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक एसयूवी' की सफलता का जश्न मनाता है।

यह कैंपेन मार्च के आखिर तक पूरे उत्तर भारत में चलाया जा रहा है। इस दौरान कस्टमर्स को आकर्षक, एक्सक्लूसिव वैल्यू-लेड बेनिफिट्स के साथ इमर्सिव टेस्ट-ड्राइव एक्सपीरियंस के जरिए टोयोटा की स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड टेक्नोलॉजी के करीब लाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह कैंपेन एनसीआर, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, जम्मू और कश्मीर जैसे प्रमुख मार्केट को कवर कर रहा है।

पंजनहेड़ी गोलीकांड में भाजयुमो प्रदेश मंत्री समेत तीन गिरफ्तार, कनखल थाने में समर्थकों का हंगामा

पुलिस के खिलाफ नारेबाजी, निष्पक्ष कार्रवाई की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कनखल थाना क्षेत्र के पंजनहेड़ी गोलीकांड में फरार चल रहे तीन आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों में भाजयुमो के प्रदेश मंत्री तरुण चौहान के साथ अभिषेक चौहान और गौरव चौहान शामिल हैं। गिरफ्तारी के बाद आरोपितों के समर्थक बड़ी संख्या में कनखल थाने पहुंच गए और पुलिस कार्रवाई के विरोध में नारेबाजी करते हुए हंगामा किया। पुलिस के अनुसार तीनों आरोपित काफी समय से फरार चल रहे थे और उनकी तलाश में लगातार दबिश दी जा रही थी। सोमवार को पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। गिरफ्तारी के बाद तीनों का मेडिकल परीक्षण कराकर उन्हें न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू की गई। गिरफ्तारी की खबर मिलते ही हिंदूवादी संगठनों से जुड़े कार्यकर्ता कनखल थाने पहुंच गए। यहां उन्होंने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए नारेबाजी की और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने विवेचक सतेंद्र भंडारी और जगजीतपुर चौकी प्रभारी सुधांशु कौशिक के खिलाफ भी नाराजगी जताई।

इस बीच आरोपित तरुण चौहान ने भी मामले को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि क्षेत्र में सरकारी जमीनों पर कब्जे और अवैध प्लाटिंग को लेकर शिकायत किए जाने के बाद विवाद की स्थिति बनी थी, जिसके बाद यह पूरा मामला सामने आया।

बताया जा रहा है कि मामले के विवेचक फिलहाल अवकाश पर हैं। ऐसे में गिरफ्तारी की कार्रवाई अन्य पुलिस अधिकारी द्वारा किए जाने को लेकर भी चर्चा चल रही है। हालांकि पुलिस का कहना है कि मामले में कानून के मुताबिक कार्रवाई की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की विधिक प्रक्रिया जारी रहेगी। उल्लेखनीय है कि 28 जनवरी को पंजनहेड़ी गांव में प्रशासनिक टीम भूमि पैमाइश के लिए पहुंची थी। इसी दौरान विवाद बढ़ने पर गोली चलने की घटना सामने आई थी। मामले में एक आरोपी पहले ही आत्मसमर्पण कर चुका है, जबकि बाकी आरोपित घटना के बाद से फरार चल रहे थे। पुलिस अब पूरे प्रकरण के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

बिना मानचित्र स्वीकृति के चल रहा चार मंजिला भवन का निर्माण

प्राधिकरण की कार्यशैली पर उठ रहे सवाल

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। एचआरडीए द्वारा जहां अवैध कॉलोनियों व भवनों पर शिकंजा कसने की कार्रवाई लगातार की जा रही है, वहीं ज्वालापुर क्षेत्र में जटवाड़ा पुल के पास प्राधिकरण की नाक के नीचे ही चार मंजिला भवन का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह निर्माण बिना स्वीकृत मानचित्र के किया जा रहा है, जिससे विकास प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। सूत्रों के अनुसार ज्वालापुर के जटवाड़ा पुल क्षेत्र में एक भवन का निर्माण कई दिनों से जारी है। हैरानी की बात यह है कि चार मंजिला भवन का ढांचा खड़ा किया जा रहा है, जबकि निर्माण के लिए आवश्यक स्वीकृत मानचित्र और निर्धारित मानकों का पालन होता नजर नहीं आ रहा है। नियमों के विपरीत इस तरह का निर्माण क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। बताया जा रहा है कि इससे पहले भी हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण द्वारा उक्त निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। उस दौरान निर्माण कार्य को रोकने के निर्देश दिए गए थे और कुछ समय के लिए काम बंद भी हो गया था। लेकिन कार्रवाई के बाद भी चोरी-छिपे तरीके से दोबारा निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया।

गौरतलब है कि विकास प्राधिकरण समय-समय पर अवैध निर्माणों के खिलाफ अभियान चलाकर कई जगहों पर ध्वस्तीकरण और सीलिंग की कार्रवाई करता रहा है। इसके बावजूद ज्वालापुर जैसे व्यस्त क्षेत्र में चार मंजिला भवन का निर्माण होना कई तरह के सवाल खड़े कर रहा है। मामला सामने आने के बाद एक बार फिर विकास प्राधिकरण की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं कि आखिर इतने बड़े निर्माण कार्य की जानकारी विभाग तक कैसे नहीं पहुंच पाई। अब देखना यह होगा कि संबंधित विभाग इस मामले का संज्ञान लेकर क्या कार्रवाई करता है।

आत्महत्या के लिए उकसाने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। सिडकुल थाना क्षेत्र में आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी वर्ष 2025 से लगातार फरार चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार अपने ठिकाने बदल रहा था।पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया है। सिडकुल थानअध्यक्ष नितेश शर्मा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में नामजद था आरोपी राजेश पुत्र गेंदन लाल निवासी ग्राम करेली थाना सुभाष नगर जिला बरेली (उत्तर प्रदेश), हाल निवासी रावली महदूद थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार संभावित स्थानों पर दबिश दे रही थी, लेकिन वह अपने ठिकाने बदलकर पुलिस को गुमराह कर रहा था। मुखबिर तंत्र को सक्रिय करने के बाद पुलिस को उसकी लोकेशन की जानकारी मिली, जिसके आधार पर उसे रावली महदूद क्षेत्र से पकड़ लिया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस टीम में उप निरीक्षक मनीषा नेगी, कां. कां. जितेंद्र मलिक शामिल रहे हैं।

कुंभ मेले की तैयारियां तेज : अपर मेलाधिकारी ने स्वर्गाश्रम क्षेत्र के 16 घाटों का किया निरीक्षण

घाटों की मरम्मत, सफाई और सुरक्षा के ठोस प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। आगामी कुंभ मेले के दृष्टिगत मेला क्षेत्र के घाटों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं श्रद्धालुओं के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका के निर्देशन में मेला प्रशासन द्वारा निरंतर निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। इसी क्रम में सोमवार को अपर मेलाधिकारी श्री दयानन्द सरस्वती ने अभियंताओं की टीम के साथ स्वर्गाश्रम क्षेत्र के घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया। पौड़ी जनपद में अवस्थित स्वर्गाश्रम क्षेत्र के वेद निकेतन घाट, गंगा दर्शन घाट, लक्ष्मी नारायण घाट, साधु समाज घाट, वानप्रस्थ घाट, बॉम्बे घाट, किरमोला घाट सहित कुल 16 घाटों का मेला प्रशासन की टीम द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान इन घाटों की मरम्मत एवं सुधार की रूपरेखा को लेकर अधिकारियों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर मेलाधिकारी ने घाटों की वर्तमान स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने घाटों की मरम्मत एवं सुधार के कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने तथा घाटों की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए घाटों पर पर्याप्त रेलिंग लगाने तथा जलधारा के समीप

चेन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा, ताकि स्नान के दौरान श्रद्धालु सुरक्षित रह सकें। अपर मेलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अभियंताओं को निर्देशित किया कि घाटों से संबंधित सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में और गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान अधिक भीड़ के मद्देनजर किसी भी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना की संभावना न रहे, इसके लिए सभी सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता के आधार पर लागू किया जाए।

उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि घाटों के आसपास प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई तथा मार्गों की सुगमता पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि कुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम स्नान की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सके। निरीक्षण के दौरान सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता अनुभव नौटियाल, मेला कार्यालय के तकनीकी प्रकोष्ठ के सहायक अभियंता एस.के. तोमर, सिंचाई खंड दुगड्डा के सहायक अभियंता जिले सिंह सहित मेला प्रशासन एवं सिंचाई विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेत्री आयुष टंडन ने की रसोई गैस के बढ़े दाम वापस लेने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कांग्रेस नेत्री आयुषी टंडन ने रसोई गैस के बढ़े दामों को तत्काल वापस लिए जाने की मांग की है। आयुषी टंडन ने कहा कि सरकार को आम जनता की समस्याओं से कोई लेना देना नहीं है। घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम पहले से ही अधिक हैं। दामों में और बढ़ोतरी कर सरकार ने गरीब व मध्यम वर्ग पर अतिरिक्त बोझ लाद दिया है। आयुष टंडन ने कहा कि सरकार को आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों का ध्यान रखना चाहिए। जरूरी सामान के दाम बढ़ने से लाखों परिवार प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि जनता को राहत देने के बड़े-बड़े दावे करने वाली केंद्र सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में पूरी तरह नाकाम सिद्ध हुई है। पेट्रोल, डीजल, खाद्य सामग्री व तमाम जरूरी चीजें पहले से ही महंगी हैं। महंगाई के कारण महिलाएं रसोई नहीं चला पा रही हैं। ऑनलाइन खरीदारी के कारण व्यापार प्रभावित है। दुकानदार मंदी का सामना कर रहे हैं। ऑनलाइन खरीदारी पर भी सरकार अंकुश नहीं लगा पा रही है। मजदूर किसान महंगाई के कारण हताशा निराशा का सामना कर रहे हैं। शिक्षित युवा रोजगार के लिए संघर्ष कर रहा है। आयुषी टंडन ने कहा कि सरकार को गंभीरता से महंगाई जैसे विषय पर सोचना चाहिए। घरेलू गैस सिलेंडर के दाम तुरंत वापस लिए जाएं। जिससे लोगों को राहत मिल सके।

कांग्रेस प्रवक्ता ने राज्य के बजट को बताया खोखला व आंकड़ों की बाजीगरी

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता आलोक शर्मा ने उत्तराखंड सरकार के बजट को खोखला, दिशाहीन और शब्दों व आंकड़ों की बाजीगरी बताया। प्रैस क्लब में पत्रकारवार्ता के दौरान आलोक शर्मा ने कहा कि बजट में हरिद्वार जिले की पूरी तरह उपेक्षा की गयी है। लेकिन भाजपा हरिद्वार के जनप्रतिनिधि आंख, नाक और कान बंद करके बैठे हुए हैं। उन्होंने कहा कि बजट पूरी तरह खोखला है। बजट में आंकड़ो की बाजीगरी की गयी है। बजट में उत्तराखंड की सारी समस्याएं गायब नजर आती है। बजट रोजगार सृजन बिल्कुल नहीं होगा। कानून व्यवस्था की स्थिति सुधारने के लिए भी बजट में कोई प्रावधान नहीं किया गया है। गरीबों, अल्पसंख्यकों, एससी, एसटी की पूरी तरह उपेक्षा की गयी है। बजट से महंगाई किस तरह कम होगी, यह भाजपा को स्पष्ट करना चाहिए। हाल ही में गैस सिलेंडर के दाम 60 रुपये बढ़ाए गए हैं। ऐसे में क्या इस बजट के बाद पेट्रोल-डीजल के दाम कम होंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की सबसे बड़ी समस्या पलायन है, लेकिन सरकार ने इसे रोकने के लिए मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना के तहत केवल 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जो 1 लाख 11 हजार करोड़ के बजट में बेहद कम हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जंगली जानवरों से लोगों की सुरक्षा के लिए भी बजट में कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया है, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में तेंदुए, भालू और हाथियों से लोगों को लगातार खतरा बना रहता है। आलोक शर्मा ने कहा कि सरकार पर्यटन को बढ़ावा

देने की बात करती है, लेकिन 'हाउस ऑफ हिमालयाज' जैसी योजना के लिए मात्र पांच करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने एससी-एसटी छात्रों की छात्रवृत्ति बढ़ाने, पेंशन में वृद्धि करने और मनरेगा के अतिरिक्त 700 करोड़ रुपये के भार को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि बजट पूरी तरह दिशाहीन है और इसमें राज्य के विकास की स्पष्ट तस्वीर नजर नहीं आती। इस दौरान कांग्रेसी नेता सोम त्यागी, मनोज सैनी, संजय सैनी, गौरव चौहान आदि मौजूद रहे।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने व दुष्कर्म के आरोपी को किया गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। थाना सिडकुल क्षेत्र से नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने फरार चल रहे युवक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार उत्तर प्रदेश के पांडुवा बसंतखेड़ा निवासी एक व्यक्ति ने 20 फरवरी को थाना सिडकुल में शिकायत देकर बताया था कि उसकी नाबालिग बेटी को एक युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।

जांच के दौरान 27 फरवरी को पुलिस ने किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया, जबकि आरोपी मौके से फरार हो गया था। उसकी तलाश में पुलिस टीम लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी।

थानाध्यक्ष नितेश शर्मा ने बताया कि सर्विलांस की मदद से आरोपी रोहित निवासी ग्राम नकटी नारायणपुर गुराडिया जिला बरेली, हाल निवासी रोशनाबाद को रविवार रात रावली महदूद स्थित पाल मार्केट के पास एक खाली मैदान से गिरफ्तार किया गया। सोमवार को आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

स्वास्थ्य जांच व रक्तदान शिविर का किया आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। वसुधैव कुटुंबकम् फाउंडेशन ने अंतर्राष्ट्रीय दिवस महिला दिवस के अवसर पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व रक्तदान शिविर का आयोजन सिंहद्वार होटल मे आयोजित किया। महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और रक्तदान के महत्व से अवगत कराने के लिए आयोजित किए गए शिविर में 140 लोगों ने भाग लिया। जिनमें से 92 लोगों ने रक्तदान किया। फाउंडेशन के सदस्यों ने बताया कि रक्तदान एक ऐसा कार्य है। जिससे हम दूसरों की जिंदगी बचा सकते हैं। बताया कि रक्तदान करने से शरीर में कोई नुकसान नहीं होता है और यह एक सुरक्षित प्रक्रिया है। रक्तदान करने वालों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। रक्तदान के अलावा शिविर में विशेषज्ञ चिकित्कों ने नेत्र, हड्डी, दांत, स्त्री रोग, बाल रोग, शुगर और बीपी आदि की जांच कर परामर्श दिया। इस दौरान प्रीती आहूजा, निधि अग्रवाल, विनीता सिकोरिया, संगीता आहूजा, पूजा मेहता, निधि चावला, रुचि तनेजा, पूजा अरोड़ा और फाउंडेशन के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

कलश यात्रा के साथ किया श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष्य में श्री राधा रसिक बिहारी मंदिर, रामनगर कॉलोनी ज्वालापुर में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ। सिंहद्वार स्थित मुनीश्वर घाट से कथा स्थल तक निकाली गई यात्रा में बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालुओं ने भाग लिया। भागवताचार्य पंडित पवन कृष्ण शास्त्री ने बताया कि मां चंडिका बारह वर्षों बाद देवरा यात्रा के दौरान 27 गांवों में भ्रमण कर भक्तों को आशीर्वाद देती हैं। इसी क्रम में मां चंडिका श्री राधा रसिक बिहारी मंदिर पहुंची हैं।

इस दौरान यात्रा समिति के अध्यक्ष दिलबर सिंह चौहान, उपाध्यक्ष संदीप चौहान, कोषाध्यक्ष राजेंद्र रावत, महासचिव धीरेंद्र राणा सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

नशे की हालत में सड़क के किनारे पड़े युवक की बाइक-मोबाइल व नकदी चोरी

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्र में नशे की हालत में सड़क किनारे पड़े एक युवक को अज्ञात चोरों ने निशाना बना लिया। चोर उसकी बाइक, मोबाइल फोन और जेब में रखी नकदी चोरी कर फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार शुभम निवासी हरिद्वार ने शिकायत देकर बताया कि उसने कुछ समय पहले एक बाइक अपने भांजे से खरीदी थी, जो मूल रूप से मुक्तादिर निवासी गोकालवाला, दौलतपुर हजरतपुर उर्फ बुद्धवाशहीद, नकुरा ग्रांट के नाम दर्ज चली आ रही है। शुभम के मुताबिक चार मार्च की शाम करीब चार बजे वह ज्वालापुर में ऊंचा पुल के पास स्थित महाराजा फर्नीचर्स के नजदीक सड़क किनारे बैठा हुआ था। इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति उसकी बाइक, मोबाइल फोन और जेब में रखे करीब ढाई हजार रुपये चोरी कर ले गया। कुछ देर बाद होश आने पर उसे घटना की जानकारी हुई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके की जानकारी जुटाई। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

नाबालिग किशोरी को बहला फुसलाकर ले जाने वाला युवक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। थाना क्षेत्र के गांव से नाबालिग युवती को बहला फुसलाकर भगा ले जाने वाले युवक को पुलिस ने धरदबोचा आरोपी से अपहर्ता को सकुशल बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा गया है।

पुलिस के अनुसार गांव का ही रहने वाला युवक 15 वर्षिय किशोरी को बहला-फुसलाकर ले गया था। किशोरी के पिता ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। तहरीर में बताया था कि 5 मार्च को एक युवक उनकी पुत्री को बहला-फुसलाकर कर साथ ले गया। युवक गांव का ही रहने वाला है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने उपनिरीक्षक शाहिदा परवीन, विपिन कुमार, कांस्टेबल जयपाल चौहान, होमगार्ड खुशी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया तथा मुखबिर तंत्र की मदद व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर रविवार को आरोपी विशाल पुत्र धूमसिंह को ऐथल रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से नाबालिग किशोरी को भी सकुशल बरामद किया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। तथा किशोरी को परिजनों के सपुर्दगी में दिया गया है। पथरी थानाध्यक्ष मनोज नौटियाल ने बताया कि किशोरी को बरामद करने के लिए एक टीम का गठन किया गया मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी को गिरफ्तार किया है। तथा उसके कब्जे से किशोरी को भी सकुशल बरामद किया गया साथ ही आरोपी पर पोक्सो आदि धाराओं की बढ़ोतरी करते हुए आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा गया है।

दो पक्षों में मारपीट, महिला समेत चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। थाना क्षेत्र के गांव बुक्कनपुर में दो पक्षो में गाली-गलौज व मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। सूचना पर पहुँची पुलिस से पहले ही मारपीट करने वाले भाग निकले। मामले में एक पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने एक महिला सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार रविवार को गांव बुक्कनपुर में दो पक्षो के बीच छोटी सी बात को लेकर कहा सुनी हो गई। इस दौरान एक पक्ष के लोगो ने घर मे घुस कर गालीगलौज व मारपीट कर दी पीड़ित महिला रंजना देवी पत्नी मोहन लाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया सत्यवीर सिंह, उसके बेटे अंकित कुमार, शरद राव उर्फ टिवंकल पुत्र सत्यवीर सिंह, रेखा देवी पत्नी सत्यवीर निवासीगण बुक्कनपुर ने एक राय होकर मेरे घर घुसकर गालीगलौज व मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर गए। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एसओ पथरी मनोज नोटियाल ने बताया मारपीट के सम्बंध में तहरीर के आधार पर एक महिला सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच शुरू कर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

किरायेदारों का सत्यापन न कराने वाले 11 मकान मालिकों पर लगा 1.10 लाख का जुर्माना

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देशानुसार बाहरी व्यक्तियों और किरायेदारों के सत्यापन के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत ज्वालापुर पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। सोमवार को सुभाष नगर, नया गांव और जर्स कंट्री समेत विभिन्न क्षेत्रों में चलाए गए चेकिंग अभियान के दौरान 11 मकान मालिकों के खिलाफ चालान की कार्रवाई कर जुर्माना भी लगाया गया।

ज्वालापुर सीओ संजय चौहान ने बताया कि सोमवार सुबह ज्वालापुर पुलिस टीम ने डोर-टू-डोर चेकिंग करते हुए पाया कि कई मकान मालिकों ने अपने किरायेदारों का पुलिस सत्यापन नहीं कराया था। इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए पुलिस ने 11 मकान मालिकों के विरुद्ध पुलिस एक्ट के तहत कार्रवाई की। प्रत्येक मकान मालिक पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना लगाते हुए कुल 1,10,000 रुपये की चालानी रिपोर्ट माननीय न्यायालय भेजी गई है। अभियान के दौरान पुलिस ने 65 बाहरी व्यक्तियों, किरायेदारों और घरेलू नौकरों का मौके पर ही सत्यापन किया। इसके अलावा मर्यादा का उल्लंघन करने वाले 20 संदिग्ध व्यक्तियों का पुलिस एक्ट में चालान कर 5,000 रुपये का जुर्माना वसूला गया। प्रभारी निरीक्षक ज्वालापुर कुंदन सिंह राणा के नेतृत्व में गठित अलग-अलग टीमों ने बाजार चौकी और रेल क्षेत्र के पास सघन तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति को घर में रखने से पहले उसका सत्यापन जरूर कराएं।

पुलिस टीम में अपर उप निरीक्षक गंभीर तोमर, राकेश कुमार, कांस्टेबल अंकुर चौधरी, अरुण कोटनाला, अनिल चौहान, खजान सिंह, रवि कुमार, कांस्टेबल सतवीर सिंह शामिल रहे।

साझेदारी में खरीदी जमीन बेचकर करोड़ों हड़पने का आरोप

दंपती समेत पांच पर कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। थाना सिडकुल क्षेत्र में शहर के एक परिवार से जुड़े दंपती पर भरोसा जीतकर करोड़ों रुपये की जमीन हड़पने का आरोप सामने आया है। अदालत के आदेश पर सिडकुल थाना पुलिस ने दंपती, उनके मैनेजर समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक शिवालिक नगर फेस-3 निवासी रतन कुमार पांडेय ने न्यायिक मजिस्ट्रेट तृतीय की अदालत में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के रहने वाले हैं और करीब 12 वर्षों से हरिद्वार में रह रहे हैं। इसी दौरान उनकी पहचान ज्वालापुर स्थित मॉडल कॉलोनी निवासी आशीष विरमानी और उनकी पत्नी मानसी विरमानी से हुई। दोनों ने खुद को प्रॉपर्टी डीलर बताते हुए जमीन खरीद-फरोख्त में साझेदारी का प्रस्ताव दिया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों का उनके घर आना-जाना भी था, जिससे आपसी भरोसा बन गया। इसी भरोसे के चलते उन्होंने आरोपियों के साथ जमीन खरीदने में निवेश किया। आरोप है कि उत्तराखंड के भूमि कानून का हवाला देते हुए कहा गया कि बाहरी व्यक्ति होने के कारण अधिक जमीन सीधे उनके नाम पर नहीं खरीदी जा सकती, इसलिए जमीन मानसी विरमानी के नाम से खरीदी जाएगी और बाद में आधा हिस्सा उन्हें दे दिया जाएगा। बताया गया कि 19 जनवरी 2021 को इस संबंध में नोटरी के माध्यम से एग्रीमेंट किया गया था, जिसमें जमीन खरीद में दोनों पक्षों की बराबर हिस्सेदारी तय की गई थी। पीड़ित के अनुसार सिडकुल औद्योगिक क्षेत्र के कई खसरा नंबरों की करीब 30 बीघा जमीन और राजा बिस्कुट चौक के सामने करीब ढाई एकड़ व्यावसायिक भूमि में संयुक्त रूप से निवेश किया गया था। आरोप है कि बाद में आरोपियों ने उक्त जमीन करीब 18 करोड़ रुपये में बेच दी, जिसमें पीड़ित की हिस्सेदारी करीब नौ करोड़ रुपये बनती थी। जब पीड़ित ने अपने हिस्से की रकम मांगी तो आरोपियों ने भुगतान में असमर्थता जताते हुए सलेमपुर स्थित आईपी-2 में 850 वर्गमीटर का एक प्लॉट देने की बात कही और बाकी रकम बाद में देने का आश्वासन दिया। पीड़ित का आरोप है कि इसके बाद भी रकम नहीं दी गई। 30 जनवरी 2026 को उन्हें जानकारी मिली कि जिस प्लॉट को उनके हिस्से के रूप में दिया गया था, उस पर भी आरोपी कब्जा करने की नीयत से जेसीबी से खुदाई करवा रहे हैं। इसके बाद उन्होंने अदालत की शरण ली। थाना प्रभारी नितेश शर्मा ने बताया कि अदालत के आदेश पर आशीष विरमानी, मानसी विरमानी निवासी मॉडल कॉलोनी हरिद्वार, अनमोल अनेजा, राणा और दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें।

सैफ सलमानी

ब्यूरो चीफ

शाह टाइम्स हरिद्वार

कार्यालय : रामनगर, तहसील के पीछे, ज्वालापुर, हरिद्वार

मो.: 9639554327, ई-मेल : shahtimeshr2026@gmail.com

जौनसार-बावर कोली समाज विकास समिति का प्रतिनिधिमंडल डीएम से मिला

आश्रम पद्धति विद्यालयों में अनुसूचित जाति वर्ग के बच्चे प्रवेश से हो रहे वंचित: अनिल

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। 39 खत जौनसार-बावर कोली समाज विकास समिति के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को जिलाधिकारी से मुलाकात कर जौनसार-बावर क्षेत्र में शैक्षिक एवं प्रशिक्षण संस्थानों के उत्थान तथा सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के संबंध में ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि जनजातीय क्षेत्र होने के बावजूद यहां के आवासीय एवं आश्रम पद्धति विद्यालयों में स्थानीय आमजन के बच्चों को प्रवेश नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने बताया कि जौनसार-बावर क्षेत्र में विभिन्न जाति वर्ग के लोग निवास करते हैं। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1967 में इस क्षेत्र को जनजातीय क्षेत्र घोषित किया गया था, जिसके बाद क्षेत्रवासियों को अनुसूचित जनजाति के प्रमाण पत्र जारी किए गए। प्रतिनिधियों ने कहा कि कुछ समय से क्षेत्र में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति दोनों प्रकार के प्रमाण पत्र जारी किए जाने लगे हैं। वर्तमान में आश्रम पद्धति विद्यालयों में केवल अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्रों को ही प्रवेश दिया जा रहा है, जिससे अनुसूचित जाति वर्ग के बच्चों को प्रवेश से वंचित होना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि इससे जनजातीय क्षेत्र के आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के बच्चे शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण अधिकार से दूर हो रहे हैं, क्योंकि उनके पास निजी शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने के पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि जौनसार-बावर क्षेत्र में निवास करने वाले सभी जाति वर्ग के निर्धन परिवारों के बच्चों को पूर्व की भांति आवासीय विद्यालयों में आय के आधार पर प्रवेश देने की व्यवस्था की जाए, ताकि क्षेत्र के गरीब विद्यार्थियों को शिक्षा का अवसर मिल सके।साथ ही उन्होंने क्षेत्र में सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु विशेष अभियान चलाने की भी मांग की।

उन्होंने सुझाव दिया कि जिलाधिकारी द्वारा आयोजित शिविरों में इस विषय पर विशेष रूप से चर्चा की जाए, जिससे शोषित एवं वंचित वर्ग के लोग निर्भीक होकर अपनी समस्याएं शासन-प्रशासन तक पहुंचा सकें। ज्ञापन देने वालों में समिति के अध्यक्ष अनिल वर्मा, संगठन मंत्री नंदराम तथा प्रेम भारती सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

केदारनाथ यात्रा को दिव्य-भव्य बनाने में जुटा प्रशासन

रुद्रप्रयाग। आगामी केदारनाथ धाम यात्रा को सुचारू, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार को जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने जिला कार्यालय स्थित एनआईसी सभागार में स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों के साथ वार्ता कर यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत जानकारी साझा की।जिलाधिकारी ने बताया कि पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी केदारनाथ धाम यात्रा को दिव्य और भव्य बनाने के लिए सभी विभागों के माध्यम से व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा के सफल संचालन के लिए संबंधित विभागों को उनकी जिम्मेदारियों के अनुरूप समयबद्ध तरीके से व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

लेक फेस्टिवल में शशांक मिस्टर और दीया बनीं मिस टिहरी

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। टिहरी लेक फेस्टिवल 2026 के अंतर्गत आयोजित मिस्टर और मिस टिहरी प्रतियोगिता के परिणाम रविवार को घोषित कर दिए गए। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों के शानदार प्रदर्शन के आधार पर विजेताओं का चयन किया। मिस टिहरी प्रतियोगिता में दीया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर खिताब अपने नाम किया। वहीं मोनिका राणा ने द्वितीय और शिवानी राणा व हिमानी कुकरेती ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान हासिल किया। मिस्टर टिहरी प्रतियोगिता में शशांक थपलियाल ने बाजी मारते हुए पहला स्थान प्राप्त किया।

इसके साथ ही अरविंद कोहली को द्वितीय और प्रियांशु सजवाण को तृतीय स्थान के लिए चुना गया। सभी विजेता प्रतिभागियों को एसडीएम स्नेहिल कुंवर ने पुरस्कार राशि के चेक भेंट कर सम्मानित किया।

प्रतियोगिता के बाद देर शाम महोत्सव में आयोजित लेजर शो ने दर्शकों का मन मोह लिया। इस लेजर शो के माध्यम से जनपद के प्रसिद्ध कोटेश्वर मंदिर की धार्मिक महत्ता और आकर्षण को बहुत ही शानदार तरीके से प्रदर्शित किया गया। इसके अलावा खैंट पर्वत के ट्रैकिंग रूट पर्यटन स्थल और मंदिर के धार्मिक महत्व की भी विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में प्रतापनगर क्षेत्र के धारकोट गांव की राजशाही के दौर की प्रशासनिक व्यवस्था तथा मदन नेगी से जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों का भी सजीव प्रसारण किया गया जिसे देखकर दर्शक काफी रोमांचित हुए। लेजर शो के पश्चात विभिन्न प्रकार की रंग बिरंगी आतिशबाजी से आसमान जगमगा उठा जिससे लेक फेस्टिवल का वातावरण और भी अधिक आकर्षक हो गया। रंगारंग कार्यक्रमों की इसी कड़ी में मशहूर लोक गायिका श्वेता महारा और उनकी टीम ने अपनी शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मंच पर समां बांध दिया। वहां मौजूद भारी संख्या में दर्शकों ने इन मनमोहक लोक प्रस्तुतियों की जमकर सराहना की और देर रात तक पूरे उल्लास के साथ कार्यक्रम का लुत्फ उठाया।

मेरी पॉलिसी मेरा हाथः किसानों को वितरित की फसल बीमा पॉलिसियां

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। सोमवार को एआईसी ऑफ इंडिया द्वारा ब्लॉक कालसी एवं विकासनगर क्षेत्र में "मेरी पॉलिसी मेरा हाथ" कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न गांवों से पहुंचे काश्तकारों को उनकी फसल बीमा पॉलिसियां वितरित की गईं।

कार्यक्रम में उन किसानों को पॉलिसी प्रदान की गई जिन्होंने भारतीय कृषि बीमा कंपनी के माध्यम से अपनी फसलों का बीमा कराया था। एआईसी के प्रतिनिधि अजय चौहान, सौरभ सिंह एवं विक्रम सिंह चौहान द्वारा किसानों को पॉलिसियां सौंपी गईं। इस अवसर पर कालसी ब्लॉक की कनिष्ठ प्रमुख प्रियंका चौहान भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में कालसी ब्लॉक के कई ग्राम प्रधान, क्षेत्रीय पंचायत सदस्य तथा उद्यान विभाग की प्रभारी बबली नेगी ने भी भाग लिया।

बैठक के दौरान एआईसी के प्रतिनिधियों ने किसानों को फसल बीमा योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उन्हें प्राकृतिक आपदा या फसल क्षति की स्थिति में बीमा के लाभों के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम में गोपाल तोमर, सोनू चौहान, सुरेंद्र नेगी, स्वराज सिंह, विपिन सिंह सहित कई किसान एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

टिहरी लेक फेस्टिवल में आईटीबीपी के भारी हथियार बने मुख्य आकर्षण

पहली बार प्रदर्शित हुए मशीनगन और मोर्टार पर्वतारोहण उपकरणों को देखने के लिए भी उमड़ी पर्यटकों की भीड़

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। टिहरी लेक फेस्टिवल में इस बार भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल की बारहवीं वाहिनी द्वारा लगाई गई विशेष प्रदर्शनी पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस प्रदर्शनी में पहली बार आम जनता को मशीनगन और मोर्टार जैसे भारी और अत्याधुनिक हथियारों को बेहद करीब से देखने का सुनहरा अवसर मिल रहा है। नोएडा से आए राहुल उपाध्याय जैसे तमाम पर्यटक इन हथियारों को देखकर खासे उत्साहित नजर आ रहे हैं और उनके संचालन वजन तथा मारक क्षमता को लेकर अपनी जिज्ञासाएं शांत कर रहे हैं। आईटीबीपी के जवान भी पूरे उत्साह के साथ आम जनमानस को इन हथियारों की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दे रहे हैं।

प्रदर्शनी में मौजूद आईटीबीपी के सुधीर कुमार और राम बाबू ने बताया कि बल द्वारा पूर्व में भी कई बार हथियारों की प्रदर्शनी लगाई जाती रही है लेकिन उनमें अमूमन एलएमजी और पिस्तौल जैसे हल्के हथियार ही प्रदर्शित किए जाते थे। यह पहला ऐसा ऐतिहासिक मौका है जब सुरक्षा बलों द्वारा युद्ध और मोर्चों पर इस्तेमाल किए जाने वाले भारी हथियारों को आम जनता के दर्शनार्थ रखा गया है। हथियारों की तकनीक और देश की सुरक्षा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को समझने में युवाओं और बाहरी क्षेत्रों से आए पर्यटकों की खासी दिलचस्पी देखने को मिल रही है। हथियारों के अलावा प्रदर्शनी के एक विशेष हिस्से में पर्वतारोहण और साहसिक अभियानों में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है।

राजीव खरे सहित अन्य जवान यहां विशेष रूप से हिमस्खलन और विपरीत परिस्थितियों में काम आने वाले रेस्क्यू उपकरणों की अहम जानकारी पर्यटकों से साझा कर रहे हैं। इसके साथ ही पिछले वर्ष धराली में आई भयंकर आपदा के दौरान आईटीबीपी द्वारा किए गए उत्कृष्ट राहत एवं बचाव कार्यों की जीवंत झलक भी इस प्रदर्शनी में दिखाई गई है। उत्तरकाशी के मातली से बाइस जवानों का एक विशेष दल इस प्रदर्शनी के लिए टिहरी की कोटी कॉलोनी पहुंचा है। रविवार को प्रदेश के राज्यपाल गुरमीत सिंह ने भी इस प्रदर्शनी का सघन अवलोकन कर जवानों का उत्साहवर्धन किया।

पुलिस की सख्तीः वाहनों से उतारी गई काली फिल्म, काटे चालान

एसएसपी आयुष अग्रवाल ने दी सख्त चेतावनी, यातायात नियमों के उल्लंघन पर होगी कड़ी कार्रवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जनपद में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है।

इसी कड़ी में थाना थत्यूड़ पुलिस ने अपने क्षेत्र में एक सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान के तहत चौकी धनौल्टी क्षेत्र में चेकिंग के दौरान दिल्ली नंबर के दो वाहनों के शीशों पर अवैध रूप से काली फिल्म लगी पाई गई। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर ही दोनों वाहनों से काली फिल्म हटवाई और वाहन चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की।

टिहरी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) आयुष अग्रवाल ने इस कार्रवाई के बाद सभी वाहन चालकों से अपील की है। उन्होंने कहा है कि जिन भी लोगों ने अपने वाहनों के शीशों पर काली फिल्म लगाई है, वे उसे स्वयं ही हटा लें। यदि चेकिंग के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कठोर कानूनी और दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी, जिसमें भारी जुर्माना भी शामिल है।

एसएसपी ने स्पष्ट किया है कि जनपद में सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए यह सघन चेकिंग अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

टिहरी लेक फेस्टिवल का काइट फेस्टिवल के साथ हुआ समापन

गंगा स्वच्छता और संस्कृति संरक्षण का दिया गया संदेश, राफ्टिंग प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

शाह टाइम्स संवाददाता

मुनिकीरेती। चार दिवसीय टिहरी झील महोत्सव 2026 का सोमवार को मुनिकीरेती स्थित पूर्णानंद घाट के समीप खारास्रोत आस्था पथ पर आयोजित काइट फेस्टिवल (पतंगबाजी) के साथ भव्य समापन हो गया। जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल नितिका खंडेलवाल ने स्कूली बच्चों, विदेशी पर्यटकों और स्थानीय लोगों को पतंगें वितरित कर इस आकर्षक कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान आसमान विभिन्न प्रकार की रंग-बिरंगी पतंगों से गुलजार नजर आया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जीवनदायिनी गंगा हमारी लाइफ लाइन है और इसे स्वच्छ व निर्मल बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के अनुरूप इस महोत्सव में जनपद के सभी क्षेत्रों को जोड़ने का सफल प्रयास किया गया है। पुरानी टिहरी शहर की यादों को सहेजने के साथ ही देव डोलियों का संगम और जनपद के महत्वपूर्ण ट्रेक रूटों का प्रचार-प्रसार किया गया है। उन्होंने संस्कृति को सबसे बड़ी धरोहर बताते हुए नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से रूबरू कराने पर विशेष जोर दिया।

इस अवसर पर मुनिकीरेती नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष नीलम बिजल्वाण ने इस सफल आयोजन और संस्कृति व पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन के प्रयासों की जमकर सराहना की। वहीं, तपोवन नगर पंचायत अध्यक्ष विनीता बिष्ट ने कहा कि ऐसे आयोजनों से आने वाली पीढ़ी को अपनी समृद्ध लोक संस्कृति का ज्ञान होता है। कार्यक्रम में रविवार को आयोजित रिवर राफ्टिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को चेक देकर सम्मानित भी किया गया। टूरिस्ट श्रेणी में कुल 25 टीमों ने हिस्सा लिया, जिसमें गढ़वाल मंडल विकास निगम (जीएमवीएन) प्रथम, संगम एडवेंचर द्वितीय और रिवर एक्सप्लोरर तृतीय स्थान पर रहे। वहीं, प्रोफेशनल श्रेणी की 98 टीमों में से रेड चिल्ली ने पहला, नेचर रैपिड एक्सपीडिशन ने दूसरा और पैरामाउंट टूर ने तीसरा स्थान हासिल किया।

समापन समारोह में ढालवाला के प्राथमिक और जूनियर हाई स्कूल के बच्चों ने स्वागत गीत और मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम स्थल पर सैकड़ों लोगों ने पतंगबाजी का जमकर लुत्फ उठाया। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल, डीएफओ दिगांत, परमार्थ निकेतन के प्रतिनिधि दीपक, वार्ड सदस्य विनोद सकलानी, मुख्य कृषि अधिकारी विजय देवराड़ी, एसडीएम आशीष घिल्डियाल, खंड विकास अधिकारी श्रुति वत्स, ईओ अंकिता जोशी और अंजलि रावत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, स्थानीय लोग और विदेशी पर्यटक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रंगोली एवं भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

भाषण में रितेश व रंगोली में रेशमा ने मारी बाजी

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। श्री गुलाब सिंह राजकीय महाविद्यालय चकराता में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक दिवसीय नियमित शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आशुतोष शरण ने किया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. आशुतोष शरण ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य समाज और देशहित में समर्पित स्वयंसेवकों को तैयार करना है। एनएसएस का मूल वाक्य "मैं नहीं, परंतु आप" हमें यह प्रेरणा देता है कि हम अपने व्यक्तिगत कार्यों से ऊपर उठकर सामूहिक और सामाजिक कार्यों को महत्व दें। इससे समाज में एकता और अखंडता की भावना मजबूत होती है।

कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने सर्वप्रथम महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। इसके बाद महिला सशक्तिकरण विषय पर भाषण प्रतियोगिता एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

भाषण प्रतियोगिता में रितेश कुमार ने प्रथम, तनुजा चौहान ने द्वितीय तथा अरुण भारती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं रंगोली प्रतियोगिता में रेशमा और अर्चना ने प्रथम, प्रियांशी और स्नेह ने द्वितीय तथा रिया और काजोल ने तृतीय स्थान हासिल किया।

प्रतियोगिता में विजयी छात्र-छात्राओं को प्राचार्य द्वारा मेडल देकर सम्मानित किया गया।

मौजूदा समय में अपडेट रहने की जरूरतः बिष्ट

रुद्रप्रयाग। मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेन्द्र कुमार बिष्ट की अपर निदेशक पद पर प्रोन्नति के उपरान्त विभिन्न संगठनों, कार्यालय कार्मिकों की ओर से विदाई दी गई। इस दौरान सीईओ पीके बिष्ट ने कहा कि मौजूदा वक्त के साथ अपडेट रहकर निष्ठा, समर्पण से कार्य करना जरूरी है। उन्होंने जिला प्रशासन से मिले सहयोग के प्रति भी आभार जताया।जिला शिक्षा अधिकारी प्राशि एवं समग्र शिक्षा की और से आयोजित विदाई समारोह में मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेन्द्र कुमार बिष्ट ने कहा कि, शिक्षा विभाग में सेवा का अवसर सौभाग्य की बात है उन्होने कहा कि सबसे बड़ा महकमा होने के कारण चुनौतिया अधिक है, मगर निष्टा व समर्पण से हर बाधाएं दूर हो जाती हैं। उन्होंने अधीनस्थ कार्मिकों को सलाह देते हुए कहा कि हाई टेक युग में कार्मिकों को स्वयं भी अपडेट होना होगा।

टिहरी बांध की 12 प्रतिशत रॉयल्टी और मुफ्त बिजली की मांग को लेकर धरना जारी

सरकार और टीएचडीसी पर लगा वादाखिलाफी का आरोप, उग्र जन आंदोलन की चेतावनी

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। टिहरी बांध से प्राप्त होने वाली 12 प्रतिशत रॉयल्टी को जिले के विकास कार्यों पर खर्च करने और बांध प्रभावितों को निशुल्क बिजली-पानी मुहैया कराने की मांग को लेकर स्थानीय लोगों का आंदोलन सोमवार को भी जारी रहा। जिला मुख्यालय के गणेश चौक पर सागर भंडारी के नेतृत्व में धरने पर बैठे बांध विस्थापितों और प्रभावितों ने सरकार तथा टीएचडीसी के खिलाफ जमकर रोष व्यक्त किया और उन पर वादाखिलाफी का गंभीर आरोप लगाया।

धरनास्थल पर सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि हनुमंत राव कमेटी की स्पष्ट सिफारिशों के तहत टिहरी बांध विस्थापितों और प्रभावितों को मुफ्त बिजली और पानी उपलब्ध कराया जाना था, लेकिन विडंबना यह है कि आज तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और टीएचडीसी मिलीभगत करके विस्थापितों के अधिकारों की लगातार अनदेखी कर रहे हैं। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि टिहरी की जनता ने बांध के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया है, इसलिए इस विशाल परियोजना से मिलने वाली रॉयल्टी का सीधा लाभ टिहरी जिले को ही मिलना चाहिए, न कि इसे अन्य जगहों पर खर्च किया जाए।

प्रदर्शनकारियों ने पुरजोर मांग रखी कि इस रॉयल्टी से सबसे पहले टिहरी के निवासियों को निशुल्क बिजली और पानी की सुविधा दी जाए। इसके बाद शेष बची धनराशि को जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, रोजगार सृजन और अन्य बुनियादी विकास कार्यों पर खर्च किया जाए। उन्होंने प्रशासन को दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही उनकी इन न्यायोचित मांगों पर कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो क्षेत्र में एक व्यापक और उग्र जन आंदोलन शुरू किया जाएगा। इस धरने में मुख्य रूप से आयुष रावत, अजय पंवार, विकास पंवार, देवांक चमोली, चंदन लाल, उम्मेद सिंह रावत, दिनेश भट्ट, सुरेन्द्र खत्री, ऊषा देवी, कसरी देवी, कृष्णा देवी, पार्वती रावत, रुकमा परमार और विनीता भंडारी सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

टिहरी और अंजनीसैंण बनेंगे आध्यात्मिक आर्थिक क्षेत्र, बजट सत्र में हुई घोषणा

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। गैरसैंण में चल रहे उत्तराखंड विधानसभा के बजट सत्र में राज्य सरकार ने जनपद के अंजनीसैंण और टिहरी क्षेत्र को "आध्यात्मिक आर्थिक क्षेत्र" के रूप में विकसित करने का बड़ा और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह ने भी सदन में अपने अभिभाषण के दौरान इस ऐतिहासिक पहल का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए इसे प्रदेश के लिए एक अहम कदम बताया है।

टिहरी के विधायक किशोर उपाध्याय ने सरकार के इस फैसले का स्वागत करते हुए विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के इस निर्णय से टिहरी विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को एक नई और तेज गति मिलेगी। आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने से टिहरी की पहचान अब केवल राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं, बल्कि वैश्विक पटल पर भी मजबूती से स्थापित होगी।

विधायक उपाध्याय ने बताया कि इस विशेष पहल के तहत क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक और आध्यात्मिक स्थलों को एक नई पहचान और भव्यता प्रदान की जाएगी। इन स्थलों में मुख्य रूप से मां राजराजेश्वरी सुरकंडा, चंद्रबदनी, बगासू, कांडा डांगी, पुनाणु, जाखणीधार और देवलसारी शिवालय जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण और पौराणिक मंदिर शामिल हैं।इसके साथ ही, टिहरी बांध निर्माण के दौरान विस्थापन के बाद बसाई गई नई टिहरी के विभिन्न देव मंदिरों को भी इस "आध्यात्मिक आर्थिक क्षेत्र" के अंतर्गत नई ऊर्जा और आभा के प्रमुख केंद्रों के रूप में विकसित किया जाएगा। विधायक किशोर उपाध्याय ने विश्वास जताया कि सरकार के इस दूरगामी कदम से न केवल धार्मिक पर्यटन को अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा।बल्कि स्थानीय लोगों और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

चमोली ने जीता चतुर्थ टिहरी कप महिला फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जिला खेल विभाग, टिहरी के तत्वावधान में पुलिस प्रशिक्षण केंद्र (पीटीसी) नरेंद्रनगर के खेल मैदान में चल रही चतुर्थ "टिहरी कप" महिला फुटबॉल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का सोमवार को शानदार समापन हो गया। इस रोमांचक टूर्नामेंट में जनपद चमोली की टीम ने अपने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया और चमचमाती ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।इस राज्य स्तरीय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन सात मार्च को किया गया था। तीन दिवसीय इस खेल आयोजन के अंतिम दिन सोमवार को पहला सेमीफाइनल मुनस्यारी (पिथौरागढ़) और चमोली के बीच खेला गया, जिसमें चमोली ने कड़े संघर्ष के बाद 1-0 से जीत दर्ज की। वहीं, दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला उत्तरकाशी (हॉस्टल) और बागेश्वर के बीच हुआ, जिसमें बागेश्वर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तरकाशी को 1-0 से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। इसके बाद प्रतियोगिता का खिताबी मुकाबला चमोली और बागेश्वर की मजबूत टीमों के बीच खेला गया। इस बेहद रोमांचक फाइनल मैच में चमोली ने अपना दबदबा कायम रखते हुए बागेश्वर को 1-0 से शिकस्त देकर विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर ली।कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे नगर पालिका नरेंद्रनगर के निवर्तमान अध्यक्ष राजेंद्र विक्रम सिंह पंवार ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अपनी ओर से व्यक्तिगत रूप से नकद पुरस्कार भी प्रदान किए। प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर जिला क्रीड़ा अधिकारी दीपक रावत ने नगर पालिका, पीटीसी प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, रेफरी पैनल और सभी प्रतिभागी टीमों का विशेष आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मंच संचालक महेश गुसाईं सहित खेल विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और भारी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य विभाग को मिले 168 बॉण्डधारी चिकित्सक: डॉ . रावत

■ संविदा पर तैनात अधिकांश चिकित्सकों को यात्रा मार्ग पर मिली तैनाती

■ कहा, दूरस्थ क्षेत्रों व यात्रा मार्गों पर स्वास्थ्य सेवाएं होंगी और सुदृढ़

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। सूबे के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को 168 बॉण्डधारी एमबीबीएस चिकित्सक मिल गए हैं। राजकीय मेडिकल कालेज श्रीनगर से पास आउट इन बॉण्डधारी चिकित्सकों को राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों व चारधाम यात्रा मार्गों पर स्थित चिकित्सा इकाइयों में तैनाती दी गई है। ताकि आम लोगों को और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सके।

सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर लगातार काम कर रही है। इसी क्रम में बांड व्यवस्था के तहत श्रीनगर मेडिकल कालेज से पास आउट 168 बॉण्डधारी एमबीबीएस चिकित्सकों को राज्य के विभिन्न जनपदों में तैनाती दे दी गई है। जिसकी सूची स्वास्थ्य महानिद.ेशालय स्तर से सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को सौंप दी गई है। डॉ रावत ने बताया कि बांड व्यवस्था के तहत पौड़ी व टिहरी जनपद में 21-21चिकित्सकों को तैनाती दी गई है। इसी प्रकार चमोली व उत्तरकाशी में 20-20, रुद्रप्रयाग में 15, पिथौरागढ़ में 23, अल्मोड़ा में 24 तथा चंपावत व बागेश्वर में जिलों में 12-12 चिकित्सक नियुक्त किए गए हैं।

डॉ रावत ने बताया कि राज्य में संच.ालित चार धाम यात्रा को दृष्टिगत रखते हुये अधिकांश बॉण्डधारी चिकित्सकों को चारों धामों व यात्रा मार्गों से जुड़े चिकित्सालयों में तैनाती दी गई है ताकि तीर्थयात्रियों को बेहतर और त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि एमबीबीएस चिकित्सकों की नियुक्ति अनुबंध की शर्तों के अधीन की गई है। यदि कोई चिकित्सक पद त्याग या गैरहाजिर रहता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी

महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा पर विशेष फोकस वाला बजट: रेखा आर्या

गैरसैंण। बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट सदन में पेश किया। करीब 1,11,703 करोड़ रुपये के इस बजट को प्रदेश के समग्र और संतु.लित विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने बजट का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार ने महिलाओं, बच्चों और समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि बजट में 'सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0' के लिए 598 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, वहीं मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट योजना, आंचल अमृत योजना और वात्सल्य योजना जैसी योजनाओं के लिए भी बजट में व्यवस्था की गई है।

ननिहाल उपरोली का नाम रोशन कर भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बने अभिषेक सकलानी

शाह टाइम्स ब्यूरो

विकास नगर। जौनसार बावर के उपरोली क्षेत्र के लिए 7 मार्च का दिन अत्यंत गौरवशाली रहा है। अपने ननिहाल उपरोली में पले-बढ़े होनहार युवा अभिषेक सकलानी ने भारतीय सेना की प्रतिष्ठित असम रेजिमेंट में लेफ्टिनेंट बनकर इतिहास रच दिया है। 7 मार्च को ओटीए चेन्नई में आयोजित पासिंग आउट परेड के बाद अभिषेक आधिकारिक रूप से सेना में अधिकारी बन गए हैं।

नाना-नानी के आशीर्वाद और माँ के संघर्ष की जीत

अभिषेक की इस सफलता का केंद्र उनका ननिहाल रहा है। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि को अपने नाना स्वर्गीय टीका राम शर्मा और नानी स्वर्गीय सुनीता शर्मा को समर्पित किया है, जिनका स्वप्न उन्हें सेना की वर्दी में देखना था। उनकी माता श्रीमती कांति सकलानी (उर्फ गुड्डी) ने अपने पुत्र को इस मुकाम तक पहुँचाने के लिए कड़ा संघर्ष किया। जिसमें इनकी मौसी इंद्रा भट्ट, जो ऑडिट विभाग में उपनिद.ेशक के पद पर कार्यरत है। उनका भी प्रेरित करने में बहुत बड़ा योगदान रहा है।एवं परिवार के लिए यह दोहरी खुशी का अवसर है क्योंकि अभिषेक अपने पूरे खानदान के पहले सैन्य अधिकारी बने हैं।

सफलता का मार्ग: स्नातक से सेना तक अभिषेक ने अपनी स्नातक की शिक्षा देहरादून के डीएवी पीजी कॉलेज से पूर्ण की। उन्होंने सीडीएस 1 -2024 की परीक्षा में सफलता प्राप्त की और एसएसबी के कड़े साक्षात्कार को पार कर अपना चयन सुनिश्चित किया। अप्रैल 2025 में प्रशिक्षण के लिए ओटीए चेन्नई जॉइन करने के बाद, 11 महीने के कठिन सैन्य अभ्यास को पूरा कर उन्होंने शनिवार को देश सेवा की शपथ ली। अभिषेक के लेफ्टिनेंट बनने की खबर मिलते ही उपरोली और चकराता क्षेत्र में जश्न शुरू हो गया। लोगो ने अभिषेक को उनकी सफलता पर बधाई दी।

जी.आर.डी. देहरादून के अंतिम वर्ष के 77 छात्र-छात्राओं का बहुराष्ट्रीय कंपनियों में चयन

देहरादून । राजधानी के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट कॉलेज जी.आर.डी. इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, राजपुर रोड, देहरादून के बी.टेक, एमबीए, बीबीए, बीसीए, बीएचएम, डीएचएम और बी.एससी. (एनीमेशन एवं मल्टीमीडिया) के 77 विद्यार्थियों को नामी गिरामी बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी मिली है। कंपनियों ने लिखित परीक्षा, समूह चर्चा और साक्षात्कार के जरिए विद्यार्थियों का चयन किया। विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास के साथ चयन प्रक्रिया में शानदार प्रदर्शन किया एवं हर चरण को पार किया। इस अवसर पर चेयरमैन सरदार इंदरजीत सिंह, प्रेजिडेंट डॉली ओबेराय, वाईस प्रेजिडेंट सरदार प्रबजी ओबेराय, महा निद.ेशक डॉ. पंकज चौधरी, निदेशक-ट्रेनिंग एंड प्लसमेंट भूपिंदर सिंह नायर, गुंजन भटिआ, सभी विभागों के विभाग अध्यक्ष, शिक्षक एवं छात्र छात्राये उपस्थित रहे ।

ऋषिकेश में अवैध बहुमंजिला निर्माण को एमडीडीए ने किया सील

■ मनीराम मार्ग का भवन सील

■ स्वीकृत मानचित्र के अनुरूप नहीं हो रहा था निर्माण, शिकायत के बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर रोका काम

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने अवैध निर्माण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत ऋषिकेश में एक बहुमंजिला भवन को सील कर दिया। मनीराम मार्ग स्थित गली नंबर-10 में बिना स्वीकृत मानचित्र के किए जा रहे निर्माण पर यह कार्रवाई की गई।

प्राधिकरण को निर्माण की शिकायत मिलने के बाद अधिकारियों की टीम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर तत्काल भवन को सील कर दिया।

जानकारी के अनुसार सरला अग्रवाल और रेनू गोयल द्वारा मनीराम मार्ग क्षेत्र में बहुमंजिला भवन का निर्माण कराया जा रहा था। प्राधिकरण को इस निर्माण के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसके बाद संबंधित अधिकारियों को मौके पर जांच के लिए भेजा गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि भवन निर्माण न तो स्वीकृत मानचित्र के अनुरूप था और न ही इसके लिए प्राधिकरण से आवश्यक अनुमति ली गई थी। नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने के बाद एमडीडीए की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए भवन को सील कर दिया और निर्माण कार्य पूरी तरह से रोक दिया गया। सीलिंग की कार्रवाई के दौरान भवन परिसर को बंद कर दिया गया और किसी भी प्रकार की गतिविधि पर रोक लगा दी गई।

इस कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता अभिषेक भारद्वाज, अवर अभियंता पूनम सकलानी, अवर अभियंता अमित भारद्वाज, सुप.रवाइजर तथा पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। टीम ने पूरे क्षेत्र का निरीक्षण करने के बाद निर्माण स्थल को सील किया और संबंधित दस्तावेजी कार्रवाई भी पूरी की। प्राधिकरण का कहना है कि अवैध निर्माण के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सुव्यवस्थित विकास और सुरक्षित शहरी ढांचे के लिए निर्माण नियमों का पालन अनिवार्य: तिवारी

एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माण किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि शहर के सुव्यवस्थित विकास और सुरक्षित शहरी ढांचे के लिए निर्माण नियमों का पालन अनिवार्य है। बिना स्वीकृत मानचित्र के बहुमंजिला भवनों का निर्माण गंभीर उल्लंघन है और प्राधिकरण इस पर लगातार निगरानी बनाए हुए है। ऋषिकेश में की गई सीलिंग कार्रवाई इसी दिशा में उठाया गया कदम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों के विपरीत निर्माण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई भी की जा सकती है।

किसी भी निर्माण से पहले प्राधिकरण से लें आवश्यक अनुमति अवश्य : बर्निया

एमडीडीए के सचिव मोहन सिंह बर्निया ने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माणों के खिलाफ नियमित अभियान चलाया जा रहा है। ऋषिकेश के मनीराम मार्ग में बिना अनुमति बहुमंजिला भवन का निर्माण किया जा रहा था, जिस पर नियमानुसार सीलिंग की कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि निरीक्षण टीमें लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर रही हैं और जहां भी नियमों का उल्लंघन सामने आता है, वहां तुरंत कार्रवाई की जाती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी निर्माण से पहले प्राधिकरण से आवश्यक अनुमति अवश्य लें।

एक नजर ....

लेफ्टिनेंट जनरल हसनैन के बिहार का राज्यपाल नियुक्त होने पर दी बधाई

देहरादून। प्रदेश के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) को बिहार का राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की कामना भी की। इस बाबत उन्होंने नवनियुक्त राज्यपाल को शुभकामना संदेश भी प्रेषित किया है। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन का लगभग चार दशकों का गौरवपूर्ण सैन्य जीवन देश सेवा के लिए समर्पित रहा है।

कृषि विभाग में अनियमितताओं के प्रकरण में जांच के आदेश

देहरादून। प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने विगत दिनों प्रकाशित समाचारों का गंभीरता से संज्ञान लिया है, जिनमें कृषि विभाग के अंतर्गत निर्धारित कानूनों का पालन न किए जाने तथा इससे किसानों, आमजन, पर्यावरण और जनस्वास्थ्य को खतरा उत्पन्न होने की बात कही गई है। कृषि मंत्री जोशी ने प्रकाशित समाचार के अनुसार विभाग द्वारा नियमों के विरुद्ध अपात्र व्यक्तियों एवं फर्मों को पेस्ट कंट्रोल के लाइसेंस जारी करने तथा कुछ दुकानों पर प्रतिबंधित कीटनाशकों की अवैध बिक्री किए जाने के प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने विभागीय सचिव को पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच करने के निर्देश दिए हैं। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अनियमितता या नियमों के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए और यदि किसी भी स्तर पर दोषी पाए जाते हैं तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

अब अपनी भाषा में यात्रा की खोज कर रहे भारतीय : राजेश मागो

देहरादून। भारत की प्रमुख ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी मेकमायट्रिप ने आज अपने जेन-एआई आधारित ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट मायरा से मिले कुछ शुरुआती रुझान साझा किए हैं। ये संकेत देते हैं कि भारतीय यात्री अब वॉइस के माध्यम से किस तरह से इंटरैक्ट करना शुरू कर रहे हैं।

प्रदेश के 13 जनपदों में 13 मार्च तक होंगे 'महिला जनसुनवाई' कार्यक्रम

■ महिला आयोग आपके द्वार के तहत आयोजित हो रहे है आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून।उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने कहा कि राज्य सरकार और महिला आयोग महिलाओं के अधिकारों की रक्षा तथा उन्हें न्याय दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। आयोग द्वारा सोशल मीडिया पर महिलाओं से संबंधित घटनाओं और समस्याओं का स्वत: संज्ञान लेते हुए तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। मीडिया सेंटर, सचिवालय, देहरादून में आयोजित प्रेस वार्ता में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने बताया कि पूर्व में सामने आए अधिकांश मामलों में संबंधित पक्ष एक-दूसरे के परिचित रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अभिभावकों के लिए बच्चों की गतिविधियों की निगरानी करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि किसी भी प्रकार की घटना या समस्या की जानकारी निशुल्क दूरभाष नंबर 112 पर दें। साथ ही गौरा शक्ति ऐप डाउनलोड करने तथा आयोग के दूरभाष नंबर पर संपर्क करने की भी सलाह दी। उन्होंने बताया कि अंत.रराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग द्वारा पारिवारिक विवादों के समाधान और महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश के सभी 13 जनपदों में 13 मार्च, 2026 तक 'महिला जनसुनवाई' कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

निर्धारित कार्यक्रमों के तहत सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय सभागार, देहरादून में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 25 मामले दर्ज किए गए, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही समाधान किया गया तथा शेष मामलों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रेषित किया गया। इस अवसर पर महिला आयोग की सदस्य विमला नैथानी भी उपस्थित रहीं।

विधान सभा घेराव करने जा रहे उक्रांद कार्यकर्ताओं ने पुलिस को खूब छकाया

शाह टाइम्स संवाददाता

गैरसैण। गैरसैण को स्थाई राजधानी बनाए जाने को लेकर विधानसभा का घेराव करने जा रहे उक्रांद कार्यकर्ताओं ने पुलिस को खूब छकाया। इस दौरान उक्रांद युवा प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष आशीष नेगी समेत तमाम कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लेकर जंगलचट्टी तथा मेहलचौंरी स्थित अस्थाई जेल में भेजा। दरअसल बजट सत्र के पहले दिन उक्रांद का गैरसैण में स्थाई राजधानी को लेकर विधानसभा घेराव कार्यक्रम घोषित था। इसके चलते उक्रांद कार्यकर्ता प्रात: 10 बजे ही दीवालीखाल के विधानसभा प्रवेश द्वार पर जुट कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी और प्रदर्शन करने लगे। हालांकि कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए जंगलचट्टी तथा गैरसैण की ओर से भी पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। इधर विधानसभा भवन के भीतर राज्यपाल का अभिभाषण चल रहा था तो सड़कों पर उक्रांद के कार्यकर्ता सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए थे। दीवालीखाल में उक्रांद कार्यकर्ता पुलिस को छकाते हुए सुरक्षा व्यवस्था को तोड़कर विधानसभा की ओर कूच करने लगे। इस दौरान तीन बैरियर भी क्षतिग्रस्त हो गए। कुछ कार्यकर्ता तो जंगल की ओर से भागकर विधानसभा परिसर से नीचे तक पहुंच गए। पुलिस पीछा करती रही किंतु जंगल में कोई भी हत्थे नहीं चढ़ पाया। यह अलग बात है कि पुलिस ने विधानसभा परिसर से नीचे ही कार्यकर्ताओं को धरदबोच लिया। इधर बैरियर

तोड़कर आगे बढ़ते उक्रांद कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन चलाते हुए पानी की बौछार भी की किंतु आंदोलनकारी पीछे हटने को तैयार ही नहीं हुए बैरिकेंटिंग पार करने की कोशिश करते हुए वे आगे ही बढ़ते गए। भराड़ीसैण विधानसभा से करीब डेढ किमी पहले पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद कार्यकर्ता सड़क पर ही धरने पर बैठकर विधानसभा भवन तक मार्च करने की मांग पर अड़ गए। पुलिस और प्रशासन को हालात संभालने में खासा पसीना बहाना पड़ा। केंद्रीय महामंत्री वीरू सजवाण, जिलाध्यक्ष युद्धवीर सिंह नेगी, कार्यकारी अध्यक्ष पंकज पुरोहित, केएल शाह, यशपाल नेगी, जमन मनेसा, माही चमोला, एसपी पुरोहित, सुबोध बिष्ट, डा. आशुतोष भंडारी, दीपक राणा, लक्ष्मी देवी, दीपशिखा, पूजा शर्मा, धीरज सिंह, अंशुमान, अशोक बिष्ट, प्रेम पडियार, सुमित्रा चमोला समेत तमाम कार्यकर्ताओं का कहना था कि अब गैरसैण स्थाई राजधानी की अलख जगा दी गई है।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग

देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पूर्व में श्री दयाल सिंह रमोला पुत्र श्री शेर सिंह रमोला निवासी ग्राम गोरिया पोस्ट ऑफिस मुयालगांव जिला टिहरी गढ़वाल ने दिनांक 21.10.2013 को श्री दिनेश सिंह पुत्र श्री सुरेंद्र सिंह निवासी रेतपुर तहसील श्रीनगर जिला पौड़ी गढ़वाल नए विक्रय पत्र द्वारा क्रय की थी जिसका वही नंबर 01, जिल्द 2778, के पृष्ठ 307, से 322, क्रमांक 8668 पर दिनांक 21.10.2013 को उपनिबंधक कार्यालय प्रथम तहसील विकासनगर विधिवत पंजीकृत है। यह की पूर्व विक्रेता श्री दिनेश सिंह पुत्र श्री सुरेंद्र सिंह नए श्री रविंद्र चौधरी पुत्र श्री राजपाल चौधरी निवासी ग्राम राजा वाला तहसील विकासनगर जिला देहरादून से विक्रय पत्र द्वारा क्रय की थी जिसका वही नंबर 01, जिल्द 1844, के पृष्ठ संख्या 175/192, क्रमांक 6308 दिनांक 21.09.2011 विधिवत पंजीकृत है जिनकी रजिस्ट्री कहीं खो गई है जो कि ढूंढने पर भी नहीं मिल पा रही है। उपयुक्त रजिस्ट्री का कोई गलत उपयोग न करें अगर किसी को कोई जानकारी मिलती हो तो वह इस पते पर संपर्क करें।

गांधी रोड पी.ल.स. प्लाजा सेकेंड फ्लोर नजदीक एस.बी.आई. बैंक एडवोकेट पुरन सिंह पुंडीर मो. नंबर 9412918275 श्री प्रेम सिंह कंडारी पुत्र श्री मदन सिंह कंडारी निवासी ग्राम जाख पो. डांगी पट्टी नेलचामी जिला टिहरी गढ़वाल उत्तराखंड।

दरबार साहिब व झण्डा साहिब में चला दर्शनों व मनौतियों का दौर

■ श्रीमहंत देवेन्द्र दास महाराज ने संगतों को दिए दर्शन व आशीर्वाद

■ आज होगी ऐतिहासिक नगर परिक्रमा, संगतों ने पूरी की तैयारी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। श्री झण्डेजी के आरोहण के बाद सोमवार को भी दरबार श्री गुरु राम राय जी महाराज परिसर में संगतों की भारी चहल-पहल रही। देश-विदेश से आई संगतों के साथ सोमवार को भारी संख्या में देहरादून नगरवासियों ने भी झण्डेजी पर शीश नवाया। संगतों ने झण्डा साहिब एवं दरबार साहिब में मत्था टेककर अपनी मनोकामनाएं मांगी। अल सुबह से ही दरबार श्री गुरु राम राय महाराज के सज्जादे गद्दी नशीन श्रीमहंत देवेन्द्र दास महाराज के दर्शनों के लिए संगतें कतारों में खड़ी रहीं। महाराज ने संगतों को दर्शन देकर आशीर्वाद प्रदान किया। सोमवार को महाराज ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में गुरु महिमा तथा गुरु भक्ति का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि गुरु की शरण में आकर ही मनुष्य को सच्चे मार्ग का ज्ञान प्राप्त होता है। गुरु की वाणी अमृत के समान है, जो मानव जीवन को पवित्र और सफल बनाती है। उन्होंने कहा कि भक्ति, सेवा और सत्कर्म ही मानव जीवन की सबसे बड़ी पूंजी हैं। जो व्यक्ति सच्चे मन से गुरु का स्मरण करता है, उस पर सद्गुरु की असीम कृपा बरसती है और उसका जीवन सुख-शांति व आध्यात्मिक आनंद से भर जाता है। महाराज ने संगतों को गुरु भक्ति, प्रेम, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश देते हुए कहा कि गुरु की कृपा से ही मनुष्य जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्त होकर मोक्ष की प्राप्ति कर सकता है।

महाराज की अगुआई में मंगलवार को ऐतिहासिक नगर परिक्रमा होगी। परंपरा के अनुसार श्री झण्डे जी के आरोहण के तीसरे दिन नगर परिक्रमा के लिए संगतें पहुंचती हैं। नगर परिक्रमा देहरादून के नगरवा.सियों के लिए भी ऐतिहासिक क्षण होता है, जब देश-विदेश की संगत उनके बीच होती है। हर साल यह मनमोहक दृश्य होता है जब श्री गुरु राम राय जी महाराज द्वारा बसाए गए देहरादून नगर के बीचों-बीच से गुरु की संगत गुजरती है और दूनवासी पलक-पावड़े बिछाकर पुष्प वर्षा के साथ उनका भव्य स्वागत करते हैं।

मंगलवार को होगी ऐतिहा.सिक नगर परिक्रमा

दरबार श्री गुरु राम राय जी महाराज श्री झण्डा महोत्सव-2025 के मेला अधिकारी विजय गुलाटी ने जानक.ारी दी कि परंपरानुसार श्री झण्डे जी आरोहण के तीसरे दिन नगर परिक्रमा का आयोजन किया जाता है। नगर परिक्रमा में श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज की अगुआई में संगतें दून नगर की परिक्रमा करती हैं। मंगलवार सुबह 7:30 बजे श्री दरबार साहिब परिसर से नगर परिक्रमा आरंभ होगी। नगर परिक्रमा में 25 हजार से अधिक संगतें शामिल होंगी। नगर परिक्रमा श्री दरबार साहिब से प्रारम्भ होकर सहारनपुर चौक, कांवली रोड होते हुए श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल, बिंदाल पहुंचेगी। यहां संगत को चने, मुरमुरे व गुड़ का प्रसाद वित.रित किया जाएगा। यहां से तिलक रोड, टैगोर-विला, घण्टाघर व घण्टाघर से पल्टन बाजार होते हुए लक्खीबाग पुलिस चौकी से रीठा मण्डी, श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल बॉम्बे बाग पहुंचेगी। श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल में गन्ने का प्रसाद बांटा जाएगा। इसके बाद ब्रहमलीन श्रीमहंत साहिबान के समाधि स्थल पर मत्था टेकेने के बाद सहारनपुर चौक होते हुए दोपहर 12:00 बजे नगर परिक्रमा श्री दरबार साहिब वापिस पहुंचकर सम्पन्न होगी।

गुरु महिमा के भजनों व कीर्तन की रही धूम

सोमवार सुबह से ही श्री दरबार साहिब परिसर में गुरु महिमा एवं श्री गुरु राम राय जी महाराज के भजनों-कीर्तनों की धूम रही। भक्ति और श्रद्धा से सराबोर वातावरण में संगतों ने गुरु महिमा का गुणगान किया और पूरा परिसर भक्ति रस में डूबा नजर आया। "गुरु बिन घोर अंधेरा, गुरु से ही उजियारा", "सतगुरु तेरी महिमा अपरम्पार", तथा "मेरे सतगुरु दाता मेहर कर दाता" जैसे भजनों के साथ-साथ श्री गुरु राम राय जी महाराज की महिमा का बखान करते अनेक भजन गूंजते रहे। संगतों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भजनों का आनंद लिया, जिससे पूरा श्री दरबार साहिब परिसर भक्तिमय माहौल से महिमामयी हो उठा।

महाकाल सेवा समिति ने लगाया स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

देहरादून। श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल एवम् श्री महाकाल सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में संगतों ने बढ़चढ़ कर रक्तदान किया। दरबार श्री गुरु राम राय जी महाराज परिसर में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 200 यूनिट रक्तदान हुआ। स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में पुरुषों के साथ साथ महिलाओं ने भी बढ़चढ़ कर भागीदारी की।

सार्वजनिक सूचना

सर्वविदित हो कि प्रार्थी दिनांक 06.02.2026 को सुबह लगभग 11 बजे निरंजनपुर मंडी से पटेल नगर की ओर अपने अधिवक्ता से मिलने हेतु जा रहा था, ताकि अपनी संपत्ति से संबंधित दस्तावेजों की प्रमाणित प्रति एवं टाइटल सर्च रिपोर्ट प्राप्त कर सके । इस दौरान रास्ते में प्रार्थी का एक बैग निरंजनपुर मंडी के पास कहीं गिर गया, जिसका काफी खोज-बीन एवं तलाश करने के पश्चात भी कोई पता नहीं चल पाया। इस बैग में प्रार्थी के स्वामित्व में विद्यमान सम्पत्ति अवलिखित भूमि खाता संख्या 91 फसली वर्ष 1415 से 1420 के अनुसार खसरा न० 92 रकबा 235.75 वर्ग मीटर स्थित मौजा मेहरे का गांव, परगना पछवादून, तहसील विकासनगर जिला देहरादून से सम्बन्धित मूल विक्रय विलेख दिनांक 07.10.2011 निष्पादित द्वारा श्री सुनील नौटियाल पुत्र शिवदत्त नौटियाल एवं श्री हंसराम शर्मा पुत्र श्री किसया उर्फ किसयारू के पक्ष में, जो कार्यालय उपनिबंधक, प्रथम विकासनगर के यहाँ बही नं 1 जिल्द 1788 पृष्ठ 305 से 322 पर क्र्मांक सं 5081 दिनांक 07.10.2011 को पंजी.त दर्ज है, उपलब्ध थे। प्रार्थी ने इधर-उधर काफी तलाश किया परन्तु कुछ पता नहीं चला। यदि किसी व्यक्ति को उक्त दस्तावेज व अन्य कागजात प्राप्त हो तो .पया उन्हें प्रार्थी को उपलब्ध कराने की कृपा करे।

श्री हंसराम शर्मा पुत्र श्री किसया उर्फ किसयारू निवासी "शर्मा निवास", कनवाली गाँव, व्योमप्रस्थ कॉलोनी, जी.एम.एस रोड निकट गोरखनाथ मंदि

कार्यालय जिला पंचायत, देहरादून

पत्रांक: 2655/VI/जि.पं. दे.दून/ 2025-26, दिनांक: 07.03.2026

शुद्धि-पत्र

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र संख्या: 2641/VI/यू.कि./2026-27, दिनांक: 02.03.2026 द्वारा जारी अल्प कालीन निविदा सूचना यूनीपोल को किराये पर लेने विषयक को अपरिहार्य कारणों से अग्रिम आदेशों तक स्थगित किया जाता है।

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, देहरादून

न्यायालय सिविल जज (सी. डि.) महोदय रुद्रप्रयाग।
दी. वा. सं. 02/2026

वादी - श्रीमती माहेश्वरी देवी पत्नी श्री बीरेंद्र सिंह निवासी ग्राम धारतोंदला प. वृ. गणेश नगर तहसील ऊखीमठ, थाना अगस्त्यमुनी जिला रुद्रप्रयाग, मो.न. 8859238123.

बनाम

प्रतिवादीगण 1. उत्तराखंड सरकार जरिये जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग। 2. तहसीलदार तहसील ऊखीमठ जिला रुद्रप्रयाग। 3. ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत धारतोंदला, विकासखंड अगस्तमुनि जिला रुद्रप्रयाग। 4. आम जनता ।

समन बनाम आम जनता

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वादी ने मेरे न्यायालय में एक वाद अपने लापता पति वीरेंद्र सिंह की दीवानी मृत्यु की घोषणात्मक डिक्री चाहने बाबत प्रस्तुत किया है, जिसमें सुनवाई हेतु दिनांक 11.03.2026 की तिथि नियत है। यदि किसी को आपत्ति हो तो वह उक्त तिथि को न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत करें। अत: आप उक्त दिवस को ठीक दस बजे सुबह मेरे न्यायालय में स्वयं/जरिये अधिवक्ता के हाजिर होकर जवाबदेही करे। ऐसा करने में चूक ना हो चूक करने पर मामले में एक पक्षीय या कार्यवाही की जाएगी।

आज दिनांक 12.02.2026 को मेरे न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

आदेशानुसार मुंसरिम
सिविल जज (सी. डि.) रुद्रप्रयाग

हटाई जाएगी बिना अनुमति की प्रचार सामग्री

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने जिले के अधिकारियों से कहा है कि वह नैनीताल जिले में अवैध तरीके से मार्गो पर लगाए गये पोस्टर, होर्डिंग्स समेत यूनिपोल व बैनर लोक संपति विरूपण अधिनियम एवं उत्तराखण्ड नगर निगम नियमावली -2015 विघमान नियमों के तहत अवैध होर्डिंग हटाना सुनिश्चित करें। जिला. धिकारी रयाल ने जिले के पर्यटन स्थलों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर विभिन्न कंपनियों, राजनैतिक व्यक्तियों, दलों तथा शिक्षण संस्थानों एवं विभिन्न संस्थानों द्वारा प्रचार प्रसार हेतु अवैध रूप से बड़े-बड़े पोस्टर, होर्डिंग्स व यूनिपोल लगाकर शहर की खूबसूरती को प्रभावित किया जा रहा है जिससे कारण अनियमित और अवैध होर्डिंग्स से दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। जिलाधिकारी रयाल ने नगर आयुक्त, लोनिवि तथा एनएच व जिला पंचायत राज अधिकारी, सिंचाई तथा एनएचएआई तथा जनपद की सभी नगरपालिकाओं के अधिकारियों को अवैध

होर्डिंग, यूनिपोल और स्टैंडिंग ढांचों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बिना अनुमति लगे होर्डिंग राष्ट्रीय राजमार्ग, नगर पंचायतों, नगर पालिकाओं व सार्वजनिक स्थानों से शीघ्र हटाना सुनिश्चित करें तथा प्रत्येक दिवस की कृत कार्यवाही से अनिवार्य रूप से अवगत करना भी सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने सभी संबन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण भी करें और जहां भी बिना अनुमति के विज्ञापन सामग्री लगी हो, वहां तुरंत कार्रवाई कर उसे हटाना सुनिश्चित करें।

नैनीताल में रात 11 बजे बाद दुकानें बंद करने के विरोध में उठी आवाज़

व्यापारियों ने प्रशासन से लगाई गुहार, कोतवाली का किया घेराव

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। पर्यटन नगरी नैनीताल में रात्रि 11 बजे के बाद पुलिस प्रशासन द्वारा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और खान-पान की दुकानों को जबरन बंद कराए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इसी को लेकर सोमवार को व्यापार मंडल मल्लीताल और नगर के व्यापारियों ने संयुक्त रूप से प्रशासन को प्रार्थना पत्र सौंपकर इस पाबंदी को हटाने की मांग की है, इसी के साथ उन्होंने चेतावनी दी है यदि व्यापारियों का इसी तरह शोषण किया गया तो आने वाले दिनों में शहर की समस्त बाजरों को बंद करा देंगे। मामले को लेकर गुस्साए व्यापारियों ने कोतवाली के समक्ष प्रदर्शन भी

किया। व्यापारियों का कहना था कि नैनीताल का पूरा व्यवसाय पर्यटन पर निर्भर है। वर्तमान में शहर पर्यटकों से गुलजार है लेकिन रात 11 बजते ही बाजार बंद होने से दूर दराज से आने वाले सैलानियों विशेषकर छोटे बच्चों वाले परिवारों को भोजन और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए भटकना पड़ रहा है, इससे पर्यटकों के बीच शहर की छवि खराब बन रही है। व्यापार मंडल मल्लीताल के अध्यक्ष किशन सिंह नेगी ने स्पष्ट किया कि व्यापारी पहले ही कई चुनौतियों से जूझ रहे हैं ऐसे में पीक सीजन के दौरान समय की पाबंदी से भारी वित्तीय नुकसान हो रहा है। व्यापारियों ने प्रशासन को आश्वस्त किया है कि दुकानें खुली रहने के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखी जाएगी। नगर की स्वच्छता का पूर्ण ध्यान रखा जाएगा। व्यापारी प्रशासन के साथ हर संभव सहयोग के लिए तैयार है। इस दौरान व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष रईस खान, महिला उपाध्यक्ष भारती कैड़ा समेत आशु शाह, दिलावर हुसैन, रूचिर शाह, सोनू बिष्ट, प्रेम सागर, मोहित गोयल, दिलशाद हुसैन, आनंद बिष्ट, जमाल अहमद आदि व्यापारी मौजूद रहे।

एक नजर

चार दुकानदारों पर चालानी कार्रवाई

नैनीताल। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी रोहिताश शर्मा और पालिकाध्यक्ष डा. सरस्वती खेतवाल के निर्देश पर सोमवार को पालिका की टीम ने नगर के तल्लीताल क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चिकन व मीट की दुकानों में गंदगी मिलने पर चालानी कार्रवाई की गई। इस दौरान 4 दुकानदारों पर चालान करके 2 हजार रुपए का राजस्व वसूला गया। निरीक्षण टीम में पालिका के मुख्य सफाई निरीक्षक अमित कुमार समेत प्रभारी कर निरीक्षक हिमांशु चंद्रा के अलावा वेद प्रकाश सैनी तथा कपिल तोमर आदि मौजूद रहे।

शालीन शिखर ने एक बार फिर किया रक्तदान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रक्तदान वो नेक काम है जिसे करने से दूसरों को जिन्दगी मिलती है। शालीन शिखर शुक्ला ने कम उम्र में ही कई बार रक्तदान किया है, जिससे कितने लोगों को नई जिन्दगी मिली होगी। शालीन शिखर हल्द्वानी निवासी समाजसे. विका आशा शुक्ला के बेटे हैं। समाज के प्रति समर्पण का यह भाव शालीन में अपने परिजनों से ही आया। पढ़ाई पूरी कर एक निजी कम्पनी में अच्छी जॉब कर रहे शालीन के समाज के लिए इस समर्पण भाव पर परिवार को गौरव की अनुभूति होती है।

भीमताल क्षेत्र पंचायत की बैठक कल

नैनीताल। नैनीताल जिले के तहत भीमताल क्षेत्र पंचायत की बैठक 11 मार्च बुधवार को होगी। भीमताल ब्लाक के ब्लॉक प्रमुख डा. हरीश सिंह बिष्ट ने बताया कि बैठक उनकी अध्यक्षता में आयोजित होगी। डा.बिष्ट ने एजेंडे के मुताबिक नैनीताल जिले के सभी विभागीय अधिकारियों को पूर्ण सूचनाओं के साथ इस महत्वपूर्ण बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने क्षेत्र पंचायत सदस्यों से अपनी क्षेत्रों से संबंधित समस्याओं की पूर्ण तैयारी के साथ बैठक में आने की अपील की है।

13 से मोहन को चौराहे से अमरालय तक मार्ग बंद

नैनीताल। नगर पालिका परिषद के आवागढ़ वार्ड के सभासद राकेश पवार ने बताया कि नैनीताल शहर के आन्तरिक मार्ग सुधारीकरण की बेला में मल्लीताल के पोस्ट आफिस रोड का निर्माण कार्य होना है। उन्होंने बताया कि 13 मार्च शुक्रवार से मोहन को चौराहे से अमरालय तक का मार्ग चौपहिया और दोपहिया पूर्ण रूप से बंद रहेंगे। कहा कि पैदल चलने वालों (जिनके घर बीच में हैं) को कुछ जगह से जाने दिया जायेगा। कहा कि यह हम सभी शहर वासियों का कार्य है। कहा कि सभी लोगो के सहयोग और कुछ कष्ट के बाद हम सभी की यह रोड बहुत वर्षों के लिए अच्छी बन जायेगी।

गैरसैण के लिए रवाना हुए यूकेडी कार्यकर्ता

बागेश्वर। उत्तराखंड क्रांति दल के कार्यकर्ता सोमवार को गैरसैंण घेराव के लिए रवाना हुए। कार्यकर्ताओं ने कहा कि राज्य की स्थाई राजधानी गैरसैंण बनाए जाने की उनकी लड़ाई जारी रहेगी। उक्रांद के जिलाध्यक्ष मनोज जोशी के नेतृत्व में दो गाड़ियों में भरकर कार्यकर्ता तड़के गैरसैंण के लिए निकले। इस दौरान उन्होंने जो पहाड़ की बात करेगा, वह पहाड़ में राज करेगा जैसे नारे लगाए और जोश के साथ यात्रा की। जिलाध्यक्ष मनोज जोशी ने कहा कि उनकी पार्टी ने उत्तराखंड के इतिहास को अपने लहू से लिखा है, लेकिन राज्य में दो प्रमुख पार्टियों ने यहां की जनता को लूटा है। अब जनता जागरूक हो चुकी है। वे गैरसैंण में सरकार का घेराव करने के लिए जा रहे हैं।

दोहरे हत्याकांड में सभी 10 आरोपी बरी

उत्तराखण्ड हाई कोर्ट ने उधमसिंह नगर के बहुचर्चित हत्याकांड में सुनाया अहम फैसला

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट नैनीताल ने कुमाऊं मंडल के ऊधम. सिंह नगर जिले के बहुचर्चित दोहरे हत्याकांड के मामले में सभी 10 आरोपियों को बरी कर दिया है। न्यायमूर्ति रवींद्र मैठानी और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह की खंडपीठ ने आरोपियों की अपील पर सुनवाई करते हुए निचली अदालत द्वारा दी गई उम्रकैद की

सजा को रद्द कर दिया। न्यायालय ने पाया कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ अपराध को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा है। बता दें यह मामला अगस्त 2014 का है जब कुंडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत हरनाम सिंह उर्फ हनी और कुलवंत सिंह उर्फ गोले की गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी और उनके शव जंगल में मिले थे। पुलिस ने इस मामले में कश्मीर सिंह, प्रकाश सिंह, चंडी सिंह, जसवंत सिंह सहित अन्य के खिलाफ हत्या और आपराधिक साजिश का मुक. दमा दर्ज किया था। निचली अदालत ने मई 2025 में इन सभी को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के वकीलों ने तर्क दिया कि यह मामला पूरी तरह से परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित है और इसमें सबूतों की कड़ी अध. ूरी है। उन्होंने दलील दी कि पुलिस के पास कोई भी प्रत्यक्षदर्शी गवाह नहीं था और केवल पिछले विवाद या धमकियों के आधार पर किसी को हत्या का दोषी नहीं ठहराया जा सकता। विशेष रूप से प्रकाश सिंह के वकील ने कहा कि उनका नाम तो एफआईआर में भी नहीं था। न्यायालय ने पाया कि पुलिस द्वारा बरामद की गई रस्सियां जिन्हें हत्या में इस्तेमाल बताया गया था कभी भी फॉरेंसिक जांच के लिए नहीं भेजी गई, ऐसे में यह साबित नहीं हो सका कि उन वस्तुओं का मृतक या अभियुक्तों से कोई जैविक संबंध था। सभी पक्षों की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने प्रकाश सिंह, चंडी सिंह, लाल सिंह, बलविंदर सिंह, जसवंत सिंह (जस्सा), लखवीर सिंह, जसवंत सिंह (नंदी), भगत सिंह तथा प्रकाश सिंह (पासी) और दारा सिंह को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया। अदालत ने आदेश दिया कि यदि वे किसी अन्य मामले में वांछित नहीं हैं तो उन्हें तत्काल जेल से रिहा किया जाए। इस फैसले के साथ ही 11 साल पुराने इस मामले का कानूनी पटाक्षेप हो गया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि न्याय प्रणाली में केवल संदेह के आधार पर किसी को अपराधी नहीं माना जा सकता।

अख्तर अली, महेन्द्र को ज़मानत

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाई कोर्ट ने 22 फरवरी 2017 को हल्द्वानी के डहरिया में हुए दोहरे हत्याकांड के आरोपी अख्तर अली व महेंद्र नाथ गोस्वामी की जमानत प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद न्यायमूर्ती रविंद्र मैथानी व न्यायमूर्ती सिद्धार्थ शाह की खंडपीठ ने दोनों को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। मामले के अनुसार जिला सत्र न्यायधीश नैनीताल ने दोनों को दो हत्या एक साथ करने के मामले में 22 जून 2023 को आजीवन की सजा सुनवाई गयी थी। इस आदेश को दोनों के द्वारा अलग अलग वाद दायर कर उच्च न्यायलय में 2023 में चुनौती दी गयी थी। अब उनके द्वारा दोनों वादों मे अपनी जमानत के लिए आवेदन किया गया। कोई ठोस सबूत न होने के कारण कोर्ट ने दोनों को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। मामले के अनुसार पीड़ित ने 21 फरवरी 2017 को रात्रि दस बजे करीब अपनी पत्नी और माता को फोन किया लेकिन 22 फरवरी 2017 को दोपहर उसे बताया गया कि उसकी पत्नी और माता की हत्या अज्ञात लोगों ने कर दी। पीड़ित की तरफ से जब इसकी शिकायत की तो पुलिस ने कुछ ही समय में इस घटना में शामिल आरोपियों को खोज निकाला। घटना में शामिल जो दो लोग थे उसमे से एक का नाम अख्तर अली और दूसरे का नाम महेंद्र नाथ गोस्वामी था। अख्तर अली उनके घर में भी कार्य कर चुका था। जमानत प्रार्थना पत्रों में हुई सुनवाई के दौरान आरोपियों की तरफ से कहा गया कि उन्हें इस मामले में गलतफंसाया गया है। दोनों की हत्याएं खुले में हुई हैं, वहां पर कोई भी आ जा सकता था। वारदात के समय कोई नहीं था। सूचना के आधार पर एक स्कूड्रावर, खून से सनी कमीज और कुछ अन्य सामान खुले में से बरामद की गई उनसें नही। जिसकी पुष्टि फॉरेंसिक जांच से हुई। इससे यह साबित नहीं हो सकता है कि उनके द्वारा अपराध किया गया है। इसलिए दोनों को संदेह का लाभ देते हुए जमानत पर रिहा किया जाए। मामलों की सुनवाई के बाद खण्डपीठ ने दोनों को जमानत पर रिहा करने के आदेश दे दिए।

पति पर लगाया मारपीट का आरोप

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। एक महिला ने अपने पति पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विजय नगर नई बस्ती निवासी कविता ने तहरीर मे बताया कि उसकी शादी जितेन्द्रपाल से 2014 में हुई थी। उसकी एक लड़की है जो कि 11 साल की है। महिला का कहना है कि उसका पति आये दिन शराब पीकर उसके साथ मार पीट करता है। कई बार समझौता हो गया था लेकिन फिर भी मेरा पति शराब पीकर मारता-पीटता हैं। 8 मार्च को लगभग सवा नौ बजे पति ने शराब पीकर फिर से मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दे रहा हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

अनुशासन और पंजीकरण समिति के विवादास्पद आदेश पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने उत्तराखंड मेडिकल काउंसिल की अनुशासन और पंजीकरण समिति द्वारा पारित एक विवादास्पद आदेश पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट लिमिटेड और डा. आनंद मोहन ठाकुर की विशेष अपीलों पर सुनवाई करते हुए यह अंतरिम राहत दी। इसके बाद अस्पताल और डॉक्टर को तात्कालिक दंडात्मक कार्यवाही से सुरक्षा मिली है। अपीलकर्ताओं ने तर्क दिया कि अनुशासन समिति केवल सिफारिश करने की अधिकारिता रखती है, और समिति का आदेश कानूनन गलत है। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तराखंड मेडिकल काउंसिल एकट-2002 के तहत निजी अस्पतालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती। हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आगामी सुनवाई तक आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी है। अगली सुनवाई 17 मार्च 2026 को होगी, जिसमें मेडिकल काउंसिल को अपना पक्ष स्पष्ट करना होगा।

याचिकाकर्ता का स्थानांतरण नियमावली के तहत हो: हाईकोर्ट

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने डा. मंजू यादव की याचिका खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने अपने स्थानांतरण को दुर्गम क्षेत्र से सुगम क्षेत्र में करने की मांग की थी। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि आगामी स्थानांतरण सत्र के दौरान उनका स्थानांतरण हल्द्वानी, हल्दूचौड़, कपकोट और काशीपुर के महाविद्यालयों में रिक्त पदों पर किया जाए। डा. मंजू यादव, जो जोशीमठ के पीजी कालेज में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं, ने पिछले साल सुगम क्षेत्र में स्थानांतरण के लिए आवेदन किया था, लेकिन पंचायत चुनाव और आदर्श आचार संहिता के कारण स्थानांतरण सत्र शून्य हो गया था। कोर्ट ने बताया कि अगला स्थानांतरण सत्र मई 2026 से शुरू होगा।

धामी सरकार के बजट पर व्यापारियों की मिलीजुली प्रतिक्रिया

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। गैरसैंण स्थित उत्तराखंड की ग्रीष्मकालीन राजधानी की विधानसभा में सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु 1,11,703.21 करोड़ का बजट पेश किया। यह बजट राज्य के समग्र विकास, मजबूत बुनियादी ढांचे और आत्मनिर्भर उत्तराखंड के लक्ष्य को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। बजट में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा पर्यटन और कृषि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया है। बजट को लेकर सोमवार को नैनीताल के व्यवसायियों की राय जानी गयी। व्यवसायी रुचिर साह ने बताया कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 100 करोड़ रूपये दिए हैं जबकि इको टूरिज्म को 18.5 करोड़ दिए हैं जो अच्छी पहल है और धनरा. शि आगे और बढ़ेगी, ऐसी पहल से देवभूमि उत्तराखंड में पर्यटन को

बढ़ावा मिलेगा। व्यवसायी पुनीत टंडन के मुताबिक उत्तराखंड सरकार का बजट चुनाव से पहले पास किया है अपनी योजनाओं को दर्शनाने व अपनी सफलताओं को प्रस्तुत करने के लिए ये आखिर मौका है, उत्तराखंड में स्वास्थ्य को लेकर व्यवस्थाएं चर्मराई हुई है, कई आंदोलनों के बाद सरकार थोडा विकास की ओर गई है, उममीद है सरकार इस योजना को जल्द ही धरातल पर उतारेगी। टंडन ने कहा कि पर्यटन के हिसाब से इतना खास नहीं है बजट। बोले कि आज भी पार्किंग की समस्या रही है लेकिन धरातल पर कोई काम नहीं हुआ है सरकार को पर्यटन को लेकर जल्द कार्य करना चाहिए। होटल व्यवसायी वेद साह ने बताया पर्यटन को लेकर बजट पहले से ज्यादा मिला हुआ है 100 करोड़ नई परियोजनाओं को लेकर मिले है वही 18.5 करोड़ की धनराशि इको टूरिज्म को मिली हुई है इसके अलावा मेडिकल टूरिज्म को लेकर फोकस है जितना इंट्रास्ट्रक्चर बढ़ेगा उतना पर्यटन बढ़ेगा वहीं व्यवसायी अमनदीप सिंह आनंद ने बताया उममीद बहुत थी निराशा उससे भी ज्यादा है जो पर्यटन को धनराशि दी गई है, पर्यटन को लेकर अभी तक धरातल पर कुछ नहीं दिखाई दे रहा है। कहा कि आने वाले समय पर इसका नकारात्मक प्रभाव काफी पड़ सकता है।

बुरांश महोत्सव-2026 का शानदार आयोजन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तराखंड राज्य वृक्ष बुरांश के संरक्षण और हिमालयी जैव विविधता के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से सोमवार को वन अनुसंधान रेंज गाजा (ज्योलीकोट) उत्तराखंड वन विभाग द्वारा बुरांश

महोत्सव-2026 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में कुमाऊं विश्वविद्यालय के वानिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आशीष तिवारी ने वन विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने वन विभाग की इस पहल को अत्यंत सराहनीय बताते हुए कहा कि यह छात्र छात्राओं के लिए हिमालयी जैव विविधता को करीब से समझने और बुरांश संरक्षण के महत्व को जानने का एक बेहतरीन और उचित अवसर है। इस महत्वपूर्ण आयोजन में वानिकी विभाग के लगभग 50 छात्र/छात्राओं तथा प्राध्यापकों ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। बता दें कुविवि के डीएसबी परिसर नैनीताल से प्रारंभ होकर नैनीताल के प्रसिद्ध टिफिन टॉप (डोरथी सीट) तक गई लगभग 5 किलोमीटर लंबी इस नेचर वॉक में वानिकी विभाग की ओर से डा. नंदन मेहरा तथा डा. मैत्री नारायण ने छात्र-छात्राओं का कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन किया वहीं इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में उत्तराखंड वन विभाग की टीम की अहम भूमिका रही। वन विभाग की ओर से वन क्षेत्राधिकारी प्रदीप जोशी, वन दरोगा गीता गोस्वामी, पूरन आर्य, वन आरक्षी अर्जुन कुमार, वन आरक्षी कमला जोशी तथा वन श्रमिक नीरज जोशी ने इस नेचर ट्रेल का उत्कृष्ट संचालन किया। पूरी नेचर ट्रेल के दौरान वन विभाग की ओर से अनुसंधान सहायक योगेश त्रिपाठी ने छात्र छात्राओं का विशेष रूप से तकनीकी मार्गदर्शन किया। उन्होंने फील्ड पर पादप पहचान का व्यावहा. रिक प्रशिक्षण देते हुए विभिन्न वनस्पतियों के पारिस्थितिक महत्व और उनसे जुड़ी महत्वपूर्ण वैज्ञानिक जानकारियां साझा कीं। छात्रों को मुखय रूप से राज्य वृक्ष बुरांश के संवर्धन और संरक्षण की वैज्ञानिक विधियों से अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त छात्रों को बर्ड वा. चंग कराई गई और पक्षियों का वनस्पतियों के साथ सह संबंध पर भी विस्तृत चर्चा की गई। 5 किलोमीटर के इस पूरे ट्रैकिंग मार्ग में मुख्य रूप से बांज, बुरांश और पदम के वृक्षों की बहुलता रही। इस दौरान इन प्रमुख वृक्षों के साथ साथ मार्ग में मिलने वाली अन्य महत्वपूर्ण वनस्पतियों तथा औषधीय पादप प्रजातियों जैसे किल्मोड़ा समेत विभिन्न प्रकार के फर्न तथा बांस और चीड़ प्रजातियों की भी विस्तार से पहचान कराई गई।कार्यक्रम का समापन टिफिन टक्कम पर एक सार्थक परिचर्चा के साथ हुआए जहां सभी प्रतिभागियों ने बुरांश और हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र को सहेजने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में उत्साहवर्धन हेतु सभी छात्र छात्राओं एवं प्रतिभागियों को वन विभाग की ओर से प्रतिभागिता प्रमाण पत्र वित. रित किए गए।

विजेता को विज्ञान प्रयोगधर्मी महिला सम्मान

शाह टाइम्स संवाद्दाता

कोटाबाग। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट), सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग उत्तराखंड शासन तथा दिव्य हिमगिरी संस्था द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स के ऑडिटोरियम में आयोजित नारी शक्ति सम्मान एवं विज्ञान प्रयोगधर्मी महिला सम्मान-2026 समारोह में नैनीताल जनपद की डा. विजेता बिष्ट को 'विज्ञान प्रयोगधर्मी महिला सम्मान' से सम्मानित किया गया।

इस समारोह में पूरे उत्तराखंड से नारी शक्ति सम्मान के लिए 20 महिलाओं तथा विज्ञान प्रयोगधर्मी महिला सम्मान के लिए मात्र 7 महिलाओं का चयन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एचएनबी उत्तराखंड

चिकित्सा विश्वविद्यालय की कुल. पति डा. भानु दुग्गल, उत्तराखंड राज्य उपभोक्ता आयोग की अध्यक्षा न्यायाधीश डा. कुमकुम रानी और यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने संयुक्त रूप से उन्हें सम्मानित किया।

डा. विजेता बिष्ट को विज्ञान शिक्षा को प्रकृति और पारंपरिक ज्ञान के समावेश से रोचक एवं स्थायी बनाने के प्रयासों के लिए यह सम्मान दिया गया। वह राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कनकपुर कोटाबाग में विज्ञान शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय के छात्र विभिन्न विज्ञान गतिविधियों में राज्य स्तर तक प्रतिभाग कर चुके हैं तथा अब तक 12 छात्रों का चयन 'इंस्पायर अवार्ड' के लिए हो चुका है।

नैनीताल में लोनिवि अधीक्षण अभियंता कार्यालय में प्रदर्शन

नैनीताल। शासन के आदेश के तहत 2023 से पूर्व सेवानिवृत नियमित वर्कचार्ज कर्मचारियों की पेंशन पर रोक लगाने से कर्मचारियों में रोष है। इसके विरोध में सोमवार को लोनिवि के वर्कचार्ज कर्मचारियों ने अधीक्षण अभियंता कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। इस दौरान गुस्साएं कर्मचारियों ने ट्रेजरी को तत्काल भुगतान के लिए बिल भेजने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में लोनिवि और सिंचाई विभाग में कार्यरत कई नियमित वर्कचार्ज कर्मचारी व सेवानिवृत कर्मी शासन की ओर से पूर्व में जारी नई पेंशन नियमावली के चलते पेंशन की परिधि से बाहर हो गए हैं। नई पेंशन स्कीम से हजारों कर्मचारियों के भविष्य की आर्थिक सुरक्षा पर संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारी संघ के प्रदेश मुख्य संयोजक गिरीश चंद्र जोशी ने बताया कि शासन की ओर से 16 जनवरी 2026 को जारी शासनादेश में 1 अक्टूबर 2005 के बाद नियमित हुए वर्कचार्ज कर्मचारियों को केवल 10 वर्ष की सेवा पूर्ण होने पर ही पेंशन के दायरे में रखा है जबकि कई कर्मचारी 30 से 40 वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत हुए हैं। आरोप है कि सरकार को यदि पेंशन व्यवस्था में बदलाव करना ही था तो वर्ष 2018 में ही कैबिनेट की मंजूरी लेकर शासनादेश जारी करना चाहिए था। उन्होंने बताया कि 8 मई 2023 को उत्तराखंड सरकार ने कैबिनेट में कर्मचारियों को पेंशन से वंचित करने से संबंधित अध्यादेश पारित किया था जो कर्मचारियों के साथ अन्याय है। उन्होंने बताया कि हल्द्वानी रुद्रपुर में व हल्द्वानी में निर्माण खंड व प्रांतीय खंड और सिंचाई विभाग में भुगतान कर दिया गया है। नैनीताल में वर्कचार्ज के बिल भुगतान के लिए ट्रेजरी नहीं भेजे गए तो अधिकारियों को घर नहीं जाने दिया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान गिरीश जोशी समेत दीवान सिंह बिष्ट, धन सिंह लटवाल, बसंत सुनान, मोहन सिंह भंडारी, रामलाल, पूरन सिंह जीना, मोहिनी तथा किशन सिंह आदि रहे। मामले में लोनिवि निर्माण खंड के अधिशासी अभियंता हीरा सिंह बिष्ट ने बताया कि जिन वर्कचार्ज कर्मचारियों के 20 वर्ष पूर्ण हो गए हैं उनकी पेंशन आज जारी कर दी जाएगी जिनके 20 वर्ष पूर्ण नहीं हुए हैं उनकी पेंशन रोक दी जाएगी।

धामी सरकार का 'संतुलित' बजट जनता के लिए कितना 'संतुलित'?

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। चुनाव से पूर्व प्रस्तुत इस बजट में इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ पेयजल पर अधिक आवंटन देखने को मिला है। इससे विशेष रूप से पहाड़ों में पेयजल की समस्या के समाधान की दिशा में सरकार का ध्यान जाता हुआ प्रतीत होता है। नदियों के उद्गम स्थल होने के बावजूद भी यहाँ की जनता पेयजल समस्या से त्रस्त रहती है। इस बजट से कुछ राहत मिलेगी, ऐसी उम्मीद की जा सकती है।

दूसरी ओर, इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में सरकार ने सराहनीय कार्य किया है, खासकर सड़कों के चौड़ीकरण का काम आज स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। बजट में गड्ढा-मुक्त सड़कों की बात भी की गई है। हालांकि इसके साथ-साथ प्राकृतिक संतुलन और

विकास के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर भी विशेष जोर दिया जाना क्योंकि उत्तराखंड का पर्यटन उद्योग प्राकृतिक संरक्षण और हिमालय की संवेदनशीलता से जुड़ा मुद्दा है। बजट में खेलकूद को लेकर भी कुछ बातें कही गई हैं। पहाड़ भौगोलिक दृष्टि से खेलकूद के लिए उपयुक्त क्षेत्र रहे हैं और पूर्व में यहाँ से एथलेटिक्स, बॉक्सिंग आदि में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाएँ सामने आ चुकी हैं। यद्यपि खेल विभाग के लिए आवंटित धनराशि अधिक नहीं है, फिर भी यदि इसका सही तरीके से उपयोग किया जाए तो सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं। हालाँकि उत्तराखंड राज्य गठन के बाद से ही स्वास्थ्य सेवाएँ लगातार बदहाली से गुजर रही हैं, खासकर पहाड़ी क्षेत्रों में चिकित्सा सेवाओं की स्थिति जगजाहिर है। अक्सर प्रसव पीड़ित महिलाओं और बुजुर्ग मरीजों को दूरस्थ क्षेत्रों में ले जाने की दर्दनाक खबरें सामने आती रहती हैं। आज भी पहाड़ों में स्वास्थ्य सुविधाएँ पर्याप्त नहीं हैं, जबकि इस बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए खर्च का आवंटन अपेक्षाकृत कम दिखाई देता है।

आज भी प्रदेश की बजट प्राप्तियों का एक महत्वपूर्ण भाग केंद्र सरकार के अनुदान और कर्ज पर निर्भर है। फिस्कल डेफिसिट की चुनौतीइस निर्भरता को कैसे कम किया जाएगा ? फिस्कल डेफिसिट की चुनौती, इस पर बजट भाषण में कोई स्पष्ट चर्चा दिखाई नहीं देती। सरकार ने अपना बजट प्रस्तुत कर दिया है, लेकिन अब जनता-जनार्दन का भी यह दायित्व है कि वह इस बात पर नजर रखे कि कि बजट आवंटन कितना सार्थक हुआ। और संतुलन की अवधारणा (समावेशी, आत्मनिर्भर नई सोच, तीव्र विकास, उन्नत गाँव एवं शहर, लोक-सहभागिता, आर्थिक शक्ति एवं न्यायपूर्ण व्यवस्था) कितनी धरातल पर उतरेगी, यह समय ही तय करेगा।

सरोज आनंद जोशी, सीए

विधायक निधि से स्वीकृत कार्यों की स्थिति पर सवाल

शाह टाइम्स संवाद्दाता

सोमेश्वर। ताकुला क्षेत्र में 2020-21 से 2024-25 तक विधायक निधि से स्वीकृत 466 कार्यों में से 15 अपूर्ण हैं और 24 कार्य शुरू नहीं हो सके हैं। इनमें से एक प्रमुख कार्य, सूपाकोट गांव में कासिण मन्दिर के सौन्दर्यीकरण के लिए स्वीकृत था, लेकिन अब तक कोई ठोस परिणाम नहीं दिखा। 2020-21 में इसके लिए ढाई लाख रुपये स्वीकृत किए गए थे, जिनमें से 1,49,822 रुपये खर्च किए जा चुके हैं, लेकिन कार्यस्थल पर कोई विशेष सुधार नहीं हुआ है। आरटीआई कार्यकर्ता रमेश चन्द्र पाण्डे ने इस मुद्दे को उठाया और बीडीओ से कार्य की प्रगति की जानकारी ली। पाण्डे ने आरोप लगाया कि मन्दिर की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है और कुछ सामग्री जैसे बजरी और सीमेंट के कट्टे ही दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने सरकार से अपूर्ण योजनाओं को जल्द पूरा कराने की मांग की और पंचायत राज अधिनियम की धारा 66 के तहत त्रैमासिक बैठकें आयोजित करने का अनुरोध किया।

एसएसपी ने किया कलियर निर्माणाधीन थाने का औचक निरीक्षण

काम में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त : भुल्लर

शाह टाइम्स संवाददाता

कलियर। कलियर में पुलिस अधीक्षक ने सोमवार को देहात क्षेत्र का दौरा करते हुए विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कलियर क्षेत्र में निर्माणाधीन नए थाना भवन का निरीक्षण कर कार्य की गुणवत्ता और समयसीमा को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए।

सोमवार, को एसएसपी हरिद्वार नवनीत सिंह ने देहात क्षेत्र के कलियर का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने थाना कलियर में बन रहे नवनिर्मित थाना भवन का भौतिक निरीक्षण किया। मौके पर मौजूद थानाध्यक्ष कलियर और निर्माण इकाई के अधिकारियों से निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने अधि कारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और तय समय सीमा के भीतर थाना भवन

का निर्माण कार्य पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि भवन की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए। इसके साथ ही अन्य पुलिस अधिकारियों और

❖हिदायत : निर्माण कार्य में गुणवत्ता का भी रखा जाए विशेष ध्यान

निर्माण इकाई के जिम्मेदार अधि कारियों को भी निर्देशित किया गया कि वे समय-समय पर निर्माणाधीन थाना भवन का निरीक्षण करते रहें। निरीक्षण के दौरान यदि कोई कमी पाई जाती है तो उसे तत्काल ठीक कराया जाए, ताकि थाना भवन का निर्माण कार्य सुचारु और समयबद्ध तरीके से पूरा हो सके।

दो पक्षों के बीच विवाद में एक पक्ष व्यक्ति ने खाया जहर

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। थाना क्षेत्र के इमलीखेड़ा में मामूली कहासुनी को लेकर दो पक्षों के बीच हुए विवाद के बाद एक पक्ष के युवक के पिता ने कथित तौर पर जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के बाद उनकी हालत में सुधार बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार थाना इमलीखेड़ा में मामूली कहासुनी को लेकर दो पक्षों के बीच हुए विवाद में एक पक्ष के युवक के पिता ने कथित तौर पर जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। रविवार देर शाम इमलीखेड़ा के सैनी चौक पर किसी बात को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे चलने लगे। मारपीट में दोनों पक्षों के चार लोग घायल हो गए जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी रविंद्र कुमार और इमलीखेड़ा चौकी प्रभारी शहजाद अली पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को काबू में किया। आसपास के लोगों ने भी बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को शांत कराया। घायलों को पुलिस ने मेडिकल लिए भेज दिया गया था।बताया जा रहा है कि इस घटना से आहत होकर एक पक्ष के युवक के पिता ने सोमवार सुबह जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें आनन-फानन में निजी अस्पताल ले गए जहां उनका इलाज चल रहा है और उनकी हालत में सुधार बताया जा रहा है।इमलीखेड़ा चौकी प्रभारी शहजाद अली ने बताया कि जहर खाने की सूचना पुलिस को नही मिली है। साथ ही अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई तहरीर नही दी गई है। तहरीर मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

भगवानपुर पुलिस ने 220 किलो संदिग्ध मांस के साथ दो आरोपी दबोचे

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। थाना पुलिस ने एक दुकान पर छापा मार कर 220 किलो संदिग्ध मास व काटने के उपकरणों इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद करते हुए दो आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार एसएसपी हरिद्वार द्वारा अवैध रूप से पशुओं का कटान कर बुचडखाना चलाने व बिना लाइसेंस मांस का विक्रय करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध पशु क्रूरता अधिनियम में कार्रवाई किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उपरोक्त क्रम में कस्बा भगवानपुर में पशुओं का अवैध कटान कर बिना लाइसेंस मांस विक्रय करने की शिकायत प्राप्त होने पर आज दिनांक-09.03.2026 को पुलिस टीम द्वारा कस्बा भगवानपुर में छापेमारी की गयी। छापेमारी के दौरान फजलू रहमान पुत्र इरफान निवासी सिकंदरपुर भैंसवाल जिला हरिद्वार व अकरम पुत्र नानू निवासी- सिकरौडा, की दुकान पर 220 किलो संदिग्ध मांस व भारी मात्रा में मांस काटने के उपकरण व इलैक्ट्रानिक तराजू बरामद किया गया है। मौके से आरोपित फजलू रहमान व अकरम को पशु क्रूरता अधिनियम में हिरासत में लिया है। मौके पर पशु चिकित्सक को बुलाकर वैधानिक कार्रवाई की गयी है उपरोक्त प्रकरण में आरोपी के विरूद्ध पशु क्रूरता अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस टीम में ए०एस०आई० प्रदीप चौहान, कानि० दीपक मंमगाई, कानि० रविन्द्र राणा आदि शामिल रहे।

लंढौरा में तमंचा व जिंदा कारतूस के साथ एक युवक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी अभियान चलाने के निर्देश पर लंढौरा चौकी प्रभारी ने एक युवक को संदेह के आधार पर रोककर पूछताछ की तलाशी के दौरान उसके पास से एक तमंचा एक कारतूस बरामद हुआ है। बाद पूछताछ के पुलिस ने आरोपी का चालान कर जेल भेज दिया है। रविवार की शाम एसएसपी द्वारा संदिग्ध लोगों की चेकिंग के निर्देश मिलने पर लंढौरा पुलिस चौकी प्रभारी ने पुलिस टीम गठित कर क्षेत्र में घुम रहे संदिग्ध लोगों की तलाशी अभियान चलाया। उपनिरीक्षक अशोक सिरस्वाल रुड़की-लक्सर मार्ग पर पैठ बाजार के समीप संदिग्ध लोगों को रोककर पूछताछ कर रहे थे। एक युवक पुलिस को देख कब्रिस्तान की ओर जाने वाले रास्ते की ओर भागने लगा जिसे पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दबोच लिया, पुछताछ के दौरान युवक के कोई संतोषजनक जवाब न देने पर पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसके पास से एक तमंचा एक कारतूस बरामद हुआ। इंस्पेक्टर अमरजीत सिंह ने बताया कि पुलिस पुछताछ में पकड़े गए आरोपी ने बताया कि वह आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में घर से निकला था। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम अयान पुत्र इरफान निवासी लंढौरा बताया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अवैध शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जिसका चालान कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अशोक सिरस्वाल कांस्टेबल दिनेश चौहान व कास्टेबल रघुवीर शामिल रहे।

चोरी की बाइक सहित एक आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रुड़की पुलिस ने बाइक चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैध ानिक कार्रवाई कर रही है। जानकारी के अनुसार 24 फरवरी 2026 को नितेश पुत्र बीरबल सिंह निवासी कुमराड़ा, कोतवाली मंगलौर जनपद हरिद्वार ने अपनी मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायत कोतवाली रुड़की में दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रुड़की के निर्देश पर गठित पुलिस टीम ने पतारसी-सुरागरसी और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस ने नहर पटरी ए-टू-जेड जाने वाले तिराहे के पास से फरदीन उर्फ चंदा पुत्र मोहम्मद अहमद निवासी त्यागी वाली गली, माहीग्रान भारत नगर, कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस टीम में उप निरीक्षक मोहन सिंह, हेड कांस्टेबल यूनुस बेग, कांस्टेबल राजेश देवरानी, कांस्टेबल गुलबाहर और कांस्टेबल अमित रावत शामिल रहे।

पुलिस ने नाबालिग लड़की को ब्लैकमेल कर दहशत फैलाने वाले

फायरिंग करने वाले तीन दबोचे, तमंचा बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए नाबालिग लड़की को ब्लैकमेल कर दहशत फैलाने के उद्देश्य से फायरिंग करने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।आरोपियों के कब्जे से घटना में इस्तेमाल अवैध देशी तमंचा और जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं।

शनिवार को सोशल मीडिया पर हवाई फायरिंग का एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ था, जिसे इमलीखेड़ा चौकी क्षेत्र का बताया जा रहा था। इसी बीच थाना पिरान कलियर क्षेत्र के इमलीखेड़ा निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बादशाहपुर लक्सर निवासी एक युवक अपने साथियों के साथ उसकी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री को ब्लैकमेल कर दबाव बनाने के लिए उसके घर पहुंचा और जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर फरार हो गया।मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ

मुकदमा दर्ज कर लिया। वरिष्ठ पुलिस अध ीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर थानाध्यक्ष पिरान कलियर के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई।रविवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने अब्दाल शाह रोड के पास घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक अवैध देशी तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद किए गए। वहीं आरोपियों की निशानदेही पर घटनास्थल से चला हुआ खोखा भी बरामद कर लिया गया।एसएसपी हरिद्वार ने स्पष्ट किया है कि महिला एवं बाल अपराधों के मामलों में पुलिस जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है और क्षेत्र में दहशत फैलाने वाले किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार ने बताया फायरिंग करने वाले आरोपी मुराद अंसारी पुत्र मुर्सलीन निवासी नसीरपुर कला, दीपू सैनी पुत्र पपिन सैनी निवासी भोवापुर चमरावल और सुधांशु उर्फ ढोली पुत्र अजब सिंह निवासी बादशाहपुर थाना पथरी की गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।टीम में थानाध्यक्ष रविंद्र कुमार, एसएसआई सुनील दत्त पंत,इमलीखेड़ा चौकी प्रभारी शहजाद अली, हैंड कॉन्स्टेबल संजय रावत,रविंद्र बालियान और कॉन्स्टेबल आबिद आदि शामिल रहे।

नगर निगम में थर्ड पार्टी कंपनी के तहत रखें जाने के विरोध में

सफाई कर्मचारियों का अनिश्चित कालीन धरना

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। नगर निगम रुड़की में सफाई कर्मचारियों और कूड़ा वाहन चालकों को थर्ड पार्टी कंपनी के माध्यम से काम पर रखने के प्रस्ताव के विरोध में सफाई कर्मचारी अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं। कर्मचारियों के धरने पर बैठने के बाद नगर निगम के अधिकारी उन्हें मनाने और वार्ता के जरिए समाधान निकालने का प्रयास कर रहे हैं।

देवभूमि निकाय संयुक्त कर्मचारी महासंघ (भारतीय मजदूर संघ उत्तराखंड) के बैनर तले कर्मचारियों ने नगर आयुक्त और मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगें रखी

थीं। कर्मचारियों का कहना है कि नगर निगम में वर्षों से कार्य कर रहे सफाई कर्मचारियों और कूड़ा वाहन चालकों को नियमित किया जाए और उन्हें थर्ड पार्टी कंपनी के अधीन न किया जाए। ज्ञापन में बताया गया है कि नगर निगम बोर्ड की बैठक में 3 मार्च 2025 को स्वच्छता

❖निगम अधिकारी कर्मचारियों को मनाने के लिए समाधान में जुटे

समिति/आउटसोर्सिंग कूड़ा वाहन चालकों को पक्का करने और लगभग 30 हजार रुपये मासिक वेतन देने का प्रस्ताव पारित किया गया था। इसके बावजूद कर्मचारियों को थर्ड पार्टी कंपनी के माध्यम से काम कराने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है, जिसका कर्मचारी संगठन विरोध कर रहा है। कर्मचारियों की मांग है कि 2003 से 2024 तक कार्य कर रहे सभी सफाई कर्मचारियों को नियमित किया जाए और उन्हें 30 हजार रुपये मासिक वेतन दिया जाए। इसके साथ ही मृतक कर्मचारियों के परिजनों को नियमानुसार नौकरी और पेंशन दी जाए तथा जिन कर्मचारियों को कार्य से हटाया गया है उन्हें पुनः काम पर रखा जाए। कर्मचारी नेताओं ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक धरना जारी रहेगा। वहीं नगर निगम के अधिकारी कर्मचारियों से बातचीत कर स्थिति को सामान्य बनाने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

गद्दी को लेकर दो पक्ष भिड़े

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। दरगाह साबिर पाक के मेन गेट के पास स्थित धुने पर गद्दी को लेकर विवाद में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ शांति भंग की करवाई की।

थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार ने बताया रविवार शाम को सूचना मिली कि इन्तजार और मुसव्वर निवासी पिरान कलियर साबिर पाक के मेन गेट के पास स्थित धुने पर गद्दी पर कब्जा करने को लेकर विवाद कर रहे हैं।और दोनों वहां मौजूद गद्दीनशीन व संत-फकीरों को भी परेशान कर रहे हैं।सूचना पर पहुंची टीम ने दोनों को समझाने का प्रयास किया लेकिन वे नहीं माने और उत्तेजित होकर अभद्रता करते हुए मारपीट पर उतारू हो गए। पुलिस ने दोनों के खिलाफ के शांति भंग की कार्रवाई की है।पुलिस टीम एसआई विनोद कुमार गोला, इमलीखेड़ा चौकी प्रभारी शहजाद अली, हेड कांस्टेबल संजय कुमार, कांस्टेबल सुनील चौहान आदि शामिल रहे।

रोडवेज विभाग की लापरवाही, आमजन, बुजुर्ग व दिव्यांग बेहाल

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर में उत्तर प्रदेश/उत्तराखंड परिवहन निगम की बसों के समय पर न आने से आम जनता में भारी रोष है। स्थिति यह है कि घंटों इंतजार के बाद भी बसें स्टैंड पर नहीं पहुँच रही हैं, जिसका सीधा असर दैनिक यात्रियों, स्कूली बच्चों और दिव्यांगों पर पड़ रहा है। **प्रमुख समस्याएँ और शिकायतें अनिश्चित समय-सारणी:** स्थानीय निवासी चौधरी जगपाल सिंह ने बताया कि सुबह एक बस निकलने के बाद घंटों तक दूसरी बस का पता नहीं रहता। 9:15 बजे तक भी बस न आने से लोग अपने गंतव्य तक नहीं पहुँच पा रहे।प्रभावित वर्ग: हरिद्वार जाने वाले कामकाजी लोग, स्कूल जाने वाले बच्चे और अपने व्यवसाय के लिए निकलने वाले दिव्यांगजन इस लापरवाही का सबसे ज्यादा शिकार हो रहे हैं। **अधिकारियों की उदासीनता:** स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि विभाग के अधि कारी और कर्मचारी इस समस्या के प्रति पूरी तरह लापरवाह बने हुए हैं। आंदोलन की चेतावनी पूर्व भाजपा पदाधिकारी और नागरिक सूरजमल सिंह राणा ने कहा कि यदि विभाग जल्द नहीं जागा, तो क्षेत्र के लोग धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे उन्होंने उच्चाधिकारियों से हस्तक्षेप की मांग की है। वहीं, दिव्यांग नूर आलम ने अपनी व्यथा बताते हुए कहा कि बस सेवा के अभाव में वे समय पर अपने काम पर नहीं पहुंच पाते, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है।सरकार और संबंधित विभाग को चाहिए कि वे बुजुर्गों, बच्चों और दिव्यांगों की सुविध ा को देखते हुए बसों के फेरे बढ़ाएं और समय की पाबंदी सुनिश्चित करें।

मंगलौर पुलिस ने पेश की समाज सेवा व मानवता की मिसाल

कोतवाली में शिविर लगाकर किया रक्तदान

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। समाज सेवा और मानवता की मिसाल पेश करते हुए मंगलौर कोतवाली परिसर में सोमवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में मंगलौर कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह सहित कई पुलिसकर्मियों ने उत्साह के साथ रक्तदान कर समाज को एक सकारात्मक संदेश दिया। आमतौर पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिन-रात ड्यूटी में तैनात रहने वाली पुलिस आज लोगों की जिंदगी बचाने के लिए रक्तदान के रूप में एक नई मिसाल पेश करती नजर आई। इस दौरान जीवन चौरिटेबल ब्लड सेंटर की टीम ने रक्त संग्रह किया और पुलिसकर्मियों के इस सराहनीय कदम की जमकर प्रशंसा की। वहीं प्रबंधक अमित कुमार ने कहा कि यह अत्यंत खुशी की बात है कि मंगलौर कोतवाली परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस के जांबाज सिपाहियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। उन्होंने कहा कि पुलिस हमेशा ही लोगों की सुरक्षा और जीवन बचाने के लिए अग्रणी भूमिका निभाती है और आज रक्तदान के माध्यम से भी पुलिस ने समाज के सामने एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। अमित कुमार ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि रक्तदान करने से शरीर स्वस्थ रहता है। नियमित रक्तदान से ब्लड प्रेशर सामान्य बना रहता है और हार्ट अटैक की संभावना भी काफी हद तक कम हो जाती है। इसके अलावा रक्तदान करने से कैंसर जैसे गंभीर रोगों का खतरा भी कम होता है तथा लीवर को भी

स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिलती है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि हर स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान जरूर करना चाहिए, क्योंकि रक्तदान महादान है और इससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है। वहीं कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह ने भी रक्तदान कर लोगों को इस नेक कार्य के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कोतवाली में तैनात कई पुलिसकर्मियों ने रक्तदान कर समाज में जागरूकता फैलाने का संदेश दिया और यह साबित किया कि पुलिस न केवल सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाती है, बल्कि मानवता की सेवा में भी हमेशा आगे रहती है।

महिला दिवस पर सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। ग्राम लाठर देवा हुण स्थित असाही ग्लास फैक्ट्री में महिला दिवस के अवसर पर फैक्ट्री की ओर से चलाई जा रही आरोहण परियोजना के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर झबरेड़ा विधानसभा भाजपा उपाध्यक्ष नीतू सैनी उर्फ नितिन सैनी ने कहा कि वर्तमान में महिलाएं देश के विकास मैं अपनी बराबर भागीदारी दे रही है। असाही ग्लास फैक्ट्री की ओर से महिला दिवस कार्यक्रम के तहत क्षेत्र की स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को फैक्ट्री की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर झबरेड़ा विधानसभा उपाध्यक्ष नीतू सैनी उर्फ नितिन सैनी ने कहा

कि आज महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर देश के विकास में अपना सहयोग दे रही है। वर्तमान में महिलाएं राजनीति क्षेत्र से लेकर शिक्षा बैंकिंग तथा देश की रक्षा करने के लिए देश की सेना में भी अपनी भागीदारी दे रही है। आज महिलाएं तेजी से आत्मनिर्भर बन रही है। महिलाएं न्यायाधीश से लेकर सचिव व उच्च प्रशासनिक अधिकारी के साथ-साथ राजनीति में भी देश की सेवा कर रही है।उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं से कहा कि वे बेटों के साथ-साथ बेटीयो की ओरभी उचित ध्यान देना चाहिए। आज की बेटियां बेटों से अधिक चढ़ बढ़कर मां-बाप की सेवा कर रही है ।उन्होंने राजस्थान के एक गांव का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां एक किसान के यहां बेटा ना होकर तीन बेटियां हैं तीनों बेटियां प्रशासनिक अधिकारी बनकर मां-बाप का नाम रोशन कर रही है। इस अवसर पर ब्रिगेडियर हसन वालिया सिद्धार्थ सिंह अभिषेक कुमार अनिरुद्ध अग्निहोत्री राधा रानी रश्मि देवी ममता देवी उमा देवी पूनम रेखा देवी नेहा देवी आदि उपस्थित रही। कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा नेत्री नीतू सैनी द्वारा फीता काटकर किया गया।

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

संघर्ष के परिणाम

पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने पूरे क्षेत्र की स्थिति को अस्थिर कर दिया है। इस संघर्ष का प्रभाव केवल सुरक्षा और कूटनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था और आपूर्ति प्रणालियों पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। विशेष रूप से तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे कई देशों की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो अनेक देशों को महंगाई और खाद्य असुरक्षा जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। कुछ इसी तरह की परिस्थितियां पहले रूस और यूक्रेन के युद्ध के दौरान भी देखने को मिली थीं, जब वैश्विक बाजार में खाद्यान्न और उर्वरकों की आपूर्ति पर गहरा असर पड़ा था। ईरान और इजरायल के बीच जारी संघर्ष ने पश्चिम एशिया की स्थिरता को प्रभावित किया है, जिसके कारण तेल और गैस की आपूर्ति में व्यवधान पैदा हो रहा है। इसका असर अब अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी दिखाई देने लगा है। हालांकि ऊर्जा आपूर्ति पर असर की चर्चा अधिक हो रही है, लेकिन इसके साथ एक और गंभीर संकट उभरता दिखाई दे रहा है, जो उर्वरकों की आपूर्ति से जुड़ा हुआ है। यदि उर्वरकों की सप्लाई लंबे समय तक बाधित रहती है तो इसका सीधा प्रभाव कृषि उत्पादन पर पड़ेगा और दुनिया के कई हिस्सों में खाद्य संकट और महंगाई की स्थिति पैदा हो सकती है। पश्चिम एशिया को वैश्विक स्तर पर उर्वरक उत्पादन का एक महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। दुनिया में निर्यात होने वाले यूरिया का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते से होकर गुजरता है। इसके अलावा दुनिया में इस्तेमाल होने वाले सल्फर का करीब 45 प्रतिशत भी इसी मार्ग से परिवहन किया जाता है। यूरिया कृषि के लिए सबसे ज्यादा उपयोग में आने वाला उर्वरक है और अनुमान है कि वैश्विक स्तर पर पैदा होने वाले लगभग आधे अनाज के उत्पादन में इसकी अहम भूमिका होती है, लेकिन वर्तमान हालात में होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान की सख्त निगरानी और बढ़ते सैन्य तनाव के कारण जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। इससे उर्वरकों की आपूर्ति श्रंखला धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही है और हर गुजरते दिन के साथ स्थिति और अधिक चिंताजनक बनती जा रही है। करीब चार वर्ष पहले जब रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हुआ था, तब भी वैश्विक बाजार में इसी तरह की स्थिति पैदा हो गई थी। उस समय दो बड़े झटके देखने को मिले थे पहला गेहूं की आपूर्ति में अचानक कमी और दूसरा उर्वरकों की कीमतों में तेज वृद्धि। रूस और यूक्रेन मिलकर दुनिया के कुल गेहूं निर्यात का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा प्रदान करते हैं। युद्ध के शुरुआती दौर में जब इन दोनों देशों से निर्यात रुक गया था, तब वैश्विक बाजार में गेहूं की भारी कमी महसूस की गई थी। हालांकि कुछ समय बाद रूस से गेहूं और उर्वरकों का निर्यात फिर से शुरू हो गया था। इसके साथ ही भारत जैसे देशों ने भी गेहूं के निर्यात में बढ़ोतरी करके वैश्विक आपूर्ति को संतुलित करने की कोशिश की थी। लेकिन वर्तमान संकट की प्रकृति कुछ अलग है, क्योंकि इस बार समुद्री मार्ग ही बाधित हो रहे हैं, जिससे आपूर्ति व्यवस्था पर अधिक गहरा असर पड़ने की आशंका है। इस संघर्ष का एक और गंभीर पहलू यह है कि ईरान ने क्षेत्र के कुछ अन्य देशों में स्थित ऊर्जा और औद्योगिक प्रतिष्ठानों को भी निशाना बनाया है, जिससे उत्पादन गतिविधियों पर असर पड़ा है। समुद्री मार्ग से होने वाले यूरिया व्यापार में कतर की ऊर्जा कंपनी फंजंतम्द्मतहल की लगभग 10 प्रतिशत हिस्सेदारी मानी जाती है।

आत्मनिर्णय का अधिकार होना चाहिए

जब संसद के बजट सत्र का अंतराल हुआ था तब परिस्थितियां अलग थीं, लेकिन आज युद्ध जैसे हालात बन जाने के कारण देश के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं, ऐसे संकट के समय संसद और सरकार की प्राथमिकताएं भी उसी के अनुरूप तय होनी चाहिए, इस समय सबसे पहले युद्ध की स्थिति में भारत का स्पष्ट पक्ष और राय सामने रखने की जरूरत है, इसके साथ ही विदेश नीति को किसी दबाव में गिरवी रखने का सवाल भी गंभीर है, भारत की परंपरागत स्वतंत्र विदेश नीति हमेशा देशहित को ध्यान में रखकर चलती रही है, तेल जैसी महत्वपूर्ण आपूर्ति के मामले में भी भारत को आत्मनिर्णय का अधिकार होना चाहिए, यदि किसी विदेशी दबाव या अमेरिकी आदेश के आधार पर निर्णय लिए जाते हैं तो इससे देश की संप्रभुता और आत्मनिर्भरता पर सवाल उठते हैं। **-अखिलेश यादव, अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी**

टी-20 क्रिकेट : टीम इंडिया का वर्चस्व

सोने सा सैमसन और जस्सी जैसा कोई नहीं

भारतीय टीम ने टी-20 क्रिकेट में अद्भुत खेल दिखाते हुए फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड जैसी सशक्त टीम को एक तरफा मात देकर लगातार दूसरी बार T-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी जीती जो अपने आप में अभी तक एक विश्व कीर्तिमान भी है क्योंकि अभी तक कोई भी टीम लगातार दो बार T-20 में विश्व चैंपियन नहीं बन सकी है हालांकि टीम इंडिया ने इस फॉर्मेट में तीसरी बार वर्ल्ड कप जीता है सबसे पहले महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में 2007, 2024 में रोहित शर्मा की कैप्टनशिप में और अब 2026 में सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में एक नया सूर्योदय हुआ है। यूं तो हम पहले भी कई बार चैंपियन बन चुके हैं मगर इस बार की जीत के मायने बिल्कुल अलग है। नॉक आउट मैचों में टीम इंडिया ने जो बेमिसाल प्रदर्शन करते हुए प्रतिद्वंद्वी टीमों को इतना रन टारगेट दिया कि अपनी बारी आने से पहले ही सेमीफइनल में इंग्लैंड और फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड पूरी तरह हार मान बैठी थी। सेमीफाइनल में इंग्लैंड जैसी मजबूत टीम के सामने 254 रनों का टारगेट और फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 256 रनों का लक्ष्य भारतीय टीम ने दिया था। यह टीम इंडिया की प्रतिबद्धता कड़ी मेहनत और कुशलता का प्रमाण है कि लगातार दो बार 120 गेंदों में 250 प्लस का स्कोर बनाना हर किसी टीम के बूते की बात नहीं है। इसके अलावा सुपर 8 का वेस्टइंडीज के खिलाफ करो या मरो वाले मैच में टीम इंडिया का 195 रनों का चेस भी अपने आप में टीम इंडिया की उपलब्धि बयान करता है। भारत की मौजूदा T-20 क्रिकेट टीम में एक से बढ़कर एक स्टार खिलाड़ी है इस टीम को देखकर 1980 के दशक की वेस्टइंडीज टीम, 2000 के बाद की रिकी पोंटिंग के नेतृत्व वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम की याद दिलाती है।

टीम इंडिया की मौजूदा खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस बल्लेबाजी, क्षेत्ररक्षण या गेंदबाजी के क्षेत्र में दुनिया की तमाम टीमों को बौना साबित करती है बल्लेबाजी में जहां सलामी जोड़ी के रूप में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन तीसरे स्थान पर ईशान किशन ने अपनी उपस्थित इंटरनेशनल मंच पर दिखाकर सबको हैरान कर दिया है क्योंकि क्योंकि तीनों की बैटिंग स्टाइल पावर प्ले खत्म होने के बाद भी 10 रन प्रति ओवर से ज्यादा रहती है जिससे विपक्षी टीम में लगातार दबाव में बिखरती जाती है और टीम इंडिया निखरती जाती है इनके बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, शिवम दुबे व हार्दिक पांडया जैसे हार्ड हीटर टीम में मौजूद है जो किसी भी लक्ष्य को भेद सकते हैं वहीं दूसरी और गेंदबाजी की बात अगर की जाए तो दुनिया का नंबर एक गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती स्पिन गेंदबाजी की अगवाई करते हैं तो वही दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तेज गेंदबाजी की कमान अपने हाथों में खुद लेकर टीम के लिए संकटमोचक साबित होते हैं सेमीफाइनल में और फाइनल में मिली जीत का आधार भी जसप्रीत बुमराह ही रहे हैं। दुनिया की तमाम क्रिकेट एक्सपर्ट भी मानते हैं कि पिच सपाट हो या उछाल भरा हो जसप्रीत बुमराह दुनिया के किसी भी विकेट पर विपक्षी बल्लेबाजों को धराशाई कर देते हैं।

यह टीम इंडिया की प्रतिबद्धता कड़ी मेहनत और कुशलता का प्रमाण है कि लगातार दो बार 120 गेंदों में 250 प्लस का स्कोर बनाना हर किसी टीम के बूते की बात नहीं है। इसके अलावा सुपर 8 का वेस्टइंडीज के खिलाफ करो या मरो वाले मैच में टीम इंडिया का 195 रनों का चेस भी अपने आप में टीम इंडिया की उपलब्धि बयान करता है। भारत की मौजूदा टी-20 क्रिकेट टीम में एक से बढ़कर एक स्टार खिलाड़ी है इस टीम को देखकर 1980 के दशक की वेस्टइंडीज टीम , 2000 के बाद की रिकी पोंटिंग के नेतृत्व वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम की याद दिलाती है।

संजू सैमसंग की वेस्टइंडीज के खिलाफ 97 की नाबाद पारी सेमी फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 89 और फाइनल में भी न्यूजीलैंड के खिलाफ तेज तर्रार 89 रनों की पारी हमेशा क्रिकेट इतिहास में याद रखी जाएगी। सूर्य कुमार यादव की यह टीम क्रिकेट की दुनिया में कई दशक तक याद रखी जाएगी। याद रखे जाने के कई महत्वपूर्ण कारण ये हैं कि जो भारतीय खिलाड़ी बल्लेबाजी

नासिर राना

कर रहे हैं वो नेक्स्ट लेवल बेटिंग कही जा सकती है। अब से 20 वर्ष पूर्व 2005 में जब टी-20 क्रिकेट की शुरुआत हुई, तब 150 रनों का लक्ष्य बहुत बड़ा माना जाता था। जैसे-जैसे फटाफट क्रिकेट का दौर बढ़ता गया, वैसे-वैसे ही इस फॉर्मेट में रन टारगेट भी बढ़ता चला गया। मौजूदा दौर में यदि कोई टीम अभी भी 200 रन बना लेती है, तो सामने वाली टीम को मैच जीतने में पसीने छूट जाते हैं, जबकि टीम इंडिया ने इस चुनौती को और बड़ा कर दिया है। पिछले दो-तीन वर्षों से देखने में आ रहा है कि टीम इंडिया 240 से 260 रनों का टारगेट कई बार प्रतिद्वंद्वी टीमों को दे चुकी है।

शीतला अष्टमी : भक्ति, स्वास्थ्य व समर्पण का संगम

शीतला माता से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। एक प्रसिद्ध कथा के अनुसार, एक गांव में एक महिला ने शीतला माता की पूजा न करके ताजा भोजन बनाया और अपने परिवार को खिलाया। माता शीतला इस पर कुपित हो गईं और उस गांव में चेचक का प्रकोप फैल गया। जब गांव वालों ने पश्चाताप कर माता की विधिवत पूजा की और बासी भोजन ग्रहण किया तो रोग समाप्त हो गया। इस घटना के बाद से लोग शीतला अष्टमी पर बासी भोजन खाने की परंपरा का पालन करने लगे। एक अन्य कथा के अनुसार, एक बार भगवान शिव और माता पार्वती ने देवी शीतला से उनके प्रभाव के बारे में पूछा।

श्वेता गोयल

शीतला अष्टमी, जिसे 'बसोड़ा' के नाम से भी जाना जाता है, हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण पर्व है, जिसे विशेष रूप से भारत के विभिन्न हिस्सों में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार होली के बाद चौत्र मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है और मुख्य रूप से देवी शीतला माता की उपासना के लिए समर्पित है, जिनको लेकर मान्यता है कि वे चेचक, फोड़े-फुंसी, त्वचा संबंधी रोगों तथा अन्य संक्रामक बीमारियों से रक्षा करती हैं। पंचांग के अनुसार शीतला अष्टमी का व्रत इस साल 11 मार्च 2026 को रखा जाएगा। चौत्र मास के कृष्णपक्ष की अष्टमी 11 मार्च 2026 को पूर्वाह्व 1:54 बजे से प्रारंभ होकर अगले दिन 12 मार्च को भोर के समय 4:19 बजे तक रहेगी, ऐसे में उदया तिथि के अनुसार शीतला अष्टमी 11 मार्च को मनाई जाएगी। शीतला अष्टमी का मुख्य उद्देश्य शीतला माता की पूजा करना है, जिन्हें रोगों से मुक्ति और स्वास्थ्य प्रदान करने वाली देवी माना जाता है। इस दिन लोग बासी भोजन का भोग लगाकर और शीतला माता की पूजा करके उनसे आशीर्वाद मांगते हैं। चूंकि इस दिन बासी भोजन खाने की परंपरा है, इसीलिए कई स्थानों पर इसे बसोड़ा पर्व के रूप में जाना जाता है। शीतला माता की पूजा में बासी भोजन का भोग लगाया जाता है, जिसे एक दिन पहले बनाया जाता है। इस भोजन में आमतौर पर मीठे चावल, दही, पूड़ी और सब्जी शामिल होती हैं।

पुराणों में शीतला अष्टमी की महिमा

पुराणों में भी शीतला अष्टमी की महिमा उल्लेखित है। स्कंद पुराण, भविष्य पुराण और देवी भागवत जैसे ग्रंथों में देवी शीतला की महत्ता का उल्लेख किया गया है। शीतला माता को रोग-निवारण करने वाली देवी के रूप में पूजा जाता है और उन्हें शांत, सौम्य और वात्सल्यपूर्ण स्वरूप में देखा जाता है। उनकी सवारी गधा मानी जाती है और उनके हाथों में झाड़ू तथा कलश होता है, जो स्वच्छता और रोग निवारण का प्रतीक हैं। शीतला अष्टमी का धार्मिक के साथ सांस्कृतिक और ऐतिहा. सिक महत्व भी है। यह त्योहार हमें हमारी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं से जोड़ता है और हमें स्वच्छता एवं स्वस्थ जीवनशैली के महत्व की याद दिलाता है तथा यह भी स्मरण कराता है कि हमें अपनी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखना चाहिए। शीतला माता की पूजा करने से हमें स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व का अहसास होता है। शीतला माता की पूजा करने से रोगों से मुक्ति मिलती है और परिवार में सुख-समृद्धि आती है। इस पर्व की शुरुआत प्राचीन काल में हुई मानी जाती है, जब समाज में संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए विशेष पूजा-पद्धतियों को अपनाया गया। चेचक जैसी बीमारियों से लोगों को सुरक्षित रखने के लिए शीतला माता की आराधना की जाने लगी। मान्यता है कि जो भक्त इस दिन विधिपूर्वक व्रत रखते हैं और माता की पूजा करते हैं, उन्हें रोगों से मुक्ति मिलती है तथा परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

लोक परंपराएं और धार्मिक मान्यताएं

शीतला अष्टमी के साथ कई लोक परंपराएं जुड़ी हुई हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न रूपों में प्रचलित हैं। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, गुजरात और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में यह पर्व विशेष उत्साह के साथ मनाया जाता है। राजस्थान में तो शीतला माता के बड़े-बड़े मंदिर हैं, जहां इस दिन श्रद्धालु विशेष रूप से दर्शन करने जाते हैं। इस दिन घरों में चूल्हा जलाने की मनाही होती है क्योंकि माना जाता है कि बासी भोजन में शीतलता होती है, जो शरीर को ठंडक प्रदान करती है और बीमारियों से बचाती है। इस दिन विशेष रूप से महिलाएं अपने घर की सफाई करती हैं और रोगों से बचाव के लिए शुद्धता बनाए रखने का संकल्प लेती हैं। कई स्थानों पर लोग इस दिन गधे की पूजा भी करते हैं क्योंकि गधे को शीतला माता का वाहन माना जाता है। कुछ स्थानों पर इस दिन गधों को स्नान कराकर उन्हें भोजन खिलाने की परंपरा भी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

खुद को फुटबॉल का पेले कहने वाले ओली की गति सबसे बुरी

यशोदा श्रीवास्तव

नेपाल का चुनाव परिणाम आ चुका है। काठमांडू के पूर्व मेयर जो एक उच्च शिक्षित इंजिनियर के साथ साथ रैपर भी हैं,इनकी सुनामी में कम्युनिस्ट नेता प्रचंड को छोड़ सबके सब लापता हो गए। एमाले नेता और चार बार के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली कहते थे कि दुनिया में कोई मां का लाल नहीं है जो उन्हें हटा सके,केपी ओली आज द केपी ओली कहते हुए वे खुद को फुटबाल का पेले मानते थे। झापा क्षेत्र संख्या पांच से केपी ओली 50,000 अधिक के अंतर चुनाव सारे हैं। हराया कौन है? वही 35 वर्षीय गबरू जवान जिले दुनिया वालेन शाह के नाम से जाना रही है।

काठमांडू का मेयर रहते टाइम मैगजीन ने इस शख्स को दुनिया के सौ बड़ी शख्सियतों में सुमार कर बड़ी से बड़ी शख्सियतों को चौंका दिया था। नेपाल में विरोधी तो उपहास तक उड़ाने लगे। इस सबसे बेफिक्र बालेन शाह चुपचाप अपना काम करते रहे। बताने की जरूरत नहीं कि 2023 में वे काठमांडू जैसे नेपाल के सबसे बड़े महानगर का मेयर निर्दल चुनाव लड़ कर जीते थे। ठीक 6 महीने पूर्व जेन जी आंदोलन का बड़ा चेहरा बनकर उभरे बालेन शाह चुनाव की घोषणा के बाद पूर्व गृहमंत्री रवि लामी छाने की पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी में शामिल हुए और एमाले अध्यक्ष केपी शर्मा ओली को नेपाल की राजनीति से करीब कघ्रीब रुखसत कर दिया। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अंदरूनी लहर में सभी पुरानी पार्टियां अपना अस्तित्व बचाने को जूझते हुए दिखाई पड़ीं। सबसे बड़ी व पुरानी पार्टी नेपाली कांग्रेस के हिस्से में महज 18 सीटें आई। इसके नीचे बाकी सभी पार्टियां रहीं। 275 के संसद में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी 185 सदस्यों के बीच दस पांच सदस्यों वाली ए पार्टियां करेंगी क्या,अब इस पर बहस शुरू हो गई है। नेपाल का चुनाव परिणाम केवल एक नन्हें देश का परिणाम नहीं है। यह दुनिया के उन तमाम देशों के शासकों को एक सबक है जो राष्ट्र को अपनी जागीर समझ कर शासन चलाने की भूल कर रहे हैं। भारत के पड़ोसी इस नन्हें राष्ट्र का चुनाव परिणाम युवा शक्ति के बदलाव की .ढ़ इच्छाशक्ति का नतीजा है जहां उनमें पलायन, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और प्रभावशाली लोगों के बच्चों तक ही सीमित सुख और अ"याशी पूर्ण जीवन शैली की आग धधक रही थी। देखा जाए तो चुनावी लहर इसे ही कहते हैं जहां किसी के पक्ष में सहानुभूति की जगह बदले की आग थी जिसकी लपटों में नेपाल की एक से एक पुरानी पार्टियां जलकर राख हो गई। यहां नेपाली कांग्रेस भी भस्म हुई तो कम्युनिस्ट पार्टियां भी स्वाहा हो गई। नेपाल से कम्युनिस्ट पार्टियों का खात्मा भारत के लिए अच्छा संकेत माना जा रहा है।

चुनाव प्रारंभ होने के कुछ दिन बाद तक राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को शहरी प्रभाव वाली पार्टी कहकर इसके सीमित क्षेत्रों तक सिमटने का कयास लगाया जा रहा था और चार बार के प्रधानमंत्री ओली को धूल चटाते हुए एतिहासिक मतों के अंतर से जीते काठमांडू के पूर्व मेयर और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रधानमंत्री का चेहरा रहे बालेन शाह को कड़े मुकाबले में फंसना बताया जा रहा था। राजनीतिक विश्लेषकों के सारे के सारे अनुमान धरे के धरे रह गए। चुनाव नतीजों में हर क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की सुनामी से यह साफ हो गया है कि राजशाही खत्म होने के बाद नेपाल को पहली मर्तबा प्रचंड बहुमत की सरकार नसीब होने जा रहा है। इस चुनाव परिणाम से सर्वाधिक खुश नेपाल के वे 70 प्रतिशत युवा हैं जिन्होंने एतिहासिक बदलाव की इबारत लिखी। सरकार बालेन शाह के नेतृत्व में बनना तय है। पार्टी अध्यक्ष रवि लामी छाने ने बालेन शाह को पार्टी में शामिल होते ही प्रधानमंत्री का चेहरा घोषित कर दिया था। नेपाल की राजनीति में पत्रकार से राजनेता बने रवि लामी छाने की इस चुनावी बिसात की तारीफ हर ओर हो रही है। नई सरकार में रवि लामी छाने गृहमंत्री होंगे,यह भी तय है। सरकार गठन के पूर्व उन्होंने लंबे समय तक सरकार में रहे राजनीतिक दलों से 40 साल का हिसाब लेने का बयान देकर पुरानी राजनीतिक दलों में खलबली मचा दी है। उनका यह बयान भ्रष्टाचार के विरुद्ध खुली जंग के ऐलान के रूप में देखा जा रहा है।

बता दें कि नेपाली कांग्रेस हो या एमाले, घूम फिर कर सरकार इन्हीं के नेतृत्व में बनती रही है। देखा जाए तो 2008 के बाद नेपाल में सरकार सरकार का खेल ऐसा चला कि ए जनता की ताकत को ही भूल गए। ए लोग केवल अपने और अपने परिवार के विकास तक ही सीमित रहे। एमाले और नेपाली कांग्रेस के एक से एक बड़े नेताओं के हाथ भ्रष्टाचार से सने हुए हैं। जैसा कि रवि लामी छाने ने कहा, यदि वे इस पर अमल कर ले गए तो यकीन मानिए, एमाले और नेपाली कांग्रेस के ढेर सारे बड़े नेता सलाखों के पीछे होंगे। मुमकिन यह भ्रष्टाचार के खिलाफ इस मुहिम में इस बार नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व पीएम शेर बहादुर देउबा और उनकी पत्नी आरजू राणा भी न बच पाएं। इन दोनों पर भी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप है। ओली सरकार में बहुत कम दिनों तक गृहमंत्री रहे रवि लामी छाने की छवि एक सख्त गृहमंत्री की उभर कर जनता के सामने आई थी। उन्होंने एक से एक राजनीतिक भ्रष्टाचार को उजागर कर जनता में अपनी छवि ईमानदार नेता की बना ली थी। अमरीकी पृष्ठभूमि के रवि लामी छाने का रुख भारत के प्रति कैसा होता है यह देखना दिलचस्प होगा। हालांकि पार्टी के वरिष्ठ नेता अमरेश सिंह ने चुनाव परिणाम में पार्टी की बढ़त के बीच काठमांडू में मीडिया के सवालों के जवाब में साफ कहा कि भारत से मधुर संबंध को लेकर कोई कन्फ्यूजन नहीं है। उसे साथ लेकर नेपाल को आगे बढ़ाएंगे, लेकिन बालेन शाह जो हैं तो चीन के खिलाफ लेकिन भारत के प्रति उनके रुखघ को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है क्योंकि बतौर मेयर उनका अपने कक्ष में ग्रेटर नेपाल का लगाया मानचित्र भारत को खटकता रहा क्योंकि इस नक्शे में भारत के कई इलाकों को नेपाली भू-क्षेत्र दर्शाया गया है। खैर तब वे मेयर थे अब वे एक ऐसे राष्ट्र के प्रधानमंत्री होने जा रहे हैं जिसका संबंध भारत से केवल खानापूर्ति जैसा नहीं है, दोनों के बीच रोटी बेटी का सदियों पुराना रिश्ता है ही, दोनों देश भौगोलिक, रीत रिवाज और सांस्कृतिक सभ्यता की दृष्टिकोण से भी एक दूसरे से जुड़े हैं। भारत नेपाल के संबंधों को नजदीक से जानने वालों द्वारा दोनों देशों के बीच दशकों पुरानी संधियों और समझौते की पुनर्समीक्षा की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल नेपाल की संभावित बालेन सरकार इसे लेकर शायद ही कोई जल्दबाजी दिखाएं। माना कि वे राजनीति के मजे मजाए खिलाड़ी न हों लेकिन एक उच्च शिक्षित शख्सियत तो हैं ही। वेशक वे नेपाल के अबतक के इतिहास में सबसे कम उम्र 35 वर्ष के प्रधानमंत्री होने जा रहे हैं लेकिन यह उनके सरकार चलाने में आड़े आए,ऐसी सोच ठीक नहीं है। बालेन शाह से नेपाल के युवाओं और महिलाओं को काफी उम्मीदें हैं। वे जेन जी आंदोलन का प्रमुख चेहरा थे। आज उनकी इस बात को लेकर तारीफ हो रही है कि जो शख्स नेपाल के दुश्वारियों को भांप कर सरकार अपदस्थ करने का माद्दा रखता हो, उसके सरकार चलाने में किसी संशय की गुंजाइश नहीं है। ऐसे चुनाव परिणाम की आशा विपक्षी दलों को नहीं थी। पुरानी कोई भी पार्टी विपक्ष के लायक भी सीटें जीतने की स्थिति में नहीं आ पाई। इसी चुनाव में नेपाली कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष गगन थापा की भी परीक्षा हो गई। सबसे बुरे दौर में नेपाली कांग्रेस आ खड़ी हुई। बालेन शाह के नेतृत्व में बनने जा रही नेपाल की पूर्ण बहुमत की सरकार के काम काज के तरीकों पर दुनिया की नजर रहना स्वाभाविक है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

जंग के बीच ईरान में नए युग की शुरुआत

अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई बने ईरान के नए सर्वोच्च नेता, पिता अयातुल्ला अली खामेनेई का लेंगे स्थान

तेहरान/नई दिल्ली। अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई को ईरान का नया सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया है। वह अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई का स्थान लेंगे, जो 28 फरवरी को इजरायल-अमेरिका के हवाई हमले में मारे गए थे। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी (एमएनए) ने बताया कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की विशेषज्ञों की परिषद (असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स) ने सोमवार तड़के अयातुल्ला सैयद मोजतबा खामेनेई को इस्लामिक क्रांति का तीसरा नेता घोषित किया। एक बयान में, परिषद ने कहा कि अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई की 'शहादत' के तुरंत बाद, युद्ध की स्थिति, दुश्मन की धमकियों और असेंबली के कार्यालयों पर बमबारी के बावजूद, उन्होंने नया नेता चुनने में कोई संक.च नहीं किया। बयान में कहा गया

ईरानी सेना अधिकारियों और जनता ने खामेनेई के प्रति अपनी निष्ठा की शपथ ली है

कि अपने संवैधानिक और आंतरिक कर्तव्यों के अनुरूप, परिषद ने तेजी से एक असाधारण सत्र बुलाने और उत्तराधिकारी नियुक्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाए। आठ सितम्बर 1969 को मशहद में जन्मे मोजतबा खामेनेई, अली खामेनेई के दूसरे बेटे हैं। 88 सदस्यीय 'असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स' ने अमेरिका और इजरायल के साथ युद्ध शुरू होने के एक सप्ताह से कुछ अधिक समय बाद उन्हें इस्लामिक गणराज्य का नया सर्वोच्च नेता नामित किया है। अयातुल्ला अली खामेनेई के मारे जाने के बाद, तीन सदस्यीय एक अस्थायी नेतृत्व परिषद ने नया नेता चुने जाने तक देश का नेतृत्व किया। इस परिषद में जिसमें राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और न्यायपालिका प्रमुख गुलामहुसैन मोहसेनी-एजेई शामिल थे। एमएनए के अनुसार, ईरानी सेना, अधिकारियों और जनता ने खामेनेई के प्रति अपनी निष्ठा की शपथ ली है। सोमवार तड़के जारी बयानों में, ईरान के अधिकारियों और संगठनों ने नए चुने गए नेता के प्रति अपनी वफादारी की घोषणा की। ईरान के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने खामेनेई के प्रति निष्ठा जताते हुए एक बयान में पुष्टि की कि वे दुश्मनों की साजिशों के खिलाफ खड़े रहेंगे और देश की रक्षा में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। शिया धर्मगुरु खामेनेई (56) ईरानी सत्ता के गलियारों में सबसे प्रभावशाली हस्तियों में से एक हैं और उन्हें शक्तिशाली 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) का करीबी माना जाता है। ईरान की असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स ने ईरानी लोगों से नए चुने गए नेता के पीछे खड़े होने और 'एकता बनाए रखने' का आग्रह किया है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि खामेनेई का बेटा उन्हें 'अस्वीकार्य' होगा। उन्होंने कहा था कि यदि नियुक्ति उनकी इच्छा के अनुसार नहीं हुई, तो ईरान का नया नेता ज्यादा समय तक नहीं टिक पाएगा।

नामीबिया से आई चीता 'ज्वाला' ने कुनो राष्ट्रीय उद्यान में दिया पांच शावकों को जन्म

नई दिल्ली। नामीबिया से आई चीता 'ज्वाला' ने मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में पांच शावकों को जन्म दिया है। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस जन्म के साथ, भारत में जन्मे स्वस्थ शावकों की संख्या बढ़कर 33 हो गई है। उन्होंने कहा कि भारत की चीता संरक्षण यात्रा में यह एक और महत्वपूर्ण सफलता है। यादव ने इसे 'प्रोजेक्ट चीता' के लिए अत्यंत गर्व का क्षण बताया और कहा कि यह उपलब्धि पशु चिकित्सकों, फील्ड स्टाफ और इस परियोजना से जुड़े सभी लोगों के समर्पित प्रयासों को दर्शाती है। उन्होंने यह भी बताया कि इन शावकों के जन्म के साथ भारत में चीतों की कुल संख्या 53 हो गई है।

नई दिल्ली। ईरानी सांस्कृतिक केंद्र और दूतावास के दौरे के दौरान पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती बात करते हुए।

चीन ने 'ताइवान की स्वतंत्रता' की मांग करने वाले अलगाववादियों को कड़ी सजा दी

बीजिंग। चीन ने 2025 में 'ताइवान की स्वतंत्रता' की मांग करने वाले कट्टर अलगाववादियों को कड़ी सजा दी है। सुप्रीम पीपुल्स कोर्ट ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। राष्ट्रीय संसद सत्र में विचार-विमर्श के लिए जमा की गई रिपोर्ट के अनुसार, चीन में अलगाव रोधी कानून को सख्ती से लागू किया गया है। सुप्रीम पीपुल्स प्रोक्यूरेटोरेट ने उसी दिन समीक्षा के लिए जमा की गई अपनी वर्क रिपोर्ट में कहा कि राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए अलगाववाद को भड़काने के अपराधों के लिए कट्टर 'ताइवान की स्वतंत्रता' के अलगाववादियों को कानून के अनुसार सजा दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

इंडिगो के खराब रोस्टर प्रबंधन के कारण काहिरा में फंसे 250 यात्री

नई दिल्ली। निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो की रोस्टर प्रबंधन में विफलता एक बार फिर सामने आई है, लंदन से मुंबई आ रही फ्लाइट को पायलट-ड्यूटी से संबंधित नियमों के कारण काहिरा में उतारना पड़ा। सूत्रों ने बताया कि उड़ान संख्या 6ई 2 लंदन से मुंबई जा रही थी, लेकिन पायलट की ड्यूटी की अधिकतम सीमा का उल्लंघन हो रहा था, इसलिए उड़ान को मिस्र की राजधानी काहिरा में उतारा गया। उन्होंने बताया कि उड़ान काहिरा से मंगलवार सुबह मुंबई के लिए उड़ान भरेगी। उड़ानों की ट्रैकिंग करने वाली एजेंसी फ्लाइट रडार के अनुसार, यह उड़ान भारतीय समय के अनुसार, सोमवार तड़के 3:05 बजे लंदन से रवाना हुई थी।

अमेरिका के दूत स्टीव विटकॉफ इजरायल जाएंगे

वॉशिंगटन। अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दामाद, उद्यमी जेरेड कुशनर मंगलवार को इजरायल जाएंगे। मीडिया ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों नेता दौरे के दौरान इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मिलेंगे।

बेल्जियम के लिएज में सिनेगॉग के बाहर धमाका

ब्रुसेल्स। बेल्जियम के लिएज शहर में एक सिनेगॉग (यहुदी उपासना स्थल) के पास विस्फोट हुआ। बेल्गा समाचार एजेंसी की रिपोर्ट में स्थानीय पुलिस के हवाले से जानकारी दी गई है कि सोमवार को हुई इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है, लेकिन इमारत को नुकसान पहुंचा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह विस्फोट स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 4:00 बजे (03:00 जीएमटी) हुआ। धमाके के कारण इमारत की खिड़कियों के शीशे टूट गए और संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। सिनेगॉग के सामने वाली सड़क की घेराबंदी कर दी गई है और मामले की जांच जारी है।

पश्चिम एशिया में युद्ध का कोई उद्देश्य साफ नहीं: जैक सुलिवन

पूर्व अमेरिकी एनएसए ने ईरान से जंग पर जताई चिंता, ट्रम्प की रणनीति की आलोचना की

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष अब अपने दसवें दिन में प्रवेश कर चुका है। इसके बाद भी ये संघर्ष कम होने के बजाय और भयावह रूप लेता नजर आ रहा है। इसी बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहक.ार जैक सुलिवन का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने ट्रम्प प्रशासन के ईरान के साथ युद्ध को लेकर चिंता व्यक्त की है। साथ ही ट्रम्प की ईरान के साथ युद्ध नीति की आलोचना भी की है। उन्होंने कहा है कि युद्ध एक स्पष्ट रणनीतिक उद्देश्य के बिना भटक सकता है, भले ही अमेरिकी सैन्य अभियान सामरिक स्तर पर सफल दिख रहे हों।

सुलिवन ने सीएनएन के शो 'फरीद जकारिया जीपीएस' में कहा कि अमे.रिकी सेना बहुत कुशल, साहसी और पेशेवर है, लेकिन युद्ध का अंतिम उद्देश्य अब भी साफ नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह युद्ध अमेरिकी सैनिकों के लिए खतरा पैदा कर रहा है, और अब तक सात सैनिकों की जान जा चुकी है। उनका कहना है कि प्रशासन ने युद्ध के लिए कई अलग-अलग वजहें बताई हैं, लेकिन कोई स्पष्ट रणनीति नहीं है, और यह समय के साथ बदलती रहती हैं। सुलिवन ने आगे कहा कि युद्ध के शुरुआती एक हफ्ते से भी ज्यादा समय बाद अस्पष्ट रणनीति एक गंभीर जोखिम है। उन्होंने ट्रम्प प्रशासन की वेनेजुएला में पहले की कार्रवाई से गलत सबक लेने की भी आलोचना की। उनका कहना है कि इससे यह संदेश जा सकता है कि

अमेरिकी संसद में एच-1बी प्रतिबंध खत्म करने को विधेयक पेश, डोनाल्ड ट्रम्प को चुनौती

ट्रम्प प्रशासन की वेनेजुएला में पहले की कार्रवाई से गलत सबक लेने की भी आलोचना की

अमेरिका कहीं भी, किसी भी समय सैन्य बल का इस्तेमाल कर सकता है। इसके साथ ही सुलिवन ने चेतावनी दी कि इस युद्ध के अनपेक्षित भू-राजनीतिक परिणाम हो सकते हैं, जिससे खासकर रूस को फायदा होगा।

उन्होंने कहा कि रूस अमेरिकी सैनिकों के ठिकानों की जानकारी हासिल कर ईरान को मदद दे सकता है। इसके अलावा पूर्व सलाहकार ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू करने का फैसला यूक्रेन के लिए अमेरिका के समर्थन को कमजोर करता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यह युद्ध भू-राजनीति में खतरनाक मिसाल बना सकता है, और चीन इसे यह सोचकर देख सकता है कि ताइवान पर सैन्य कार्रवाई करने की उसकी क्षमता बढ़ गई है। सुलिवन ने निष्कर्ष निकाला कि युद्ध के बिना स्पष्ट रणनीति के जारी रहने से न सिर्फ अमेरिकी सैनिक खतरे में हैं, बल्कि यह दुनिया भर में बड़े देशों के लिए गलत संदेश भी भेज सकता है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा एच-1बी वीजा से संबंधित लागू किए गए कड़े प्रतिबंधों को चुनौती देते हुए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में एक नया विधेयक पेश किया गया है। डेमोक्रेटिक सांसद बोनी वाटसन कोलमैन ने यह विधेयक पेश कर राष्ट्रपति ट्रम्प के उस फैसले को निरस्त करने की मांग की है, जिसमें एच-1बी वीजा पर काम करने वाले कर्मचारियों को नियुक्त करने वाले नियोक्ताओं पर सख्त वेतन शर्तें और भारी शुल्क लगाए गए थे। राष्ट्रपति ट्रम्प ने सितम्बर 2025 में एक ऐसे फैसले की घोषणा की थी, जिसके तहत एच-1बी वीजा कर्मचारियों के लिए अनिवार्य वेतन स्तर को काफी बढ़ा दिया गया और ऐसे कर्मचारियों को रखने वाले नियोक्ताओं पर एक लाख डालर का शुल्क भी लगाया गया। इस फैसले का उद्देश्य कथित तौर पर अमेरिकी श्रमिकों के हितों की रक्षा करना था। हालांकि, डेमोक्रेटिक सांसद कोलमैन का मानना है कि यह 'अल्पदृष्टि वाली घोषणा' अमे.रिकी नियोक्ताओं, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और शोध संस्थानों के लिए बड़ी बाधाएं खड़ी कर रही है। ये संस्थान उच्च कौशल वाले पेशेवरों पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं। कोलमैन ने जोर देकर कहा कि एच-1बी वीजा प्रोग्राम कभी भी घरेलू वर्कफोर्स का विकल्प नहीं रहा है, बल्कि यह अमेरिकी और वैश्विक प्रतिभा के बीच एक सेतु का काम करता है, जो देश की आर्थिक वृद्धि को गति प्रदान करता है। एच-1बी वीजा प्रोग्राम अमेरिकी नियोक्ताओं को उन विशेष क्षेत्रों में विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करने की अनुमति देता है, जहाँ कुशल श्रमिकों की कमी होती है। विशेष रूप से टेक्नोलाजी, इंजीनियरिंग, हेल्थकेयर और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में इस कार्यक्रम की महत्ता सर्वविदित है। कोलमैन के विधेयक को कई लोगों का समर्थन मिला है। समर्थकों का कहना है कि अधिक वेतन सीमा और महंगे शुल्क के कारण कार्यक्रम को कड़ा बनाने से उन संस्थानों के लिए आवश्यक प्रतिभा को आकर्षित करना मुश्किल हो गया है, जो नवाचार (इनोवेशन) और महत्वपूर्ण सेवाओं को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

ईरान के खिलाफ युद्ध समाप्त करने से पहले नेतन्याहू से भी बात होगी: ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ जारी संघर्ष को कब समाप्त करना है इसका निर्णय इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ मिलकर लिया जाएगा।

'द टाइम्स ऑफ इजराइल' के साथ एक टेलीफोन साक्षात्कार में अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि वर्तमान सैन्य कार्रवाई से पहले ईरान इजराइल को नष्ट करने के करीब था। उन्होंने कहा कि ईरान इजराइल और उसके आसपास की हर चीज को तबाह करने जा रहा था। हमने मिलकर काम किया है। हमने उस देश को नष्ट कर दिया है जो इजराइल को मिटाना चाहता था। यह पूछे जाने पर कि क्या अभियान को रोकने का अधिकार पूरी तरह से अमेरिका के पास है या इस निर्णय में इजराइल का भी समान प्रभाव है, ट्रम्प ने संकेत दिया कि दोनों नेता एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह कुछ हद तक आपसी है। हम बात कर रहे हैं। मैं सही समय पर फैसला लूंगा, लेकिन हर बात को ध्यान में रखा जाएगा। उन्होंने सुझाव दिया कि अंतिम फैसला उनका होगा, लेकिन नेतन्याहू के विचारों पर भी विचार किया जाएगा। जब ट्रम्प से पूछा गया कि यदि अमेरिका अपनी तरफ से कार्रवाई रोक देता है, तो क्या इजराइल स्वतंत्र रूप से सैन्य अभियान जारी रख सकता है, तब उन्होंने इस संभावना को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इसकी आवश्यकता होगी। ये टिप्पणियां तब आई हैं जब व्हाइट हाउस ने सुझाव दिया है कि यह संघर्ष चार से छह सप्ताह तक चल सकता है, हालांकि ट्रम्प ने किसी विशिष्ट समय सीमा की घोषणा नहीं की है। यह लड़ाई 28 फरवरी को अमेरिकी-इजरायली सैन्य अभियान के साथ शुरू हुई थी। इन हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे। यह साक्षात्कार ईरान द्वारा मोजतबा खामेनेई को ईरान का नया सर्वोच्च नेता चुने जाने की घोषणा के कुछ ही समय बाद हुआ।

पाक में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में करीब 20 आतंकी ढेर किए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने आतंकियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अलग-अलग मुठभेड़ में करीब 20 आतंकियों को ढेर कर दिया है।

खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों ने पांच अलग-अलग खुफिया अभियानों में 13 आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना की मीडिया विंग आईएसपीआर ने रविवार को बताया कि ये अभियान 6 और 7 मार्च को चलाए गए थे। सबसे बड़ी कार्रवाई बाजौर जिले में हुई, जहां भीषण गोलाबारी के बाद पांच आतंकियों को ढेर कर दिया गया। इसके अलावा बन्नू, डेरा इस्माइल खान, खैबर और दक्षिण वजीरिस्तान जिलों में हुई मुठभेड़ों में आठ अन्य आतंकी मारे गए। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने रविवार रात पंजाब प्रांत में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के चार आतंकवादियों को मार गिराया। पंजाब पुलिस के काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) के अनुसार, पंजाब का डेरा गाजी खान जिला एक बड़े आतंकवादी हमले से बाल-बाल बच गया, क्योंकि 'फितना अल-खवारिज' (टीटीपी) के चार आतंकवादी सीमावर्ती गांव जोतार के पास सीटीडी के साथ गोलीबारी में मारे गए। इलाके में लगभग 15 आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद एक खुफिया ऑपरेशन चलाया, जिन्होंने डीजी खान में पुलिस चेकपाइंट और अन्य सरकारी ठिकानों पर हमला करने की योजना को अंतिम रूप दिया था।

फिलीपींस के बाद अब इंडोनेशिया खरीदने जा रहा है ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान तथा उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद करने वाली ब्रह्मोस मिसाइल एक बार फिर सुर्खियों में है और फिलीपीन्स के बाद इंडोनेशिया भी अपने सशस्त्र बलों के लिए यह मिसाइल प्रणाली खरीदने जा रहा है। इंडोनेशिया की मीडिया रिपोर्टों में वहां के रक्षा मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि उसने ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली की खरीद को अंतिम रूप दे दिया है। लंबे समय से चली आ रही बातचीत के बाद इस सौदे को अंतिम रूप दिया गया है। हालांकि अभी इस बारे में कोई औपचारिक अनुबंध नहीं हुआ है।

ईरान की मदद क्यों नहीं कर रहे हूती विद्रोही

10 दिन बाद भी जंग से दूर शिया लड़ाके, समर्थन में सिर्फ बयान दे रहे ईरान के सहयोगी माने जाते हैं यमन के हूती विद्रोही

तेहरान। इजरायल और अमे.रिका के ईरान पर हमले के बाद पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव फैल गया है। इस जंग में ईरान, इजरायल, सऊदी, लेबनान, यूएई जैसे मिडिल ईस्ट के कुल 12 देश शामिल हो चुके हैं। हालांकि जंग के 10 दिन बीत जाने के बाद भी अब तक यमन इससे दूर है। यमन में हूती विद्रोही रहते हैं जो कि ईरान के सहयोगी माने जाते हैं।

अक्टूबर 2023 में गाजा जंग शुरू होने के बाद कई बार इजरायल और हूती विद्रोही एक-दूसरे पर हमला कर चुके हैं। पिछले साल जून में इजरायल और ईरान के बीच 12 दिन जंग चली थी, तब भी हूती विद्रोही इस जंग में शामिल थे। हालांकि इस बार 28 फरवरी से जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले शुरू किए, तब से अब तक हूती विद्रोहियों ने ईरान का समर्थन केवल बयानों के जरिए ही किया है। हालांकि यह साफ नहीं है कि वे आगे भी इस जंग से दूर रहेंगे या नहीं। यमन अभी तक इजरायल और अमे.रिका के हमलों से बचा हुआ है। अल जजीरा के मुताबिक एक्सपर्ट्स का यह मानना है कि हूती जंग में हिस्सा लेंगे। फिलहाल उनका इससे दूर रहना किसी रणनीति से जुड़ा हो सकता है। मिडिल ईस्ट मामलों पर नजर रखने वाले लुका नेवोला ने अल जजीरा से कहा कि हूती विद्रो.हियों की सबसे बड़ी प्राथमिकता यह है कि अमेरिका और इजरायल की सीधी जवाबी कार्रवाई से बचा जाए। पिछले साल अगस्त में इजरायल ने यमन में हवाई हमले किए थे, जिनमें हूती सरकार के कम से कम 12 सीनियर मेंबर मारे गए थे। इनमें प्रधानमंत्री अहमद अल-रहावी और आर्मी चीफ मोहम्मद अल-घुमारी भी शामिल थे। यह हूती विद्रोहियों के लिए बहुत बड़ा नुकसान था। अमेरिका तथा इजरायल के साथ टकराव में उनकी सबसे बड़े नुकसान में से एक माना गया था। अहमद अल रहावी की मौत 28 अगस्त 2025 को सना (यमन) में इजरायली एयरस्ट्राइक में हुई थी। इस घटना और पिछले साल हुए अन्य हमलों के बाद हूती लीडरशिप अब ज्यादा सतर्क हो गया है। उन्हें डर है कि अगर वे बड़ा कदम उठाते हैं तो उनके नियंत्रण वाले इलाकों पर भारी हवाई हमले हो सकते हैं। नेवोला के मुताबिक हूती विद्रोहियों को इजरायल की खुफिया क्षमता से भी डर है और उन्हें आशंका है कि उनको टॉप लीडरशिप को निशाना बनाया जा सकता है।

अक्टूबर 2023 में गाजा जंग शुरू होने के बाद कई बार इजरायल और हूती विद्रोही एक-दूसरे पर हमला कर चुके हैं

पिछले साल जून में इजरायल और ईरान के बीच 12 दिन जंग चली थी

ईरान जंग से कच्चा तेल 2022 के बाद सबसे महंगा

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 115 डॉलर के पार निकला, एक्सपर्ट बोले: 150 डॉलर तक पहुंच सकती हैं कीमत

नई दिल्ली। अमेरिका-इजरायल और ईरान जंग से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम साढ़े तीन साल के हाई पर पहुंच गए हैं। आज यानी 9 मार्च को कारोबार के दौरान ये 25 प्रतिशत बढ़कर 115 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। हालांकि बाद में ये थोड़ा नीचे आया और ये अब 105 डॉलर के करीब है। इससे पहले 2022 में रूस-यूक्रेन जंग से कच्चा तेल 100 डॉलर के पार निकला था।

क्रूड आयल बढ़ने की सबसे बड़ी वजह 'स्ट्रेट आफ होर्मुज' का बंद होना है। ये करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। ईरान जंग के कारण यह रूट अब सुरक्षित नहीं रहा है। खतरे को देखते हुए कोई भी तेल टैंकर वहां से नहीं गुजर रहा। दुनिया के कुल पेट्रोलियम का 20 प्रतिशत हिस्सा यहीं से गुजरता है। सऊदी अरब, इराक और कुवैत जैसे देश भी अपने निर्यात के लिए इसी पर निर्भर हैं। भारत अपनी जरूरत का 50 प्रतिशत कच्चा तेल और 54

दुनिया के कुल पेट्रोलियम का 20% हिस्सा यहीं से गुजरता है, सऊदी अरब, इराक व कुवैत जैसे देश भी अपने निर्यात के लिए इसी पर निर्भर हैं

प्रतिशत एलएनजी इसी रास्ते से मंगाता है। ईरान खुद इसी रूट से एक्सपोर्ट करता है। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों के जवाब में, ईरान ने कतर, सऊदी अरब और कुवैत की आयल फैसिलिटीज पर ड्रोन हमले किए हैं। इन हमलों के कारण इन देशों को अपने उत्पादन में कटौती करनी पड़ी है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने धमकी दी है कि वे क्षेत्र के अन्य ऊर्जा ठिकानों को भी निशाना बनाएंगे। 2 मार्च को ईरान ने ड्रोन से सरकारी तेल कंपनी सऊदी अरामको की तेल रिफाइनरी रास तनूरा पर हमला किया था। यह दुनिया की सबसे बड़ी तेल और गैस कंपनियों में से एक है। ब्रेंट क्रूड आज 10प्रतिशत से ज्यादा चढ़कर 105 डॉलर प्रति बैरल के करीब ट्रेड कर रहा है। 28 फरवरी को शुरू हुई जंग के बाद से 10 दिन में कच्चा तेल करीब 50प्रतिशत महंगा हो चुका है। इससे पहले 2022 में रूस-यूक्रेन जंग के दौरान ये 100 डॉलर के पार निकला था। जानकारों का मानना है कि तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल पर दिख सकता है। ये 5 से 6 रुपये लीटर तक महंगा हो सकता है। हालांकि भारत सरकार का कहना है कि हमारे पास पर्याप्त तेल है। एक रिपोर्ट के अनुसार यह बैकअप इतना है कि अगर सप्लाई पूरी तरह रुक भी जाए तो भी देश की पूरी सप्लाई चेन 7 से 8 हफ्तों तक आसानी से चल सकती है। यानी आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल और दूसरे पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की कमी की ज्यादा चिंता नहीं है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्काट बेसेंट ने 6 मार्च को बताया था कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने की शर्तों के साथ छूट दी जा रही है। इसके लिए अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की ओर से भारतीय रिफाइनरियों को 30 दिन का स्पेशल लाइसेंस दिया है। ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई को स्थिर रखने के लिए यह छूट दी गई है। रूस-यूक्रेन युद्ध के शुरू होने के बाद भारत ने रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदना शुरू किया था, लेकिन अमेरिका भारत पर इसकी खरीद रोकने का दबाव बनाता रहा है।

नेपाल संसदीय चुनाव में 14 महिलाओं की जीत

काठमांडू। नेपाल में हाल ही में संपन्न संसदीय चुनाव में 14 महिलाएं संसद के लिए चुनी गई हैं, जो कुल सीटों का करीब आठ प्रतिशत से थोड़ा अधिक है। इनमें से 13 सीटों पर राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने जीत दर्ज की है, जबकि एक सीट नेपाली कांग्रेस के खाते में गई है। यह आंकड़ा पिछले चुनावों की तुलना में बेहतर माना जा रहा है। वर्ष 2022 के चुनाव में केवल 9 महिला उम्मीदवार ही जीत पाई थीं, जो कुल सीटों का करीब 5.45 प्रतिशत थीं। नेपाल के संविधान में संसद में महिलाओं के लिए कम से कम 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व का प्रावधान है, लेकिन अब तक राजनीतिक दल इस लक्ष्य को पूरा करने में सफल नहीं हो पाए हैं। प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली के तहत इस बार 14 महिलाओं की जीत के साथ उनका प्रतिनिधित्व लगभग 8.48 प्रतिशत तक पहुंचा है। नेपाल की प्रतिनिधि सभा में कुल 275 सीटें हैं। इनमें से 165 सदस्य प्रत्यक्ष चुनाव के जरिए चुने जाते हैं, जबकि 110 सदस्य आनुपा.तिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के माध्यम से संसद में आते हैं। इस बार चुनाव में कई महिला उम्मीदवारों ने बड़े नेताओं को हराकर जीत हासिल की।